संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
शनिवार
13 सितंबर, 2025
वर्ष:24 अंक: 80
कुल पृष्ठ: 08
मूल्य: 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं

दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित।

www.hindjanpath.com

हरियाणा के सरकारी अस्पतालों में जल्द भर्ती किए जाएंगे 500 डॉक्टर: आरती सिंह राव

पेज-8

मोटी-मोटी बातें

बीरभूम में खदान का हिस्सा ढहने से 6 लोगों की मौत, वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद

बीरभूम: पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के बहादुरपुर गांव में शनिवार को पत्थर खदान का एक हिस्सा ढह जाने से 6 लोगों की मौत हो गई। वहीं 3 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि खदान में काम कर रहे मजदूर खनन प्रक्रिया के दौरान दोपहर में क्रशर पर भारी चट्टानों की चपेट में आ गए थे, जिससे उनकी मौत हो गई। घायलों को गंभीर हालत में पहले रामपुरहाट मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके बाद उनकी हालत बिगड़ने पर दो लोगों को बर्दवान मेडिकल कॉलेज में ले जाया गया। नलहाटी थाने से पुलिस और वरिष्ठ सरकारी अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे जहां से उन्होंने घायल मजदूरों को बचाया।

यह तुरंत पता नहीं लग सका कि क्रशर बेड वैध लाइसेंस के तहत संचालित हो रहा था या नहीं। हालांकि स्थानीय लोगों का कहना है कि उस क्षेत्र में अवैध खनन बड़े पैमाने पर होता है और मजदूरों के लिए सुरक्षा के कोई पुख्ता इंतजाम नहीं हैं। जिले के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि अभी खदान का हिस्सा ढहने के कारण पर कोई टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी।

हमारे वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद हैं जो मामले की जांच कर रहे हैं। वे पता लगाएंगे कि क्या खदान अवैध तरीके से संचालित हो रही थी। स्थानीय लोगों के अनुसार, दुर्घटना के समय खदान में लगभग 12 मजदूर काम कर रहे थे। कुछ ग्रामीणों ने आशंका जताई कि पिछले महीने क्षेत्र में हुई भारी बारिश के कारण खदान ढही।

हिमाचल में मानसून की मार : 583 लिंक रोड और 3 राष्ट्रीय राजमार्ग अब भी बाधित, 215 लोगों की मौत

हिन्द जनपथ
शिमला (ब्यूरो)। हिमाचल प्रदेश में मानसून का कहर जारी है। राज्य के राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने शुक्रवार को बताया कि भले ही कई सड़कों की बहाली पूरी कर ली गई है, लेकिन अब भी बड़ी संख्या में मार्ग क्षतिग्रस्त हैं।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में 583 लिंक रोड और 3 राष्ट्रीय राजमार्ग यातायात के लिए बंद पड़े हैं। इसके साथ ही 806 डीटीआर मार्ग और 364 जल आपूर्ति योजनाएं (WSS) बाधित हैं।

मंत्री नेगी ने बताया कि इस बार मानसून सीजन के दौरान 215 लोगों की जान गई है, जिनमें से 165 मौतें सड़क दुर्घटनाओं के कारण हुई हैं।

नेपाल में पशुपतिनाथ मंदिर से लौट रहे भारतीय श्रद्धालुओं की बस पर 'हमला', कई यात्री घायल

महाराजगंज (इत्तर प्रदेश): काठमांडू स्थित पशुपतिनाथ मंदिर से लौट रही भारतीय श्रद्धालुओं की बस पर नेपाल में चल रहे विरोध प्रदर्शनों के दौरान हमला हो गया। बस चालक के अनुसार, घटना 9 सितंबर को भारत-नेपाल सीमा के पास सोनौली के नजदीक हुई, जब प्रदर्शनकारियों ने बस पर पत्थरबाजी की। इस घटना में कई यात्री, जिनमें महिलाएं और बुजुर्ग भी शामिल थे, घायल हो गए।

बताया गया कि बस में कुल 49 भारतीय यात्री सवार थे। पत्थरबाजी से बस की खिड़कियां टूट गईं और अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय प्रशासन ने घायलों को काठमांडू के अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं बाकी यात्रियों को भारतीय दूतावास की मदद से नेपाल सरकार द्वारा विशेष विमान से भारत वापस भेजा गया।

बस चालक रामू निषाद ने सोनौली में पत्रकारों से बातचीत में कहा, "हम पशुपतिनाथ मंदिर के दर्शन कर लौट रहे थे, तभी अचानक भीड़ ने हमारी बस को घेर लिया और हमला कर दिया। बस में महिलाएं और बुजुर्ग यात्री भी थे, लेकिन प्रदर्शनकारियों को इसकी परवाह नहीं थी।"

उधर, नेपाल में आंदोलन का नेतृत्व कर रहे Gen Z समूह ने संसद भंग करने और संविधान में संशोधन की मांग की है ताकि जनता की इच्छा को उसमें शामिल किया जा सके। अब तक इस आंदोलन में मृतकों की संख्या 34 पहुंच गई है। समूह ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अपने विचार रखे, जबकि इसके कुछ प्रतिनिधि राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और सेना प्रमुख अशोक राज सिग्देल से मुलाकात कर मौजूदा राजनीतिक संकट का हल तलाशने में जुटे हैं।

मोदी जायेंगे मणिपुर, 8500 करोड़ की परियोजनाओं की देंगे सौगात

नयी दिल्ली – प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लंबे समय तक चली जातीय हिंसा से उबर रहे मणिपुर का शनिवार को दौरा करेंगे और राज्य को 8500 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की सौगात देंगे। मणिपुर में मई 2023 में शुरू हुई जातीय हिंसा के बाद श्री मोदी का राज्य का यह पहला दौरा है। वहां वह 8500 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे तथा दो जनसभाओं को संबोधित करेंगे। विपक्ष मणिपुर में जातीय हिंसा शुरू होने के बाद से ही शांति बहाली के लिए प्रधानमंत्री के वहां जाने की मांग करता रहा है। मणिपुर में इसी वर्ष फरवरी से राष्ट्रपति शासन लागू है।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने शुक्रवार को यहां बताया कि श्री मोदी शनिवार सुबह पहले मिजोरम जायेंगे जहां से वह साढे बारह बजे मणिपुर पहुंचेंगे और राज्य के समावेशी, सतत और समग्र विकास के प्रति सरकार की वचनबद्धता के अनुरूप चुड़ाचांदपुर में 7,300 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। इन परियोजनाओं में 3,600 करोड़ रुपये से अधिक की शहरी सड़कें, जल निकासी और संपत्ति प्रबंधन सुधार परियोजना, 2,500 करोड़ रुपये से अधिक की पांच राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएँ, मणिपुर इन्फोटेक डेवलपमेंट परियोजना और नौ स्थानों पर कामकाजी महिलाओं के लिए छात्रावास आदि शामिल हैं। वह इस अवसर पर वहां मौजूद जनसमूह को भी संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री अपराह्न ढाई बजे राजधानी इंफाल में 1,200 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन भी करेंगे। इनमें मंत्रीपुखरी में नागरिक सचिवालय, मंत्रीपुखरी में आईटी एसईजेड भवन और नया पुलिस मुख्यालय, दिल्ली और कोलकाता में मणिपुर भवन, और चार जिलों में महिलाओं के लिए अद्वितीय बाजार, इमा मार्केट शामिल हैं।

सीपी राधाकृष्णन ने उपराष्ट्रपति पद की शपथ ली, जगदीप धनखड़ भी रहे मौजूद

नयी दिल्ली – राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन को पद की शपथ दिलाई। महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल राधाकृष्णन ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में उपराष्ट्रपति पद की शपथ ली। इस दौरान पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, हामिद अंसारी और वेंकैया नायडू भी मौजूद रहे।

धनखड़ उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के बाद वह पहली बार सार्वजनिक रूप से नजर आए। समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जेपी नड्डा आदि शामिल हुए।

राधाकृष्णन (67) ने मंगलवार को उपराष्ट्रपति पद के लिए हुए चुनाव में संयुक्त विपक्ष के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी को 152 मतों से हराया था। लाल कुर्ता पहने राधाकृष्णन ने ईश्वर के नाम पर अंग्रेजी में शपथ ली। बता दें, उपराष्ट्रपति का पद जगदीप धनखड़ द्वारा 21 जुलाई को अचानक इस्तीफा दिए जाने के कारण खाली हुआ था।

उपराष्ट्रपति चुने जाने के बाद, राधाकृष्णन ने बृहस्पतिवार को महाराष्ट्र के राज्यपाल का पद छोड़ दिया। राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि राष्ट्रपति मुर्मू ने गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत को महाराष्ट्र के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है।

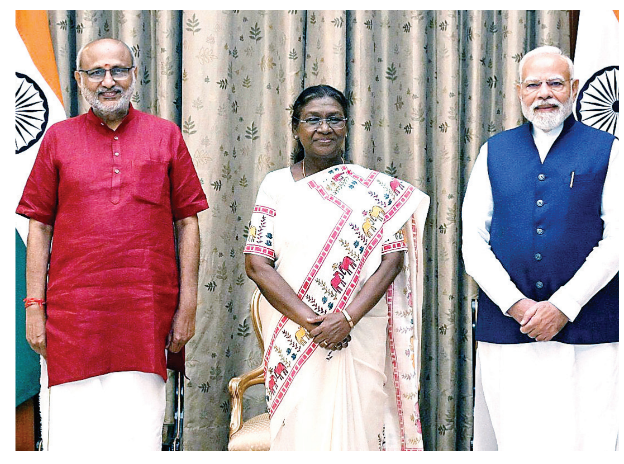

शपथ ग्रहण करने के बाद सीपी राधाकृष्णन ने राज्यसभा के सभापति का कार्यभार संभाला

नई दिल्ली। सीपी राधाकृष्णन ने भारत के 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। राष्ट्रपति भवन में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सीपी राधाकृष्णन को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके बाद सीपी राधाकृष्णन ने राज्यसभा के सभापति का कार्यभार संभाला।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने शुक्रवार को औपचारिक रूप से राज्यसभा के सभापति का पदभार ग्रहण किया। साथ ही एक्स पर सीपी राधाकृष्णन के पदभार ग्रहण करते हुए तस्वीरें भी शेयर की गई हैं।

इससे पहले उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने राजघाट पर महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की तथा राष्ट्रपिता और उनके सत्य एवं अहिंसा के शाश्वत आदर्शों का सम्मान किया। उन्होंने सदैव अटल में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

भारत की संस्कृति, साहित्य और चेतना का उद्घोष बनेगा ज्ञान भारतम मिशन: पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को ज्ञान भारतम पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हजारों पीढ़ियों का चिंतन मनन, भारत के महान आचार्यों और विद्वानों का बोध और शोध, हमारी ज्ञान परंपराएं, हमारी वैज्ञानिक धरोहरें, ज्ञान भारतम मिशन के जरिए हम उन्हें डिजिटाइज्ड करने जा रहे हैं। मैं इस मिशन के लिए सभी देशवासियों को बधाई देता हूं।

पीएम मोदी ने कहा कि आज विज्ञान भवन, भारत के स्वर्णिम अतीत के पुनर्जागरण का साक्षी बन रहा है। कुछ ही दिन पहले मैंने ज्ञान भारतम् मिशन की घोषणा की थी, और इतने कम समय में आज हम ज्ञान भारतम् इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन कर रहे हैं। इससे जुड़ा पोर्टल भी लॉन्च किया गया है। ये एक सरकारी या एकेडेमिक इवेंट नहीं है। ज्ञान भारतम् मिशन, भारत की संस्कृति, साहित्य और चेतना का उद्घोष बनने जा रहा है।

उन्होंने कहा कि भारत की ज्ञान परंपरा अत्यंत समृद्ध है, क्योंकि इसकी नींव चार प्रमुख स्तंभ संरक्षण, नवाचार, संवर्धन और अनुकूलन पर टिकी है। आज भारत के पास दुनिया का सबसे बड़ा पांडुलिपि संग्रह है। करीब 1 करोड़ पांडुलिपियां हमारे पास हैं। इतिहास के क्रूर थपेड़ों में लाखों पांडुलिपियां जल गईं, लुप्त हो गईं, लेकिन जो बची हैं, वे इसका साक्षी हैं कि ज्ञान और विज्ञान पठन-पाठन के लिए हमारे पूर्वजों की निष्ठा कितनी गहरी और व्यापक थी।

प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि भारत स्वयं में एक जीवंत प्रवाह है, जिसका निर्माण उसके विचारों, आदर्शों और मूल्यों से हुआ है। भारत की प्राचीन पांडुलिपियों में हमें भारत के निरंतर प्रवाह की रेखाएं देखने को मिलती हैं। ये पांडुलिपियां हमारी विविधता में एकता का घोषणा पत्र भी हैं। उन्होंने कहा कि भारत से प्राप्त ये पांडुलिपियां मानवता की सामूहिक विकास यात्रा का प्रतीक हैं। इनमें दर्शन और विज्ञान, चिकित्सा और तत्वमीमांसा, कला और खगोल विज्ञान सहित विविध क्षेत्रों का ज्ञान समाहित है। गणित से लेकर बाइनरी-आधारित कंप्यूटर विज्ञान तक, आधुनिक वैज्ञानिक प्रगति का मूल आधार शून्य की अवधारणा में निहित है।

मोदी की मां के एआई वीडियो पर बिफरी भाजपा

नयी दिल्ली– प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मां को गाली देना का मामला शुक्रवार सुबह बिहार कांग्रेस द्वारा सोशल मीडिया एक्स हैंडल से कृत्रिम बौद्धिकता (एआई) द्वारा निर्मित वीडियो जारी करने के बाद एक बार फिर से सुलग उठा है।

एआई वीडियो को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की मां का जानबूझकर और बार-बार अपमान देश और बिहार की जनता माफ नहीं करेगी। इस वीडियो को लेकर जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) ने भी कांग्रेस पर हमला बोला है। वहीं कांग्रेस नेता पवन खेड़ा का कहना है कि उनकी (प्रधानमंत्री मोदी) दिवंगत मां के प्रति अनादर कहां है, मुझे एक शब्द, एक इशारा, कहीं भी दिखाइए जहां आप अनादर देखते हैं।

कांग्रेस के एआई वीडियो पर भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन ने कहा कि कांग्रेस पार्टी बेशर्मी पर उतर आयी है। पहले कांग्रेस के मंच से श्री मोदी की मां को गाली दी गयी और अब एआई वीडियो बनाकर उनकी मां का अपमान कर रही है। जिस तरह कांग्रेस ने प्रधानमंत्री की मां का वीडियो बनाया है, जो अब इस दुनिया में भी नहीं हैं उनके बारे में इस तरह का वीडियो बनाना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। कांग्रेस पार्टी इससे बाज आए। पूरे देश और बिहार की जनता उस मां के अपमान का बदला जरूर लेगी, जो अब इस दुनिया में भी नहीं हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने इस वीडियो को लेकर कहा कि कांग्रेस पार्टी एक बार फिर प्रधानमंत्री की मां का अपमान कर रही है। यह अब गांधी की कांग्रेस नहीं रही, यह गालियों की कांग्रेस बन गयी है।

वहीं, एक अन्य भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस प्रधानमंत्री मोदी की मां का अपमान लगातार कर रही है। बिहार की जनता प्रदेश की माताओं और बहनों का मजाक उड़ाने वाली इंडिया गठबंधन को करारा जवाब देगी। उन्होंने कहा कि यह न केवल असंवेदनशील है, बल्कि यह देखना घिनौना भी है कि एक पार्टी देश के गरीबों से इतनी नफरत करती है। कांग्रेस महिला विरोधी है।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि कांग्रेस द्वारा प्रधानमंत्री की मां का अपमान निंदनीय है और देश इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता उन्हें सबक सिखाएगी क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी की मां हमारी मां समान हैं।

नेपाल की अंतरिम सरकार की प्रमुख बनीं सुशीला कार्की, राष्ट्रपति भवन में हुआ शपथ ग्रहण

नेपाल – नेपाल में युवा पीढ़ी के हिंसक प्रदर्शनों के बाद उपजे राजनीतिक संकट के बीच शुक्रवार को पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की को अंतरिम सरकार की कमान सौंप दी गई। शुक्रवार को राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने राष्ट्रपति भवन में उन्हें शपथ दिलाई। इससे पहले नेपाल की संसद को भंग कर दिया गया था।

सुशीला कार्की नेपाल की पहली महिला अंतरिम प्रधानमंत्री बन गई हैं। उन्हें राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने राष्ट्रपति भवन शीतल निवास में शपथ दिलाई। उनके अलावा कुलमान घीसिंग, ओम प्रकाश अर्याल, बालानंद शर्मा ने साथ में शपथ ली है। सुशीला कार्की के शपथ ग्रहण समारोह में उपराष्ट्रपति रामसहाय यादव, काठमांडू के मेयर बालेन शाह, मुख्य न्यायाधीश प्रकाश सिंह रावत उपस्थित रहे।

इससे पहले शुक्रवार को राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल के साथ सेना प्रमुख जनरल अशोक राज की मौजूदगी में जनरेशन-जी के नेतृत्वकर्ताओं ने एक बैठक की थी। जिसमें पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की को अंतरिम सरकार का प्रमुख बनाने पर सहमति बनी थी।

कौन हैं सुशीला कार्की?

सुशीला कार्की का जन्म सात जून 1952 को विराटनगर में हुआ था। उन्होंने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से राजनीति शास्त्र में पोस्ट ग्रेजुएशन किया। इसके अलावा उन्होंने कानून की पढ़ाई नेपाल की त्रिभुवन यूनिवर्सटी से की। इसके बाद वकालत और कानूनी सुधारों के क्षेत्र में अपने करियर की शुरुआत की। सुशीला कार्की नेपाल की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश रह चुकी हैं। सुप्रीम कोर्ट में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने कई ऐतिहासिक मामलों की सुनवाई की, जिनमें चुनावी विवाद भी शामिल थे।

हिंसक प्रदर्शन में 51 लोगों की मौत

नेपाल में भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया मंचों पर प्रतिबंध के खिलाफ हाल में हुए 'जेन जेड' प्रदर्शन में एक भारतीय नागरिक सहित कम से कम 51 लोगों की मौत हुई है। काठमांडू पोस्ट अखबार ने नेपाल पुलिस के सह-प्रवक्ता वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रमेश थापा के हवाले से कहा कि मृतकों में एक भारतीय नागरिक, तीन पुलिसकर्मी और अन्य नेपाली नागरिक शामिल हैं।

खबर में कहा गया कि कम से कम 36 शव महाराजगंज स्थित त्रिभुवन विश्वविद्यालय शिक्षण अस्पताल में हैं, जहां शुक्रवार को पोस्टमॉर्टम शुरू हुआ। पुलिस ने बताया कि बृहस्पतिवार और शुक्रवार को देश के विभिन्न हिस्सों से 17 शव बरामद किए गए।

हिंसा के बाद केपी ओली ने छोड़ दिया प्रधानमंत्री पद

सोमवार को प्रदर्शन के दौरान काठमांडू में संसद भवन पर धावा बोले जाने के दौरान पुलिस की गोलीबारी में कम से कम 19 लोग मारे गए, जिनमें से अधिकतर छात्र थे। प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली ने मंगलवार को इस्तीफा दे दिया। सैकड़ों प्रदर्शनकारी सोमवार के प्रदर्शन के दौरान हुई मौतों के विरोध में उनके इस्तीफे की मांग करते हुए उनके कार्यालय में घुस गए थे। नेपाल में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध सोमवार रात हटा लिया गया।

ओली के इस्तीफे के बाद भी हिंसा जारी रही और प्रदर्शनकारियों ने संसद, राष्ट्रपति कार्यालय, प्रधानमंत्री आवास, सरकारी भवनों, राजनीतिक दलों के कार्यालयों तथा वरिष्ठ नेताओं के घरों में आग लगा दी। इस बीच, शुक्रवार दोपहर बागमती नदी के तट के पास पशुपतिनाथ मंदिर के आर्यघाट पर कई शवों का अंतिम संस्कार किया गया।

जल्द ही हिसार से अहमदाबाद और जम्मू तक हवाई सेवाओं का होगा शुभारंभ : नायब सिंह सैनी

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शुक्रवार को महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डा, हिसार से जयपुर के लिए हवाई सेवाओं का शुभारंभ किया। उन्होंने चंडीगढ़ से वर्चुअल माध्यम से हवाई सेवाओं का शुभारंभ करते हुए कहा कि आज यह नई उड़ान की शुरुआत नहीं, बल्कि हरियाणा के विकास, क्षेत्रीय समावेशन और आधुनिक कनेक्टिविटी की दिशा में एक अहम कदम है। हवाई सेवाओं में बढ़ती हरियाणा की पहचान राज्य के आत्मनिर्भर, प्रगतिशील और समावेशी भविष्य की नींव का पत्थर साबित होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि प्रधान प्रदेश होने के साथ अब हरियाणा ने नागरिक उड्डयन का विकास करके एयर कनेक्टिविटी में भी अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में सरकार बनने के समय से ही नागरिक उड्डयन का विकास सरकार की प्राथमिकता रही है। उन्होंने कहा कि इसी साल 14 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे से अयोध्या में स्थित महर्षि वाल्मीकि अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे तक हवाई उड़ानों का शुभारंभ किया था। उन्होंने उसी दिन इस एयरपोर्ट के दूसरे टर्मिनल के भवन का शिलान्यास भी किया था। गत 9 जून 2025 को हिसार-चंडीगढ़-हिसार हवाई सेवाओं का शुभारंभ भी किया गया। जल्द ही हिसार से अहमदाबाद और जम्मू तक हवाई सेवाओं का भी शुभारंभ करेंगे।

हिसार हवाई अड्डे को आधुनिक तकनीकों से किया गया सुसज्जित

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिसार हवाई अड्डे को एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के सहयोग से आधुनिक तकनीकों और सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। यह एयरपोर्ट आज क्षेत्रीय संपर्क के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभर रहा है। हिसार हवाई अड्डे पर डॉपलर वीओआर प्रणाली की स्थापना की है। इससे हवाई अड्डे पर उड़ानों के संचालन के लिए न्यूनतम दृश्यता 5,000 मीटर से घटकर 2800 मीटर हो गई है। यह एक अभूतपूर्व तकनीकी उपलब्धि है। इससे अब खराब मौसम में भी उड़ानों का संचालन सुगमता से हो सकेगा। साथ ही, इस हवाई अड्डे पर इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम भी स्थापित किया जा रहा है। इससे एयरपोर्ट पर रात के समय में भी हवाई जहाज लैंडिंग कर सकेंगे।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि भविष्य की दृष्टि से सरकार महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डा हिसार को एक पूर्ण, आधुनिक और अंतर्राष्ट्रीय स्तर का एयरपोर्ट बनाने की दिशा में प्रतिबद्ध है। आने वाले समय में यहां नये टर्मिनल भवन, आधुनिक एटीसी टावर, कार्गो कॉम्प्लेक्स, अग्निशमन केंद्र, प्रशासनिक भवन, पार्किंग एवं अन्य सुविधाओं का विकास किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि आगामी कुछ वर्षों में हिसार को दिल्ली एयरपोर्ट के विकल्प के रूप में विकसित करेंगे। इससे हिसार एयरपोर्ट के विकास और विमान सेवा आरंभ होने से आम आदमी, छोटे व्यापारी और अन्य हितधारकों को बहुत अधिक लाभ होगा।

हिसार को हवाई सेवा, औद्योगिक, लॉजिस्टिक और निवेश केंद्र के रूप में करेंगे विकसित

नायब सिंह सैनी ने कहा कि केवल हवाई सेवा ही नहीं, हिसार को एक औद्योगिक, लॉजिस्टिक और निवेश केंद्र के रूप में विकसित करने का सरकार का सपना अब साकार हो रहा है। उन्होंने कहा कि 28 अगस्त 2024 को हिसार को अमृतसर-कोलकाता इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का हिस्सा बनाया गया। 20 अगस्त 2025 को इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग कलस्टर, हिसार के लिए स्टेट स्पोर्ट एग्रीमेंट और शेयरहोल्डर एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए गए। इस परियोजना का क्षेत्र 2 हजार 988 एकड़ है, जिसकी अनुमानित लागत 4 हजार 680 करोड़ रुपये है और इससे 1 लाख 25 हजार रोजगार पैदा होंगे। यह परियोजना, पूर्वी और पश्चिमी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर से जुड़कर हरियाणा को उद्योगों का प्रवेश द्वार बनाएगी।

इस अवसर पर लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मंत्री रणबीर गंगवा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता, नागरिक उड्डयन विभाग की आयुक्त एवं सचिव अमनीत पी कुमार, नागरिक उड्डयन विभाग के सलाहकार नरहरि सिंह बांगड़, सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग की अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) वर्षा खांगवाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

31 पदों के लिए कैंपस इंटरव्यू 17 सितम्बर को

सोलन। मैसर्ज़ कोरोना रेमेडीज प्राइवेट लिमिटेड सोलन में हेल्पर के 10 पद, मैसर्ज़ वर्मा ज्वैलर्स में 10 पद तथा मैसर्ज़ इंडोरामा इंडिया प्राइवेट लिमिटिड बद्दी के 11 पदों पर भर्ती के लिए 17 सितम्बर, 2025 को ज़िला रोज़गार कार्यालय सोलन में कैंपस इंटरव्यू आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी ज़िला रोज़गार अधिकारी सोलन जगदीश कुमार ने दी।

जगदीश कुमार ने कहा कि उक्त पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता 12वीं, स्नातक, बी.एस.सी. नॉन मेडिकल व टेक्सटाइल तथा आयु 19 से 45 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उक्त पदों के लिए पुरुष व महिला दोनों इंटरव्यू में भाग ले सकते हैं।

उन्होंने कहा कि इन पदों की विस्तृत जानकारी आवेदक विभागीय पोर्टल ई.ई.एम.आई.एस. में प्राप्त कर सकते हैं। सभी योग्य एवं इच्छुक आवेदक विभागीय पोर्टल ई.ई.एम.आई.एस. पर कैंडिडेट लॉगइन टैब के माध्यम से पंजीकृत करने के उपरांत अपनी रेजिस्ट्रेशन प्रोफाइल पर अधिसूचित रिक्तियों के लिए अपनी शैक्षणिक योग्यता के आधार पर आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आवेदन करने से पूर्व प्रत्येक आवेदक का नाम रोज़गार कार्यालय में पंजीकृत होना अनिवार्य है।

जगदीश कुमार ने कहा कि इच्छुक उम्मीदवार अपनी योग्यता संबंधी सभी अनिवार्य प्रमाण पत्रों व दस्तावेज़ों सहित ज़िला रोज़गार कार्यालय सोलन में 17 सितम्बर, 2025 को प्रातः 10.30 बजे पहुंचकर कैंपस इंटरव्यू में भाग ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि कैंपस इंटरव्यू में भाग लेने के लिए कोई भी यात्रा-भत्ता देय नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि उम्मीदवार अधिक जानकारी के लिए कार्यालय दूरभाष नम्बर 01792-227242 पर सम्पर्क कर सकते है।

युवा संवाद को नई दिशा देगा विकसित भारत यंग लीडरज़ डॉयलॉग क्विज: ध्रुव डोगरा

धर्मशाला, । उप निदेशक, मेरा युवा भारत ध्रुव डोगरा ने आज यहां बताया कि युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विकसित भारत यंग लीडरज़ डॉयलॉग क्विज 2026 का शुभारंभ किया गया है। इस क्विज प्रतियोगिता का उद्देश्य देशभर के युवाओं को नेतृत्व, संवाद और राष्ट्रीय निर्माण से जोड़ना है। जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले युवा महोत्सव 2026 में युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने और आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

ध्रुव डोगरा ने जानकारी देते हुए कहा कि प्रदेश के महाविद्यालयों व शैक्षणिक संस्थानों से जुड़े युवाओं को इस क्विज में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने संस्थानों के प्रमुखों से आग्रह किया कि वे अधिक से अधिक युवाओं को इस प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए प्रेरित करें और उन्हें मॉय भारत पोर्टल पर पंजीकरण करवाने हेतु निर्देशित करें।

उन्होंने कहा कि इस पंजीकरण से युवाओं को न केवल प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा, बल्कि भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की उपयोगी जानकारी भी प्राप्त होगी।

धर्मशाला शहर में यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने हेतु जिला दण्डाधिकारी ने पार्किंग संबंधी नई व्यवस्था लागू की

धर्मशाला, । जिला दण्डाधिकारी हेमराज बैरवा ने धर्मशाला शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने तथा आमजन की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए पार्किंग संबंधी नई व्यवस्था लागू करने के आदेश जारी किए हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस अधीक्षक, आयुक्त नगर निगम, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एलआर), एसडीएम धर्मशाला की संयुक्त समिति द्वारा धर्मशाला में स्थापित आईटीएमएस सिस्टम के निरीक्षण के उपरांत प्रस्तुत रिपोर्ट की अनुशंसाओं के आधार पर यह निर्णय लिया गया है।

उन्होंने कहा कि धर्मशाला के विभिन्न व्यस्त मार्गों पर अब सड़क किनारे गाड़ी खड़ी करना पूरी तरह प्रतिबंधित होगा। इन मार्गों में शिक्षा बोर्ड से धर्मशाला डिग्री कॉलेज चैक, चिलगाड़ी बाईफर्केशन से खन्ना क्लिनिक, कचहरी चैक से भारत ऑप्टिकल, हनुमान मंदिर से एचपीसीए स्टेडियम वाया (प्रारम्भिक व उच्चतर शिक्षा कार्यालय, आईजी कार्यालय, पुलिस लाईन, राजकीय कॉलेज, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बी.एड कॉलेज), केसीसी चैक से पुलिस लाईन वाया (डीआरडीए, जिला लोक सम्पर्क विभाग), बाबा मेडिकल स्टोर से चरान बाजार वाया (रामनगर-शामनगर), कैंची मोड़ मैक्सीमस मॉल से काली माता मंदिर, कैंट रोड वाया कोतवाली बाजार, फव्वारा चैक कोतवाली बाजार से से इंद्रुनाग मंदिर लिंक रोड, रेडक्रॉस चैक से शिला पेट्रोल पंप वाया दाड़ी बाई पास, दाड़ी बाई पास टैअफिक बाई पास से दाड़ी पोस्ट ऑफिस वाया (दाड़ी बाजार) की सड़कों पर गाड़ी खड़ी करना पूरी तरह प्रतिबंधित होगा।

इसके अलावा नगर निगम धर्मशाला द्वारा चिन्हित पीली धारियों वाले स्थानों पर ही वाहन पार्किंग की अनुमति होगी। इन चिन्हित स्थानों में शिक्षा बोर्ड से शहीद स्मारक तक सड़क के दाईं ओर पीली धारियां लगाई जायेंगी जहां लगभग 20 हल्के मोटर वाहन खड़े किए जा सकेंगे। शहीद स्मारक से चीलगाड़ी बाईफर्केशन तक सड़क के बाएं और पीली धारी चिन्हित की जाएगी जहां 8 से 10 हल्के वाहन पार्क किए जा सकेंगे। इसके अलावा खन्ना क्लिनिक से होटल सेंटर प्वाइंट के पीछे की तरफ के मार्ग पर दायीं और पीली धारी चिन्हित की जाएगी जिस पर लगभग 30 छोटे वाहन पाके किए जा सकेंगे। इस रास्ते को ऊपर की तरफ आने वाले वाहनों के लिए वन-वे किया जायेगा। इसके साथ ही खन्ना क्लिनिक से केसीसी बैंक चैक तक सड़क के बाएं और पीली धारियां लगाई जायेंगी जहां लगभग 20 छोटे वाहन खड़े किए जा सकेंगे। इसके अलावा कचहरी चैक पर वाइन शॉप के सामने से डोगरू स्वीट्स तक केवल दोपहिया वाहनों की पार्किंग के लिए पीली पट्टियां लगाई जायेंगी, जहां लगभग 20 दोपहिया वाहन पार्क किए जा सकेंगे। कन्या विद्यालय डिपो बाजार से बीएसएनएल जिला न्यायालय परिसर के पास तक सड़क के दाईं ओर पीली पट्टियां लगाई जायेंगी, जहां लगभग 20 हल्के मोटर वाहन पार्क किए जा सकते हैं। इस मार्ग को केवल ऊपर की तरफ आने वाले यातायात के लिए वन-वे के रूप में प्रयोग में लाया जा सकेगा। इसके साथ ही अंबेडकर चैक से बाबा मेडिकल स्टोर तक सड़क के बाईं ओर पीली पट्टियां लगाई जायेंगी, जहां लगभग 10 हल्के मोटर वाहन पार्क किए जा सकते हैं। भारत ऑप्टिकल शॉप से वन अधिकारियों के आवासीय क्षेत्र के सामने सड़क के बाईं ओर पीली पट्टियां लगाई जायेंगी, जहां लगभग 10 हल्के मोटर वाहन पार्क किए जा सकते हैं। आईपीएच कार्यालय से कैंची मोड़ तक सड़क के बाएं और पीली पट्टियां लगाई जायेंगी जहां लगभग 10 छोटे वाहन खड़े किए जा सकेंगे। गांधी वाटिका से धर्मशाला बस स्टैंड की ओर सड़क के बाईं ओर पीली पट्टियां लगाई जायेंगी जहां लगभग 10 हल्के मोटर वाहन पार्क किए जा सकते हैं। मैक्लोडगंज बाईपास विभाजन से होटल मुसाफिर (वोल्वो बसों के लिए) तक सड़क के दाईं ओर पीली पट्टियां लगाई जायेंगी। कैंट रोड काली माता मंदिर के पास से रेन शेल्टर तक सड़क के दाईं ओर पीली पट्टियां लगाई जायेंगी जहां लगभग 20 हल्के मोटर वाहन पार्क किए जा सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने टांडा चिकित्सा महाविद्यालय में रॉबोटिक सर्जरी का शुभारम्भ किया

महाविद्यालय में बीएससी नर्सिंग की सीटें बढ़ाकर 60 करने की घोषणा

शिमला । मुख्यमंत्री ठाकुर सखविंद्र सिंह सुक्खू ने शुक्रवार को चंडीगढ़ से जिला कांगड़ा में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, टांडा में 30 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित रॉबोटिक सर्जरी सुविधा का वर्चुअल माध्यम से शुभारम्भ किया। मुख्यमंत्री का व्यक्तिगत रूप से इसका उद्घाटन करने का कार्यक्रम था, लेकिन खराब मौसम के कारण उनका हैलीकॉप्टर वहां उतर नहीं सका।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेशवासियों को घर-द्वार के निकट आधुनिक तकनीकयुक्त विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हाल ही में शिमला के अटल इंस्टीच्यूट ऑफ मेडिकल सुपर स्पेशियलिटी, चमयाणा में भी रॉबोटिक सर्जरी की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है।

श्री सुक्खू ने कहा कि प्रदेश की बागडोर संभालने के उपरान्त राज्य सरकार ने स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्रों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। स्वास्थ्य संस्थानों में निरंतर आधुनिक तकनीकें उपलब्ध करवाई जा रही हैं और भविष्य में भी इस क्षेत्र के विकास में धन की कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि टांडा चिकित्सा महाविद्यालय में पैट स्कैन मशीन स्थापित की जाएगी ताकि मरीजों को जांच के लिए राज्य के बाहर न जाना पड़े। राज्य के चिकित्सा महाविद्यालयों में आपातकालीन विभाग को भी सुदृढ़ किया जाएगा।

उन्होंने टांडा चिकित्सा महाविद्यालय में बीएससी नर्सिंग की सीटों को बढ़ाकर 60 करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमीरपुर, चंबा, नेरचौक और नाहन चिकित्सा महाविद्यालयों में भी रॉबोटिक सर्जरी की सुविधा चरणबद्ध तरीके से शुरू की जाएगी ताकि प्रदेश के अधिक से अधिक लोगों को इस सुविधा का लाभ मिल सके। प्रदेश के चिकित्सा महाविद्यालयों में 150 से 200 पैरामेडिकल स्टाफ भी तैनात किया जाएगा ताकि मरीजों को स्टाफ की कमी का सामना न करना पड़े। इसके अलावा, राज्य में 50 ऑप्रेशन थियेटर रेडियोग्राफर के पद भी सृजित किए जाएंगे और अपने क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने वाले चिकित्सकों को प्रोत्साहन भी दिए जाएंगे।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. (कर्नल) धनीराम शांडिल, कृषि मंत्री प्रो. चंद्र कुमार, आयुष मंत्री यादविंद्र गोमा, राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष भवानी सिंह पठानिया, हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष आर.एस. बाली, विधायक संजय रत्तन, किशोरी लाल व आशीष बुटेल, एचआरटीसी के उपाध्यक्ष अजय वर्मा, पूर्व विधायक अजय महाजन और सुरेंद्र काकू, उपायुक्त हेमराज बैरवा, पुलिस अधीक्षक अशोक रत्तन, टांडा चिकित्सा महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. मिलाप शर्मा, उद्घाटन समारोह के दौरान टांडा चिकित्सा महाविद्यालय में उपस्थित थे जबकि उप मुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया मुख्यमंत्री के साथ चंडीगढ़ से वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन समारोह से जुड़े।

हिमाचल प्रदेश बल्क ड्रग पार्क, ऊना को पर्यावरणीय मंजूरी मिली

शिमला । ऊना में स्थापित होने जा रहे बल्क ड्रग पार्क के लिए केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से पर्यावरणीय मंजूरी मिल गई है। इस स्वीकृति से फार्मास्युटिकल क्षेत्र में भारत की सबसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में एक इस पार्क की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हुआ है जिसका उद्देश्य अन्य देशों से सक्रिय फार्मास्युटिकल घटक व प्रमुख कच्चे माल की निर्भरता को कम करना है।

उद्योग विभाग के एक प्रवक्ता ने आज यहां जानकारी दी है कि केंद्रीय रसायन और उर्वरक मंत्रालय ने मार्च 2020 में बल्क ड्रग पार्कों को बढ़ावा देने के लिए योजना शुरू की थी और जुलाई, 2020 में केंद्रीय फार्मास्यूटिकल्स विभाग द्वारा अधिसूचित दिशानिर्देश जारी किए गए थे। राज्य के उद्योग विभाग ने विस्तृत परियोजना रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसका मूल्यांकन परियोजना प्रबंधन एजेंसी (पीएमए) द्वारा किया गया। अक्तूबर 2022 में योजना संचालन समिति (एसएससी) द्वारा इसे अंतिम अनुमोदन प्रदान किया गया।

इस परियोजना को भारत सरकार से 996.45 करोड़ रुपये और राज्य सरकार से 1,074.55 करोड़ रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ है। परियोजना में 8,000 से 10,000 करोड़ रुपये की निवेश क्षमता है और इससे 15,000 से 20,000 लोगों के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर सृजित होने की उम्मीद है।

यह परियोजना हिमाचल प्रदेश बल्क ड्रग पार्क इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड नामक एसपीवी द्वारा कार्यान्वित की जा रही है, जो राज्य उद्योग विभाग के तत्वावधान में काम कर रही है। जनवरी 2025 में ईएसी की बैठक में इस परियोजना पर विचार किया गया था, जिसमें साइट निरीक्षण के लिए ईएसी की एक उप-समिति का गठन किया गया था। ईएसी के परामर्श के अनुसार, जल निकासी पैटर्न, विकास योजना, पारिस्थितिकी में न्यूनतम गड़बड़ी, भूकंपीय भेद्यता, जोखिम मूल्यांकन, उप-सतही विरूपण और भूस्खलन आदि से संबंधित तकनीकी रिपोर्ट एनआईटी हमीरपुर से तैयार की गई।

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि ऊना में बल्क ड्रग पार्क भारत में दवा निर्माण के एक अग्रणी केंद्र के रूप में राज्य की स्थिति को महत्वपूर्ण रूप से मजबूत करेगा और हमारे युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर भी पैदा करेगा।

उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने कहा कि पर्यावरणीय मंजूरी ने विकास के अगले चरणों को तेजी से आगे बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त किया है। यह पार्क फार्मा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। अतिरिक्त मुख्य सचिव आर.डी. नजीम ने कहा कि राज्य सरकार पर्यावरणीय मंजूरी मिलने का स्वागत करती है और इसे समय पर पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी।

उप-मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय जल संसाधन मंत्री से भेंट की

जल शक्ति विभाग को पिछले तीन वर्षों में 4 हजार करोड़ रुपये का नुकसानः मुकेश अग्निहोत्री

केन्द्रीय जल संसाधन मंत्री से जल जीवन मिशन के अन्तर्गत 1227 करोड़ रुपये जारी करने का आग्रह

शिमला । उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने शुक्रवार को दिल्ली में केंद्रीय जल संसाधन मंत्री सी. आर. पाटिल से भेंट कर हाल के दिनों में हुई भीषण प्राकृतिक आपदा के कारण हुए नुकसान के दृष्टिगत प्रदेश को उदारतापूर्वक सहायता प्रदान करने का आग्रह किया।

उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य को अभूतपूर्व नुकसान पहुंचा है और जल शक्ति विभाग को भी भारी क्षति पहुंची है। पिछले तीन वर्षों के दौरान जल शक्ति विभाग को लगभग 4000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इस वर्ष भी विभाग को 1291.51 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इसके अलावा, जल जीवन मिशन के तहत चल रही योजनाओं का कार्य पूरा करने के लिए 1227 करोड़ रुपये की आवश्यकता है।

श्री अग्निहोत्री ने केंद्रीय मंत्री से आग्रह किया कि हिमाचल प्रदेश के सामने आई गंभीर स्थिति को ध्यान में रखते हुए, आपदा पश्चात आवश्यकता आकलन (पीडीएनए) के अन्तर्गत धनराशि तुरंत जारी की जाए। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 के लिए जलापूर्ति क्षेत्र के लिए स्वीकृत 697 करोड़ रुपये में से अभी तक केवल 100 करोड़ रुपये ही प्राप्त हुए हैं, जबकि जल शक्ति विभाग को केवल वर्ष 2023 में ही 2132.70 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। इससे पुनर्स्थापन कार्यों की प्रगति में बाधा आ रही है। केंद्रीय मंत्री ने आश्वासन दिया कि वह इस मामले पर व्यक्तिगत तौर पर विचार करेंगे और हिमाचल प्रदेश के अनुरोध पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाएगा।

उन्होंने पुनर्स्थापन कार्य में तेजी लाने के लिए पीडीएनए के तहत मानदंडों में ढील देने पर भी जोर दिया। केंद्रीय मंत्री ने भी मामले में सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया। प्रधानमंत्री किसान सिंचाई योजना के तहत चल रही सिंचाई परियोजनाओं के आधार पर केन्द्रीय सहायता जारी करने का मामला भी उठाया। केंद्रीय मंत्री ने आश्वस्त किया कि वह इन दोनों मामलों में प्राथमिकता के आधार पर मंजूरी देंगे। उप-मुख्यमंत्री ने कमांड एरिया विकास के आधुनिकीकरण से संबंधित योजना को स्वीकृति देने का मामला भी उठाया। जिसे जिला ऊना के हरोली ब्लॉक के विभिन्न क्लस्टरों में लगभग 9778.00 लाख रुपये की अनुमानित लागत से शुरू किया जाना है।

श्री अग्निहोत्री ने पहले से स्वीकृत 11 बाढ़ सुरक्षा परियोजनाओं के लिए धनराशि जारी करने पर बल दिया। उन्होंने अवगत करवाया कि हिमाचल प्रदेश में व्यापक पैमाने पर बारिश से नुकसान हुआ है और विभिन्न नदियों के किनारों पर अधिकतम तबाही देखी गई है। इन नदियों व नालों में ऐसी घटनाओं को ध्यान में रखते हुए, जल शक्ति विभाग ने केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान केंद्र, पुणे से मॉडल अध्ययन कराने के बाद तटीकरण के लिए 1795 करोड़ रुपये की एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से हिमाचल में लोगों के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा के लिए इसे जल्द जारी करने का अनुरोध किया। उन्होंने कुल्लू-मनाली हवाई अड्डे के सामरिक महत्व को देखते हुए ब्यास नदी के तटीकरण के महत्व पर बल दिया।

पेंशन, सामान्य भविष्य निधि अदालत एवं लेखा विषय पर कार्यशाला आयोजित

सोलन। उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने कहा कि विभाग के सभी आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को पेंशन व सामान्य भविष्य निधि के मामले भेजने से पूर्व नियमों की जानकारी होना आवश्यक है ताकि पेंशन भोगियों को समय पर लाभ मिल सके। मनमोहन शर्मा आज यहां पेंशन, सामान्य भविष्य निधि अदालत एवं लेखा विषय पर आयोजित कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे थे।

मनमोहन शर्मा ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य पेंशन भोगियों की पेंशन सम्बन्धी शिकायतों का निपटारा करना, पेंशन व सामान्य भविष्य निधि के मामलों में हकदारी कार्यों में गुणवत्ता एवं पारदर्शिता लाना एवं हितधारकों के मामलों का समय पर निपटारा करना हैं।

उपायुक्त ने कहा कि ऐसी कार्यशालाएं समय-समय पर आयोजित की जानी चाहिए ताकि सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को पेंशन व सामान्य भविष्य निधि के नियमों की पूर्ण जानकारी मिल सके।

वरिष्ठ उपमहालेखाकार जय प्रकाश ने इस अवसर पर पेंशन एवं सामान्य भविष्य निधि नियमों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विभिन्न विभागों से आए आहरण एवं संवितरण अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों के प्रश्नों के उत्तर दिए। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला का आयोजन भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक से प्राप्त दिशा-निर्देशानुसार करवाया जा रहा है।

प्रधान महालेखाकार कार्यालय के वरिष्ठ लेखाधिकारी जुधिया राम चौधरी, हंस राज हीर, राजेन्द्र चंदेल द्वारा प्रस्तुतीकरण के माध्यम से पेंशन व सामान्य भविष्य निधि के बारे में जानकारी प्रदान की। सहायक लेखाधिकारी सुधीर राणा द्वारा इस अवसर पर लेखों की गुणवत्ता एवं महत्वता पर जानकारी प्रदान की गई।

विक्रमादित्य सिंह ने केरल अर्बन कॉन्कलेव कोच्चि में हिमाचल का प्रतिनिधित्व किया

शिमला। लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने आज केरल अर्बन कॉन्कलेव कोच्चि में भाग लिया। इस अवसर पर केन्द्रीय आवासन एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर और केरल के मुख्यमंत्री पिणराई विजयन भी उपस्थित थे।

उन्होंने इस अवसर पर शहरी विकास से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार विमर्श किया। उन्होंने हिमाचल प्रदेश की पहाड़ी परिस्थितयों के अनुरूप जलवायु संवदेशील शहरी विकास मॉडल साझा करते हुए अन्य राज्यों के साथ अपने अनुभवों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने इस अवसर पर राज्यों के बीच आपसी सहयोग एवं सतत विकास को बढ़ावा देने पर भी विशेष बल दिया।

लोक निर्माण मंत्री ने 'कल के पहाड़' विजन के तहत जलवायु संवेदनशील शहरी विकास की व्यापक योजना प्रस्तुत करते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश ने शहरीकरण की तेज रफ्तार और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए विकास और संरक्षण को संतुलित करने का संकल्प लिया है।

उन्होंने बताया कि पिछले 100 वर्षों में औसत तापमान में हुई 1.6 सेल्सियस वृद्धि और वर्ष 2023 व 2025 की अतिवृष्टि जैसी आपदाओं ने यह स्पष्ट किया है कि जलवायु अनुकूलन अति अनिवार्य है। प्रदेश ने इस दिशा में कार्य करते हुए क्लाइमेंट इंटेलिजेंस नेटवर्क, ढलानों की जैव इंजीनियरिंग से सुरक्षा, वर्षा जल संचयन झरनों का पुनर्जीवन और आधुनिक जल प्रबंधन जैसे कदम उठाए हैं।

विक्रमादित्य सिंह ने बताया कि प्रदेश ने 5 हजार करोड़ रुपये का हिमाचल ग्रीन डवेल्पमेंट फंड, कार्बन क्रेडिट से वार्षिक आय और पयर्टन आधारित इन्फ्रास्ट्रक्चर बॉन्ड जैसी नवाचार पूर्ण योजनाएं शुरू की हैं। अक्षय ऊर्जा में 2400 मेगावाट क्षमता स्थापित कर हिमाचल शत-प्रतिशत नवीकरणीय बिजली उत्पन्न करने वाला पहला राज्य बना है।

उन्होंने कहा कि राज्य ने डिजिटल तकनीक से स्मार्ट सिटी प्रबंधन, कचरा पुनर्चक्रण, इलेक्ट्रिक सार्वजनिक परिवहन और केवल कार जैसी पहलों ने शहरी जीवन को और अधिक सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल बनाया है। राज्य सरकार मंदिरों, वनों और पारम्परिक शिल्प कला को संरक्षित करते हुए प्रदेश की समृद्ध संस्कृति की पहचान को बनाए रखने के लिए प्रयासरत है।

लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार का वर्ष 2040 तक हिमाचल को क्लाइमेट-पॉजिटिव राज्य बनाने का लक्ष्य है ताकि इसे वर्ष 2047 तक विश्व का अग्रणी पर्वतीय विकास मॉडल बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि हिमालय हमें धैर्य और संतुलन की सीख देता है और इन्ही मूल्यों के साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए एक समृद्ध और जलवायु संवेदनशील हिमाचल का निर्माण संभव हो पाएगा।

उप-मुख्य सचेत ने केन्द्रीय रक्षा मंत्री से शाहपुर में शहीद स्मारक स्वीकृत करने का आग्रह किया

शिमला। उप-मुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने वीरवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से भेंट कर राज्य से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने केन्द्रीय मंत्री को विशेषकर कांगड़ा जिले के शाहपुर विधानसभा क्षेत्र से संबंधित विषयों से अवगत करवाया। उन्होंने इस क्षेत्र में शहीद समारक को स्वीकृति प्रदान करने का आग्रह किया क्योंकि इस क्षेत्र से बड़ी संख्या में सेवारत एवं पूर्व सैनिक संबंध रखते हैं।

उन्होंने केन्द्रीय मंत्री को अवगत करवाया कि शाहपुर के सुबेदार पवन सिंह जरियाल ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शहीद होने वाले क्षेत्र के पहले सैनिक थे। उनकी शहादत की स्मृति में शाहपुर में शहीद समारक बनाने का आग्रह किया। प्रदेश सरकार ने इसके लिए पहले ही क्षेत्र में भूमि चिन्हित व आबटित कर दी है और रक्षा मंत्रालय से स्वीकृति मिलने पर शीघ्र समारक का निर्माण हो पाएगा।

उप-मुख्य सचेतक ने क्षेत्र में पूर्व सैनिकों को बेहतर सेवाएं सुनिश्चित करने पर बल देते हुए कहा कि शाहपुर में पूर्व सैनिक योगदान स्वास्थ्य योजना (इसीएचएस) कार्यालय राज्य सरकार के अस्पताल भवन में चल रहा है लेकिन यहां इस कार्यालय के लिए पर्याप्त स्थान नहीं है। प्रदेश सरकार ने पहले ही 00-24-00 हैक्टेयर भूमि भारत सरकार को हस्तातंरित कर दी है ताकि शाहपुर में टाइप-सी इसीएचएस पॉलिक्लिनिक, एक सीएसडी कैनटीन और एक सैनिक विश्राम गृह का निर्माण किया जा सके। उन्होंने कहा कि अब तक इन परियोजनाओं के लिए रक्षा मंत्रालय से वित्तीय स्वीकृति प्राप्त नहीं हुई है।

श्री पठानिया ने शाहपुर में 5.91 एकड़ भूमि का मुद्दा भी उठाया जो केंद्र सरकार की है लेकिन वर्तमान में राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के पास है। यह मैदान स्थानीय विद्यालयों और नगर की गतिविधियों के लिए एकमात्र उपलब्ध स्थान है, लेकिन स्वामित्व और कब्जे को लेकर विवाद होने के कारण इसका उचित उपयोग नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने रक्षा मंत्रालय की नीति के अन्तर्गत इस भूमि के विनियमन का प्रस्ताव प्रस्तुत कर शीघ्र समाधान का आग्रह किया है।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25 , स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। सम्पादकः- एकान्ति रॉय गर्ग, मुख्य कार्यालयः बूथ नं: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109(हरियाणा)। मो.: 9915606900, email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

न्यूज डायरी

‘युद्ध नशों विरुद्ध’ के 195वें दिन पंजाब पुलिस द्वारा 404 स्थानों पर छापेमारी; 95 नशा तस्कर गिरफ्तार

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। प्रदेश से नशों के पूर्ण खात्मे के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर चलाए गए “युद्ध नशों विरुद्ध” के 195वें दिन पंजाब पुलिस ने आज 404 स्थानों पर छापेमारी की, जिसके बाद प्रदेशभर में 79 एफआईआर दर्ज कर 95 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही 195 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 29,288 हो गई है।

इन छापेमारियों के दौरान गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों के कब्जे से 5.4 किलोग्राम हेरोइन, 1 किलो अफीम, 1657 नशीली गोलियां/कैप्सूल और 5160 रुपए की ड्रग मनी बरामद की गई है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस आयुक्तों, डिप्टी कमिश्नरों और एस.एस.पीज़ को पंजाब को नशामुक्त राज्य बनाने के आदेश दिए हैं। पंजाब सरकार द्वारा नशों के विरुद्ध लड़ाई की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अगुवाई में 5 सदस्यीय कैबिनेट सब-कमेटी भी गठित की गई है।

इस ऑपरेशन के दौरान 72 गज़टेड अधिकारियों की निगरानी में 1100 से अधिक पुलिस कर्मचारियों वाली 150 से अधिक पुलिस टीमों ने राज्यभर में छापेमारी की। उन्होंने आगे बताया कि दिनभर चले इस ऑपरेशन के दौरान पुलिस टीमों ने 423 संदिग्ध व्यक्तियों की जांच भी की है।

गौरतलब है कि पंजाब सरकार ने राज्य से नशों के खात्मे के लिए तीन-पक्षीय रणनीति – एनफोर्समेंट, डी-अडिक्शन और प्रिवेंशन (ईडीपी) – लागू की है और पंजाब पुलिस ने इस रणनीति के हिस्से के रूप में 47 व्यक्तियों को नशा छोड़ने और पुनर्वास का उपचार लेने के लिए तैयार किया है।

श्रीमद्भागवत जी का अगर कोई मनुष्य प्रतिदिन एक श्लोक भी निरंतर पाठ करता है तो वह कपिला गाय के दान का फल प्राप्त कर लेता है : रमणीक महाराज

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। श्री शिव ठाकुर द्वारा मंदिर मनीमाजरा में आयोजित पितृ तर्पण श्रीमद्भागवत कथा के दौरान सद्भावना दूत भागवताचार्य डॉ रमनीक कृष्ण जी महाराज ने श्रीमदभागवत महापुराण के महात्म्य की कथा श्रवण कराते हुए बताया के पद्म पुराण में वर्णित है कि श्रीमद्भागवत जी का अगर कोई मनुष्य प्रतिदिन एक श्लोक, आधा या केवल एक पंक्ति भी निरंतर पाठ करता है तो वह कपिला गाय के दान का फल प्राप्त कर लेता है। कलिकाल में जीव नाना प्रकार के द्वंद्वों में फंसा हुआ है। अनेकों प्रकार के विषाद मनुष्य जीवन में हैं। दिन भर की क्रियाकलापों में मनुष्य परमात्मा का निरंतर चिंतन करने में सक्षम नहीं है। माया ने प्रत्येक मनुष्य को जकड़ रखा है। कलियुग में मनुष्य की आयु कम है और कामनाएं अधिक हैं, जब मनुष्य अपनी इच्छाओं को पूर्ण करने में असहाय हो जाता है तब अवसाद की स्थिति प्रकट हो जाती है। भौतिकवाद की दौड़ में मानव अध्यात्मवाद से दूर होता जा रहा है। तब मनुष्य के पास ऐसा कौन सा उपाय है जिसको करके वो अपने सुषुप्त अध्यात्म को पुनः जागृत अवस्था में ला सके। तब धर्म को धारण करने वाले सत्पुरुषों ने शास्त्र एवं पुराणों को मनुष्य मन को पुनः जागृत करने का श्रेष्ठ उपाय बताया। जो पुराना होकर भी हर बार नया ही प्रतीत होता हो वही पुराण है। जो जीवन में जितनी बार पढ़ा या श्रवण किया जाए हर बार हमें नया ही अनुभव कराता है। श्रीमदभागवतमहापुराण पुराण साहित्य का सिरमौर है। जिसमें द्वादश स्कंध तीन सौ पैंतीस अध्याय तथा अठारह हजार श्लोक हैं।भगवान कृष्ण के प्रसंग सुनते हुए उन्होंने कहा कि भक्तों की भक्ति और धर्म की रक्षा के लिए भगवान ने भारत भूमि पर अवतार लिया और अधर्म का नाश किया। कथा स्थल पर भगवान कृष्ण का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया । अरोड़ा परिवार और गर्ग परिवार ने मुख्य यजमान के रूप में पूजा अर्चना की।

भागवत कथा में छप्पन भोग और गोवर्धन पूजा का महत्व बताया

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। श्रीमद्भागवत कथा कमेटी प्रोग्रेसिव एवं अन्य सोसाइटी समस्त सदस्यों द्वारा पार्क नजदीक फ्लैट नंबर 1631, प्रोग्रेसिव सोसाइटी सेक्टर 50-बी में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा मे कथा व्यास श्री विजय शास्ती जी ने अपनी अमृतमयी वाणी से कथा में कृष्ण भगवान का जन्म उत्सव संगीतमय भजनों द्वारा मनाया गया और भगवान श्रीकृष्ण की बाललीलाओं का प्रसंग सुनाया। इस अवसर पर व्यास जी ने कृष्ण भगवान के जन्मोत्सव, उनके नामकरण और पूतना वध के साथ माखनचोरी की लीलाओं का वर्णन किया ‘नंद रानी तेरो लाला जबर भयो रे‘ जिसे सुनकर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए। कथा व्यास ने बताया कि भगवान ने अपनी लीलाओं से जहां कंस के भेजे विभिन्न राक्षसों का संहार किया, वहीं ब्रज के लोगों को आनंद प्रदान किया कथा व्यास ने कहा कि इंद्र को अपनी सत्ता और शक्ति पर घमंड हो गया था। उसका गर्व दूर करने के लिए भगवान ने ब्रज मंडल में इंद्र की पूजा बंद कर गोवर्धन की पूजा शुरू करा दी। इससे गुस्साए इंद्र ने ब्रजमंडल पर भारी बरसात कराई। प्रलय से लोगों को बचाने के लिए भगवान ने कनिष्ठ उंगली पर गोवर्धन पर्वत को उठा लिया। सात दिनों के बाद इंद्र को अपनी भूल का एहसास हुआ।
इस मौके पर गोवर्धन लीला का वर्णन एवं गोवर्धन पूजन का उत्सव मनाया इस अवसर समस्त भक्तों ने कथा और संगीतमय भजनों का आनन्द लिया इस अवसर समस्त सोसाइटी एवं महिला संकीर्तन मण्डल के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

हरजोत बैंस द्वारा सीनियर पत्रकारों के पिता संत राम वशिष्ठ के निधन पर दुख व्यक्त

चंडीगढ़- पंजाब के सूचना एवं लोक संपर्क मंत्री स हरजोत सिंह बैंस ने आज जग बाणी अखबार के रेजिडेंट एडिटर श्री रणदीप वशिष्ठ और दैनिक भास्कर अखबार के सीनियर पत्रकार श्री संदीप वशिष्ठ के पिता श्री संत राम वशिष्ठ (92) के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। श्री संत राम वशिष्ठ की सेहत काफी समय से खराब चल रही थी और आज सुबह उनका निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार रूपनगर जिले के पास स्थित गांव बूर माजरा के श्मशान घाट में किया गया। दुखी परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए स हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि श्री संत राम वशिष्ठ एक नेकदिल इंसान थे जिन्हें उनकी सादगी, ईमानदारी और समाज भलाई के प्रति प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता था। उन्होंने कहा कि श्री वशिष्ठ की मान्यताएं, मूल्य और विरासत उनके परिवार और सभी परिचितों को हमेशा प्रेरित करती रहेंगी। कैबिनेट मंत्री ने परमात्मा से प्रार्थना की कि वह इस कठिन समय में परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने का साहस प्रदान करें और दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में शांति प्रदान करें।

अमृतसर में सीमा पार से तस्करी रैकेट का पर्दाफाश; छः पिस्तौलें, 1 किलो हेरोइन, 6 लाख रुपये की ड्रग मनी समेत पांच गिरफ्तार

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़/अमृतसर(ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशानुसार पंजाब को सुरक्षित और नशा मुक्त प्रदेश बनाने के लिए चल रही मुहिम के दौरान खुफिया जानकारी पर कार्रवाई करते हुए, काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) अमृतसर ने पाकिस्तान से संबंधित सीमा पार से हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले माड्यूल के पांच कारकों को छह आधुनिक पिस्तौलें, 1 किलो हेरोइन और 6 लाख रुपये की ड्रग मनी समेत गिरफ्तार कर इस माड्यूल का पर्दाफाश किया है। यह जानकारी आज यहाँ डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान अमृतसर के गाँव भित्तेवाड़ के जसकरन सिंह, अमृतसर के गाँव रंगगढ़ के अमृतपाल सिंह, अमृतसर के बोपाराए के गुरविंदर सिंह, अमृतसर के बोपाराए के अमंदीप सिंह और लुधियाना के गाँव मनसूरा के हरकीरत सिंह के रूप में हुई है। बरामद किए गए हथियारों में मैगज़ीन समेत दो 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौल, मैगज़ीन समेत दो .30 बोर पीएक्स5 पिस्तौल और मैगज़ीन समेत दो .30 बोर स्टार मार्क पिस्तौल शामिल हैं।

पुलिस टीमों ने उनकी स्विफ्ट कार, होंडा अमेज़ कार और स्पलेंडर मोटरसाइकिल को भी जब्त किया, जिनका उपयोग खेपों की डिलीवरी के लिए किया जा रहा था।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि गिरफ्तार किए गए आरोपी पाकिस्तान स्थित तस्करों जो सीमा पार से गैरकानूनी हथियारों और नशीले पदार्थों की खेप भेजने के लिए ड्रोन का उपयोग कर रहे हैं, के इशारों पर काम कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार किए गए आरोपी प्रदेश में अपराधिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के इरादे से पंजाब में अपराधियों और गैंगस्टरों को हथियार सप्लाई कर रहे थे।

इस ऑपरेशन के बारे में विवरण साझा करते हुए, डीजीपी ने बताया कि सीआई अमृतसर टीमों को एक भरोसेमंद सूचना मिली थी कि एक पाकिस्तान-आधारित तस्कर ने ड्रोन के माध्यम से दो अलग-अलग खेपें – हथियार और नशीले पदार्थ – भेजी हैं, जिन्हें गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों ने प्राप्त किया है।

उन्होंने कहा कि और जानकारी से पता चला है कि ये दोनों खेपें इन आरोपियों द्वारा अनजान व्यक्तियों को डिलीवर की जानी थीं। उन्होंने आगे कहा कि इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए एक पुलिस पार्टी ने खुफिया कार्रवाई शुरू की और इन पाँच संदिग्धों को तब गिरफ्तार किया, जब वे खेपें डिलीवर करने की प्रतीक्षा कर रहे थे।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में से एक हवाला ऑपरेटर निकला जिसकी पहचान हरकीरत के रूप में हुई है – जिससे 6 लाख रुपये बरामद किए गए हैं, और यह पैसा हवाला चैनलों के माध्यम से पाकिस्तान भेजा जाना था।

उन्होंने आगे कहा कि नेटवर्क के अगले-पिछले संबंधों का पता लगाने के लिए और जांच जारी है। इस संबंधी एफआईआर नंबर 49 दिनांक 12-09-2025 को एनडीपीएस एक्ट की धारा 21, 25, 27-ए और 29 तथा असलाह एक्ट की धारा 25 के तहत थाना स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल, अमृतसर में दर्ज की गई है।

बारिश और दरियाओं में पानी का स्तर घटा, पंजाब को मिली राहत

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। बारिश और दरियाओं में पानी का स्तर घटने से पंजाब में बाढ़ के प्रकोप से राहत मिलनी शुरू हो गई है। बाढ़ संबंधी ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान कोई जानी नुकसान नहीं हुआ और न ही कोई अन्य फसली क्षेत्र प्रभावित हुआ है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए पंजाब के राजस्व, पुनर्वास और आपदा प्रबंधन मंत्री श्री हरदीप सिंह मुंडियां ने बताया कि राहत शिविरों में रह रहे लोग लगातार अपने घरों को लौट रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप शिविरों की संख्या 11 सितंबर को 111 से घटाकर 12 सितंबर को 100 कर दी गई है। उन्होंने बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान राहत शिविरों से 460 व्यक्ति अपने घरों को लौटे हैं, जिससे स्पष्ट है कि परिवारों के घर लौटने से स्थिति धीरे-धीरे सामान्य होने शुरू हो गयी है।

- **जानी नुकसान की कोई रिपोर्ट नहीं और न ही कोई अतिरिक्त फसली क्षेत्र हुआ प्रभावितः हरदीप सिंह मुंडियां**
- **राहत शिविरों में रह रहे लोग अपने घरों को लौटने लगे**

उन्होंने बताया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से निकाले गए व्यक्तियों की संख्या अब 23,340 हो गई है। इस समय 4,125 लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं जबकि एक दिन पहले यह संख्या 4,585 थी। उन्होंने बताया कि ज़िलों की रिपोर्टों के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान कोई नया फसली क्षेत्र प्रभावित होने की रिपोर्ट नहीं है और प्रभावित फसली क्षेत्र कल के बराबर यानी 1,92,380 हेक्टेयर दर्ज किया गया है।

कैबिनेट मंत्री ने बताया कि जालंधर से एक व्यक्ति के लापता होने की रिपोर्ट आई है, जबकि पठानकोट से तीन व्यक्ति अब भी लापता हैं।

उन्होंने बताया कि बाढ़ के कारण और भी गाँव प्रभावित होने की रिपोर्ट है, जिससे 22 ज़िलों में प्रभावित गाँवों की संख्या कुल 2,319 हो गई है, जबकि प्रभावित आबादी 3,89,036 तक पहुँच गई है।

श्री हरदीप सिंह मुंडियां ने बताया कि ज़िला प्रशासन की निगरानी में बचाव और राहत कार्य जारी हैं, जिनमें एन.डी.आर.एफ, एस.डी.आर.एफ, सेना और बी.एस.एफ. की ओर से सहयोग दिया जा रहा है। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि जैसे-जैसे पानी और घटता जाएगा, आने वाले दिनों में पशुओं और बुनियादी ढांचे के असली नुकसान का पता लगाया जाएगा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में शुरू किए गए स्वच्छता अभियान का व्यापक प्रभाव

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में चलाए गए स्वच्छता अभियान का अब जमीनी स्तर पर व्यापक प्रभाव दिखने लगा है। गुरुग्राम में इस पहल ने न केवल शहर की सूरत बदली है, बल्कि नागरिकों में जागरूकता और उत्साह भी जगाया है।

मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन, प्रशासनिक टीम और लोगों की सक्रिय भागीदारी से गुरुग्राम के कई इलाकों में स्वच्छता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। पार्कों, सड़कों, बाजारों और सार्वजनिक स्थानों की रौनक लौट आई है। नागरिकों का कहना है कि शहर में स्वच्छता का स्तर अब बेहतर हुआ है।

इस अभियान की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने स्वयं स्वच्छता का संदेश फैलाने के लिए ‘श्रमदान‘ में भाग लिया और लोगों को सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया। स्थानीय नागरिकों, सामाजिक संगठनों, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) और स्वयंसेवी समूहों ने स्वेच्छा से स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया। कई इलाकों में लोगों ने स्वयं पहल करते हुए कचरा प्रबंधन को सुव्यवस्थित किया, गलियों और मोहल्लों की सफाई की और वृक्षारोपण के माध्यम से पर्यावरण को सुंदर बनाने में योगदान दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छता केवल सरकार या प्रशासन की ज़िम्मेदारी नहीं, बल्कि एक जन आंदोलन है। जब तक प्रत्येक नागरिक अपनी ज़िम्मेदारी समझकर सहयोग नहीं करेगा, तब तक इस अभियान का वास्तविक उद्देश्य पूरा नहीं हो सकता। लोगों ने मुख्यमंत्री के इस आह्वान को दिल से अपनाया है और अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया है। यह पहल केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि एक दीर्घकालिक अभियान के रूप में जारी रहेगी।

सरकार इस अभियान को और प्रभावी बनाने के लिए ठोस कदम उठा रही है। गुरुग्राम नगर निगम के अलावा, अन्य शहरों के स्थानीय निकायों को भी स्वच्छता प्रबंधन में किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरतने के लिए विशेष निर्देश जारी किए गए हैं।

सीएम मान को स्पष्ट करना चाहिए कि Rs. 12,000 करोड़ SDRF फंड कहाँ है

“अवैध खनन, अवैध कटाई और बाँधों के नाम पर हुई लूट की सीबीआई जाँच ज़रूरी: चुग”

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान की प्रेस कॉन्फ्रेंस ने जनता द्वारा मांगे गए ज्वलंत जवाबों से अधिक सवाल पैदा किए हैं।

चुग ने कहा, “आपदा प्रबंधन, घोषणाओं और कैमरे के सामने दिए वादों से नहीं चलता। बाढ़ की मार झेल रहे लोगों को हेडलाइन नहीं, राहत चाहिए।”

चुग ने फंड के विरोधाभासी दावों पर सवाल उठाया। “एक ओर मुख्यमंत्री मान कहते हैं कि पंजाब को केवल Rs. 1,500 करोड़ मिले। दूसरी ओर पंजाब प्रशासन खुद SDRF/NDRF खातों में बड़े पैमाने पर एंट्री मान रहा है। सच कौन सा है? अगर पैसा कागज पर है तो किसानों, मज़दूरों और घर-घर तक क्यों नहीं पहुँचा?” उन्होंने पूछा।

“ 60,000 करोड़” का दावा चुग ने गढ़ा हुआ आँकड़ा बताया। उन्होंने कहा, “अगर यह असली है तो विभागवार और ज़िलावार दस्तावेज़, हस्ताक्षर और तारीखों सहित जनता के सामने रखें। नहीं तो पंजाब की जनता से माफी माँगें।”

चुग ने वादों और डिलीवरी की खाई पर भी सवाल किया। “2023 में मान सरकार ने 15,000 रूपये प्रति एकड़ मुआवज़ा घोषित किया था। ये पैसा कितनों को मिला? अब 20,000 रूपये प्रति एकड़ की बात हो रही है। घोषणा से नहीं, समयबद्ध भुगतान से ज़ख्म भरते हैं। गिरदावरी कराएँ, लाभार्थी सूची ऑनलाइन डालें और दिवाली से पहले भुगतान करें,” उन्होंने कहा।

आप नेताओं और खुद मुख्यमंत्री मान के बाढ़ के शुरुआती दिनों में अनुपस्थिति पर चुग ने तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा, “आपदा पार्टी” के राज में पंजाब में सरकार है लेकिन शासन नहीं। चुग ने अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया की भूमिका पर भी सवाल उठाया—“बिना संवैधानिक पद पर हुए पंजाब के मुख्यमंत्री को मिले संसाधनों का उपयोग करना नैतिक शासन नहीं, सरकारी मशीनरी का राजनीतिक दुरुपयोग है।”

चुग ने माँग की कि सरकार सात दिनों में SDRF/NDRF इनफ्लो, बैलेंस, ब्याज और उपयोग पर श्वेत पत्र जारी करे; बाढ़ के बाद ज़िला-वार मुआवज़े की सूची प्रकाशित करे; और हर गाँव-स्तर सर्वे के बाद सात दिन की आपत्ति अवधि तय करे और तुरंत अंतिम भुगतान करे। “अगर मान सरकार अपने आँकड़ों पर आश्वस्त है तो पारदर्शिता से डर क्यों?” चुग ने कहा।

चुग ने धुस्सी बांधों को कमजोर करने वाले अवैध खनन पर भी सवाल उठाए और पंजाब के सभी खनन टेंडरों पर सीबीआई जाँच की माँग की। उन्होंने खुलासा किया कि लुधियाना के ससराली गाँव में 18 अप्रैल 2025 को अवैध खनन पर FIR दर्ज हुई थी, फिर भी मान सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की। “रेत माफिया राजनीतिक संरक्षण में पनप रहा है। यही कारण है कि मैंने इसे ‘मान-मेड डिज़ास्टर’ कहा,” चुग ने कहा।

45 दिनों में हर पीड़ित को मिलेगा मुआवजा : सी एम मान

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज कहा कि पंजाब सरकार 45 दिनों के भीतर राज्य के सभी बाढ़ पीड़ितों को मुआवजा देना सुनिश्चित करेगी।

यहां अपनी सरकारी आवास पर एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ दिन पहले उन्होंने घोषणा की थी कि उनकी सरकार किसानों को फसलों के नुकसान के लिए 20,000 रुपए प्रति एकड़ मुआवजा देगी, जो देश में सबसे अधिक है। उन्होंने कहा कि वास्तव में यह पंजाब के इतिहास में सबसे अधिक मुआवजा है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पिछली सरकारों के समय मुआवजा लेने में कई साल लग जाते थे और फसलों के नुकसान से पहले ही दुखी लोगों को मुआवजे के लिए सरकारी दफ्तरों में भटकना पड़ता था।

मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि पीड़ित लोगों को जल्द से जल्द मुआवजा देना सबसे जरूरी है। उन्होंने कहा, ‘एक किसान का बेटा होने के नाते मैं किसानों की परेशानियों को अच्छी तरह समझता हूं। जब तक प्रत्येक किसान को फसल नुकसान का मुआवजा नहीं मिल जाता, मैं चैन से नहीं सोऊंगा।‘

बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए बनाई गई योजना पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने आदेश दिया कि फसलों के नुकसान का आकलन करने के लिए विशेष गिरदावरी कल (13 सितंबर) से शुरू की जाए और पूरी प्रक्रिया 45 दिनों के भीतर पूरी कर ली जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके तुरंत बाद किसानों को उनके मुआवजे के चेक मिलना शुरू हो जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि जिन जिलों में बाढ़ का प्रभाव नहीं पड़ा है, वहां के अधिकारी प्रभावित क्षेत्रों और गांवों में तैनात किए जाएंगे ताकि आकलन का काम जल्द पूरा हो सके। उन्होंने कहा कि अधिकारी गांव-गांव जाकर सभी खेतों का निरीक्षण करेंगे और अपनी रिपोर्ट तैयार करेंगे। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि फसल कोई भी हो, यदि नुकसान हुआ है तो मुआवजा जरूर दिया जाएगा। भगवंत सिंह मान ने कहा कि रिपोर्ट तैयार होने के बाद किसानों को आपत्ति दर्ज करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया जाएगा ताकि रिपोर्ट में किसी भी गलती को सुधारा जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पूरी प्रक्रिया 45 दिनों के भीतर पूरी कर ली जाएगी और इसके बाद किसानों को मुआवजे के चेक वितरित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जिन गांवों में फसल 100 प्रतिशत नष्ट हो गई है, वहां यह प्रक्रिया केवल एक महीने में पूरी कर ली जाएगी और तुरंत बाद चेक सौंपने शुरू कर दिए जाएंगे। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पिछली सरकारों के समय मुआवजा वितरण में पूरा साल लग जाता था, लेकिन अब यह काम एक महीने या डेढ़ महीने में पूरा हो जाएगा क्योंकि एक ईमानदार सरकार लोगों की सेवा कर रही है।

इसी तरह, मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन घरों को नुकसान पहुंचा है, उन्हें भी सरकार की ओर से मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिन लोगों का पूरा घर ढह गया है, उन्हें 1,20,000 रुपए मिलेंगे, और जिन्हें कम नुकसान हुआ है, उन्हें 40,000 रुपए दिए जाएंगे। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पहले की सरकारें घरों के कम नुकसान के लिए केवल 6,800 रुपए मुआवजा देती थीं, लेकिन अब इसे बढ़ाकर 40,000 रुपए कर दिया गया है।

इसी तरह, मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन लोगों के पशु बाढ़ में बह गए या मर गए, उन्हें भी मुआवजा दिया जाएगा। एक उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि यदि किसी की गाय या भैंस की मृत्यु हो गई है, तो सरकार 37,500 रुपए देगी, और यदि बकरी की मृत्यु हुई है, तो 4,000 रुपए दिए जाएंगे। अन्य सभी पशुओं को भी नियमों के अनुसार मुआवजा दिया जाएगा, जिसमें बैल, घोड़े, मुर्गियां, मछली पालन और अन्य जीव शामिल हैं। भगवंत सिंह मान ने आदेश दिया कि घरों या पशुओं के नुकसान का मुआवजा 15 सितंबर से शुरू होना चाहिए और हर हाल में यह काम 45 दिनों के भीतर पूरा होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारियों को गांव-गांव जाकर नुकसान का जायजा लेना चाहिए और अपनी रिपोर्ट तैयार करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी व्यक्ति को रिपोर्ट पर आपत्ति है, तो उनके पास इसे ठीक कराने के लिए एक सप्ताह का समय होगा। उन्होंने कहा कि पूरी प्रक्रिया 45 दिनों के भीतर पूरी हो जाएगी, और लोगों को उनके मुआवजे के चेक मिलना शुरू हो जाएंगे।

भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस पूरी प्रक्रिया की वह व्यक्तिगत रूप से रोजाना निगरानी करेंगे और यदि कोई अधिकारी गलत करता है या समयसीमा के अनुसार काम नहीं करता, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ के कहर से कुछ परिवारों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है। उन्होंने कहा कि भले ही हम उन्हें वापस नहीं ला सकते, लेकिन सरकार मुआवजे में कोई देरी न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि अब तक 55 मृत्यु की पुष्टि हो चुकी है, जिनमें से 42 परिवारों को सहायता राशि के चेक जारी किए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस संकट की घड़ी में राज्य सरकार लोगों के साथ खड़ी है। इस दौरान भगवंत सिंह मान ने ताजा स्थिति और पानी के प्रवाह के बारे में भी जानकारी ली और अधिकारियों को नदियों के टूटे तटबंधों की मरम्मत के लिए रोजाना निगरानी करने को कहा।

मुख्यमंत्री ने वर्चुअल रूप से बैठक में शामिल हुए सभी डिप्टी कमिश्नरों से पिछले चार दशकों में पहली बार आए भीषण बाढ़ के बाद जमीनी हकीकत के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने किसानों की सुविधा के लिए 16 सितंबर तक अपने-अपने जिलों की मंडियों को साफ करने के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य सरकार घरों के नुकसान की भरपाई के लिए नियमों में ढील देने का मुद्दा तुरंत भारत सरकार के समक्ष उठाएगी। उन्होंने अधिकारियों को हर गांव में मेडिकल कैंप लगाने और फॉगिंग कराने के लिए भी कहा। उन्होंने कहा कि लोगों की सेवा के इस पुण्य कार्य में निजी डॉक्टरों को भी शामिल किया जाना चाहिए। भगवंत सिंह मान ने स्वास्थ्य विभाग को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से पानी के नमूने लेने के लिए भी कहा ताकि स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पंजाब को बड़ी प्राकृतिक आपदा वाला राज्य घोषित करने का मुद्दा भारत सरकार के समक्ष उठाएगी ताकि नुकसान की भरपाई के लिए अतिरिक्त फंड प्राप्त हो सकें। उन्होंने बताया कि बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई है और सड़कों व अन्य बुनियादी ढांचे की मरम्मत का काम चल रहा है। भगवंत सिंह मान ने अधिकारियों को बाढ़ पीड़ितों और किसानों को राहत देने के लिए मिशनरी भावना के साथ काम करने को कहा।

संपादकीय

शांति प्रयासों पर चोट

कतर की राजधानी दोहा में इजरायल के हवाई हमलों ने गाजा में संघर्ष विराम की उम्मीदों को धुंधला कर दिया है। ये हमले जितने अप्रत्याशित लगते हैं, उतने ही गैरजरूरी भी - खासकर जब शांति के लिए बातचीत चल रही हो। बड़ी बात कि इसके लिए अमेरिका को भी भरोसे में नहीं लिया गया था। इजरायल की कार्रवाई ने ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन को गहरे असमंजस में डाल दिया है। कतर और इजरायल, दोनों ही वॉशिंगटन के करीबी सहयोगी हैं। हमास के साथ वार्ता में कतर मध्यस्थ की भूमिका निभाता रहा है। अब तक उसकी धरती पर सभी पक्षों के बीच कई दौर की बातचीत हो चुकी है। जब इजरायली एयर स्ट्राइक हुई, उस वक्त भी हमास के टॉप लीडर मीटिंग के लिए वहां जुटे थे। कतर ने इस हमले पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। भले ही निशाना वह न हो, लेकिन इजरायल का हमला सीधे तौर पर उसकी संप्रभुता और उसके अधिकार क्षेत्र के खिलाफ था। अब देखने वाली बात होगी कि क्या कतर पहले की तरह हमास-इजरायल वार्ता में रुचि दिखाता है? कतर की भूमिका इसलिए अहम हो जाती है, क्योंकि उस पर सभी पक्षों को भरोसा है। पूरे संघर्ष के दौरान वह हमास और इजरायल के सीधे संपर्क में रहा है। उसके शांति प्रक्रिया से हटने पर बीच की कड़ी टूटने का डर है। गाजा में जंग शुरू हुए दो साल होने को हैं और इस बीच ऐसे कई मोड़ आए, जहां लगा कि संघर्ष फैल सकता है। इजरायल ने पिछले साल सितंबर में लेबनान में हिज्बुल्लाह पर हमले किए थे। फिर इस साल जून में ईरान के खिलाफ युद्ध का ऐलान कर दिया। अब इस ताजा हमले ने उसके प्रति अविश्वास को और बढ़ा दिया है। इसके बाद यह सवाल और तीखा हो जाएगा कि नेतन्याहू क्या वाकई में शांति चाहते हैं? शांति प्रक्रिया को किसी भी तरह का झटका लगता है, तो सबसे ज्यादा नुकसान होगा गाजा के लोगों का, जो भयावह मानवीय त्रासदी से जूझ रहे हैं। कतर पर एयरस्ट्राइक से कुछ घंटों पहले ही इजराइल ने गाजा को खाली करने की चेतावनी जारी की थी। इजराइली सेना जमीनी स्तर पर बड़ा सैन्य अभियान चलाने की योजना बना रही है।

आज 11 सितंबर है। यह दिन अलग-अलग स्मृतियों से जुड़ा है। एक स्मृति 1893 की है, जब स्वामी विवेकानंद ने शिकागो में विश्वबंधुत्व का संदेश दिया और दूसरी स्मृति है 9/11 का आतंकी हमला, जब विश्व बंधुत्व को सबसे बड़ी चोट पहुंचाई गई। आज के दिन की एक और विशेष बात है। आज एक ऐसे व्यक्तित्व का 75वां जन्मदिवस है जिन्होंने वसुधैव कुटुंबकम के मंत्र पर चलते हुए समाज को संगठित करने, समता-समरसता और बंधुत्व की भावना को सशक्त करने में अपना पूरा जीवन समर्पित किया है। संघ परिवार में जिन्हें परम पूजनीय सरसंघचालक के रूप में श्रद्धाभाव से संबोधित किया जाता है, ऐसे आदरणीय मोहन भागवत जी का आज जन्मदिन है।

मोहन भागवत जी हमेशा से 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के प्रबल समर्थक रहे हैं

(नरेंद्र मोदी)

संघ परिवार में जिन्हें परम पूजनीय सरसंघचालक के रूप में श्रद्धाभाव से संबोधित किया जाता है, ऐसे आदरणीय मोहन भागवत जी का आज जन्मदिन है। यह एक सुखद संयोग है कि इसी साल संघ भी अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है।

आज 11 सितंबर है। यह दिन अलग-अलग स्मृतियों से जुड़ा है। एक स्मृति 1893 की है, जब स्वामी विवेकानंद ने शिकागो में विश्वबंधुत्व का संदेश दिया और दूसरी स्मृति है 9/11 का आतंकी हमला, जब विश्व बंधुत्व को सबसे बड़ी चोट पहुंचाई गई। आज के दिन की एक और विशेष बात है। आज एक ऐसे व्यक्तित्व का 75वां जन्मदिवस है जिन्होंने वसुधैव कुटुंबकम के मंत्र पर चलते हुए समाज को संगठित करने, समता-समरसता और बंधुत्व की भावना को सशक्त करने में अपना पूरा जीवन समर्पित किया है।

संघ परिवार में जिन्हें परम पूजनीय सरसंघचालक के रूप में श्रद्धाभाव से संबोधित किया जाता है, ऐसे आदरणीय मोहन भागवत जी का आज जन्मदिन है। यह एक सुखद संयोग है कि इसी साल संघ भी अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है। मैं भागवत जी को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं और प्रार्थना करता हूं कि ईश्वर उन्हें दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करें।

मेरा मोहन भागवत जी के परिवार से बहुत गहरा संबंध रहा है। मुझे उनके पिता, स्वर्गीय मधुकरराव भागवत जी के साथ निकटता से काम करने का सौभाग्य मिला था। मैंने अपनी पुस्तक ज्योतिपुंज में मधुकरराव जी के बारे में विस्तार से लिखा भी है। वकालत के साथ-साथ मधुकरराव जी जीवनभर राष्ट्र निर्माण के कार्य में समर्पित रहे। अपनी युवावस्था में उन्होंने लंबा समय गुजरात में बिताया और संघ कार्य की मजबूत नींव रखी।

मधुकरराव जी का राष्ट्र निर्माण के प्रति झुकाव इतना प्रबल था कि वह अपने पुत्र मोहनराव को भी इस महान कार्य के लिए निरंतर गढ़ते रहे। एक पारसमणि मधुकरराव ने मोहनराव के रूप में एक और पारसमणि तैयार कर दी।

भागवत जी का पूरा जीवन सतत प्रेरणा देने वाला रहा है। वे 1970 के दशक के मध्य में प्रचारक बने। सामान्य जीवन में प्रचारक शब्द सुनकर ये भ्रम हो जाता है कि कोई प्रचार करने वाला व्यक्ति होगा, लेकिन जो संघ को जानते हैं उनको पता है कि प्रचारक परंपरा संघ कार्य की विशेषता है। गत 100 वर्षों में देशभक्ति की प्रेरणा से भरे हजारों युवक-युवतियों ने अपना घर-परिवार त्याग करके पूरा जीवन संघ परिवार के माध्यम से राष्ट्र को समर्पित किया है। भागवत जी भी उस महान परंपरा की मजबूत धुरी हैं।

भागवत जी ने उस समय प्रचारक का दायित्व संभाला, जब तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने देश पर इमरजेंसी थोप दी थी। उस दौर में प्रचारक के रूप में भागवत जी ने आपातकाल-विरोधी आंदोलन को निरंतर मजबूती दी। उन्होंने कई वर्षों तक महाराष्ट्र के ग्रामीण और पिछड़े इलाकों, विशेषकर विदर्भ में काम किया। 1990 के दशक में अखिल भारतीय शारीरिक प्रमुख के रूप में मोहन भागवत जी के कार्यों को आज भी कई स्वयंसेवक स्नेहपूर्वक याद करते हैं। इसी कालखंड में मोहन भागवत जी ने बिहार के गांवों में अपने जीवन के अमूल्य वर्ष बिताए और समाज को सशक्त करने के कार्य में समर्पित रहे।

वर्ष 2000 में वे सरकार्यवाह बने और यहाँ भी भागवत जी ने अपनी अनोखी कार्यशैली से हर कठिन परिस्थिति को सहजता और सटीकता से संभाला।

2009 में वे सरसंघचालक बने और आज भी अत्यंत ऊर्जा के साथ कार्य कर रहे हैं। भागवत जी ने राष्ट्र प्रथम की मूल विचारधारा को हमेशा सर्वोपरि रखा।

सरसंघचालक होना मात्र एक संगठनात्मक जिम्मेदारी नहीं है। यह एक पवित्र विश्वास है, जिसे पीढ़ी-दर-पीढ़ी दूरदर्शी व्यक्तित्वों ने आगे बढ़ाया है और इस राष्ट्र के नैतिक और सांस्कृतिक पथ को दिशा दी है। असाधारण व्यक्तित्वों ने इस भूमिका को व्यक्तिगत त्याग, उद्देश्य की स्पष्टता और माँ भारती के प्रति अटूट समर्पण के साथ निभाया है। यह गर्व की बात है कि मोहन भागवत जी ने न केवल इस विशाल जिम्मेदारी के साथ पूर्ण न्याय किया है, बल्कि इसमें अपनी व्यक्तिगत शक्ति, बौद्धिक गहराई और सहृदय नेतृत्व भी जोड़ा है।

भागवत जी का युवाओं से सहज जुड़ाव है और इसलिए उन्होंने अधिक से अधिक युवाओं को संघ कार्य के लिए प्रेरित किया है। वे लोगों से प्रत्यक्ष संपर्क में रहते हैं, और संवाद करते रहते हैं। श्रेष्ठ कार्य पद्धति को अपनाने की इच्छा और बदलते समय के प्रति खुला मन रखना, ये मोहनजी की बहुत बड़ी विशेषता रही है। अगर हम व्यापक संदर्भ में देखते हैं तो संघ की 100 साल की यात्रा में भागवत जी का कार्यकाल संघ में सर्वाधिक परिवर्तन का कालखंड माना जाएगा। चाहे वो गणवेश परिवर्तन हो, संघ शिक्षा वर्गों में बदलाव हो, ऐसे अनेक महत्वपूर्ण परिवर्तन उनके निर्देशन में संपन्न हुए।

कोरोना काल में मोहन भागवत जी के प्रयास विशेष रूप से याद आते है। उस कठिन समय में उन्होंने स्वयंसेवकों को सुरक्षित रहते हुए समाजसेवा करने की दिशा दी और टेक्नोलॉजी का उपयोग बढ़ाने पर बल दिया। उनके मार्गदर्शन में स्वयंसेवकों ने जरूरतमंदों तक हरसंभव सहायता पहुँचाई, जगह-जगह मेडिकल कैंप लगाए। उन्होंने वैश्विक चुनौतियों और वैश्विक विचार को प्राथमिकता देते हुए व्यवस्थाओं को विकसित किया। हमें कई स्वयंसेवकों को खोना भी पड़ा, लेकिन भागवत जी की प्रेरणा ऐसी थी कि अन्य स्वयंसेवकों की दृढ़ इच्छाशक्ति कमजोर नहीं पड़ी।

इस वर्ष की शुरुआत में, मैंने नागपुर में उनके साथ माधव नेत्र चिकित्सालय के उद्घाटन के दौरान मैंने कहा था कि संघ अक्षयवट की तरह है, जो राष्ट्रीय संस्कृति और चेतना को ऊर्जा देता है। इस अक्षयवट वृक्ष की जड़ें इसके मूल्यों की वजह से बहुत गहरी और मजबूत हैं। इन मूल्यों को आगे बढ़ाने में जिस समर्पण से मोहन भागवत जी जुटे हुए हैं, वो हर किसी को प्रेरणा देता है।

समाज कल्याण के लिए संघ की शक्ति के निरंतर उपयोग पर मोहन भागवत जी का विशेष बल रहा है। इसके लिए उन्होंने पंच परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त किया है। इसमें स्व बोध, सामाजिक समरसता, नागरिक शिष्टाचार, कुटुम्ब प्रबोधन और पर्यावरण के सूत्रों पर चलते हुए राष्ट्र निर्माण को प्राथमिकता दी गई है। देश और समाज के लिए सोचने वाले हर भारतवासी को पंच परिवर्तन के इन सूत्रों से अवश्य प्रेरणा मिलेगी।

संघ का हर कार्यकर्ता वैभव संपन्न भारत माता का सपना साकार होते देखना चाहता है। इस सपने को पूरा करने के लिए जिस स्पष्ट विज़न और ठोस एक्शन की जरूरत होती है, मोहन जी इन दोनों गुणों से परिपूर्ण हैं।

मोहन जी के स्वभाव की एक और बड़ी विशेषता ये है कि वो मृदुभाषी हैं। उनमें सुनने की भी अद्भुत क्षमता है। यह विशेषता न केवल उनके दृष्टिकोण को गहराई देती है, बल्कि उनके व्यक्तित्व और नेतृत्व में संवेदनशीलता और गरिमा भी लाती है।

मोहन जी, हमेशा 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के प्रबल पक्षधर रहे हैं। भारत की विविधता और भारत भूमि की शोभा बढ़ा रही अनेक संस्कृतियों और परंपराओं के उत्सव में भागवत जी पूरे उत्साह से शामिल होते हैं। वैसे बहुत कम लोगों को ये पता है कि मोहन भागवत जी अपनी व्यस्तता के बीच संगीत और गायन में भी रुचि रखते है। वे विभिन्न भारतीय वाद्ययंत्रों में भी निपुण हैं। पठन-पाठन में उनकी रुचि, उनके अनेक भाषणों और संवादों में साफ दिखाई देती है।

पिछले दिनों देश में जितने सफल जन-आंदोलन हुए चाहे स्वच्छ भारत मिशन हो या बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, मोहन भागवत जी ने पूरे संघ परिवार को इन आंदोलनों में ऊर्जा भरने के लिए प्रेरित किया। मैं पर्यावरण से जुड़े प्रयासों और सस्टेनेबल लाइफस्टाइल को आगे बढ़ाने के प्रति उनके समर्पण को जानता हूँ। मोहन जी का बहुत जोर आत्मनिर्भर भारत पर भी है।

कुछ ही दिनों में विजयादशमी पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 100 वर्ष का हो जाएगा। यह भी सुखद संयोग है कि विजयादशमी का पर्व, गांधी जयंती, लाल बहादुर शास्त्री की जयंती और संघ का शताब्दी वर्ष एक ही दिन आ रहे हैं।

यह भारत और विश्वभर के लाखों स्वयंसेवकों के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है। हम स्वयंसेवकों का सौभाग्य है कि हमारे पास मोहन भागवत जी जैसे दूरदर्शी और परिश्रमी सरसंघचालक हैं, जो ऐसे समय में संगठन का नेतृत्व कर रहे हैं। एक युवा स्वयंसेवक से लेकर सरसंघचालक तक की उनकी जीवन यात्रा उनकी निष्ठा और वैचारिक दृढ़ता को दर्शाती है। विचार के प्रति पूर्ण समर्पण और व्यवस्थाओं में समयानुकूल परिवर्तन करते हुए, उनके नेतृत्व में संघ कार्य का निरंतर विस्तार हो रहा है।

मैं माँ भारती की सेवा में समर्पित मोहन भागवत जी के दीर्घ और स्वस्थ जीवन की पुनः कामना करता हूँ। उन्हें जन्मदिवस पर अनेकानेक शुभकामनाएं। लेखक भारत के प्रधानमंत्री हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

प्रकृति की नाराजगी को नहीं समझा तो मानव अस्तित्व खतरे में

(ललित गर्ग)

वनों की कटाई ने न केवल भूमि की जलधारण क्षमता घटाई है, बल्कि स्थानीय जलवायु चक्र को भी प्रभावित किया है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण तापमान बढ़ा है, जिससे पहाड़ी इलाकों में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं और अप्रत्याशित समय पर अत्यधिक वर्षा हो रही है। प्रकृति अपनी उदारता में जितनी समृद्ध है, अपनी प्रतिशोधी प्रवृत्ति में उतनी ही कठोर है। जब तक मनुष्य उसके साथ तालमेल में रहता है, तब तक वह जीवन को वरदान देती है, जल, जंगल और जमीन के रूप में। लेकिन जैसे ही मनुष्य अपनी स्वार्थपूर्ण महत्वाकांक्षाओं और तथाकथित आधुनिक विकास की अंधी दौड़ में प्रकृति की उपेक्षा करने लगता है, यही प्रकृति विनाश का रूप धारण कर लेती है। आज पूरे भारत में जो बाढ़, जल प्रलय और मौसम के अनियंत्रित बदलाव के दृश्य दिखाई दे रहे हैं, वे केवल प्राकृतिक आपदा नहीं हैं, बल्कि हमारी गलतियों का सीधा परिणाम हैं। प्रकृति के इस रौद्र रूप के पीछे महज संयोग या 'कुदरत की नाराज़गी' को जिम्मेदार ठहराना पर्याप्त नहीं है। यह आपदाएं सीधे-सीधे जलवायु परिवर्तन, वनों की अंधाधुंध कटाई और अनियंत्रित विकास मॉडल का परिणाम हैं। पहाड़ों का पारिस्थितिकी तंत्र अत्यंत संवेदनशील होता है, लेकिन नीतिनिर्माताओं ने पहाड़ों के विकास को मैदानी मॉडल पर ढालने की कोशिश की। बड़े-बड़े होटल, अव्यवस्थित सड़कें, बांध, खनन और निर्माण ने पहाड़ों की नाजुक संरचना को हिला दिया। जब जंगल काटे जाते हैं तो वर्षा का पानी भूमि में समाने के बजाय सीधे तेज धाराओं के रूप में बहने लगता है। यही बाढ़ और भूस्खलन का बड़ा कारण बनता है, जिसे से भारी तबाही का मंजर देखने को मिल रहा है, देश के बड़े हिस्से में जन-जीवन अस्त-व्यस्त है, लाखों हेक्टेयर फसलें जलमग्न है, जान-माल का नुकसान भी बड़ा हुआ है, भारी आर्थिक नुकसान ने घना अंधेरा बिखेर दिया है। चारों ओर चिन्ताओं एवं परेशानियों के बादल मंडरा रहे हैं।

आज की बाढ़ और जल प्रलय केवल पानी का उफान नहीं, बल्कि हमारी गलतियों का आईना है। यह प्रकृति का प्रतिशोध है, उसकी चेतावनी है कि यदि अब भी नहीं चेते तो भविष्य और भी विकराल होगा। महात्मा गांधी ने कहा था-प्रकृति हर किसी की आवश्यकता पूरी कर सकती है, लेकिन किसी के लालच को नहीं। यही सच्चाई है। यदि हमने संतुलन नहीं सीखा, तो यह विनाशकारी दृश्य आने वाले वर्षों में और भयावह होंगे। लेकिन यदि हमने चेतावनी को अवसर माना, तो प्रकृति फिर से मां की तरह हमें संभाल लेगी। जीवनदायी पानी जब अपने विकराल रूप में सामने आता है तो उसका प्रकोप कितना घातक और विनाशकारी हो सकता है, यह इस वर्ष की मूसलाधार मानसूनी बारिश एवं बादल फटने की घटनाओं ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है। सामान्यतः जल जीवन का आधार है, लेकिन जब वही जल अपनी मर्यादा तोड़कर प्रलयंकारी रूप में आता है तो घर, खेत, सड़क, पुल, मंदिर-मस्जिद और मानवीय जीवन तक बहाकर ले जाता है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर के पहाड़ी राज्य इस समय प्रकृति के ऐसे ही कहर का दंश झेल रहे हैं। बादल फटने की अप्रत्याशित घटनाएं, पहाड़ों से टूटते हिमखंड, अचानक बहते मलबे और बेकाबू नदियों का सैलाब-ये सब मिलकर भयावह परिदृश्य खड़ा कर रहे हैं।

वनों की कटाई ने न केवल भूमि की जलधारण क्षमता घटाई है, बल्कि स्थानीय जलवायु चक्र को भी प्रभावित किया है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण तापमान बढ़ा है, जिससे पहाड़ी इलाकों में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं और अप्रत्याशित समय पर अत्यधिक वर्षा हो रही है। यही कारण है कि बादल फटने जैसी घटनाएं पहले की तुलना में कई गुना बढ़ गई हैं। पहाड़ों की बस्तियां, जो कभी प्राकृतिक संतुलन में जीती थीं, अब मानवजनित गतिविधियों की मार झेल रही हैं। दरअसल, समस्या का मूल यह है कि हमने विकास की परिभाषा को केवल कंक्रीट और मशीनों से जोड़ दिया है। पर्यावरणीय संतुलन और पारिस्थितिकीय संवेदनशीलता को दरकिनार कर योजनाएं बनाई गईं। इसी का परिणाम है कि जब आपदा आती है तो न तो हमारी चेतावनी प्रणाली पर्याप्त साबित होती है और न ही प्रशासन की तैयारियां। सर्वोच्च न्यायालय ने हिमाचल सरकार ने यह स्वीकार भी किया है कि अब तक अपनाए गए उपाय अपर्याप्त हैं। यह स्वीकारोक्ति बताती है कि समस्या कितनी गंभीर है।

भारत की नदियाँ कभी जीवन का स्रोत मानी जाती थीं। गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, नर्मदा, गोदावरी जैसी नदियों के किनारे सभ्यताएँ पलीं-बढ़ीं। लेकिन आज वही नदियाँ मौत का पैगाम बनकर आती हैं। कारण है उनके प्राकृतिक प्रवाह में मानवीय हस्तक्षेप-बेतरतीब बांध, अतिक्रमण, नालों में बदल चुकी धारा और किनारों पर बसी बस्तियाँ। भारत में हर साल औसतन 1,600 लोग बाढ़ से मारे जाते हैं और लगभग 75 लाख लोग प्रभावित होते हैं। फसलें तबाह होती हैं, पशुधन मरता है और अरबों रुपए की आर्थिक क्षति होती है। केवल 2023 में उत्तराखंड, हिमाचल और दिल्ली में आई बाढ़ से 60,000 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ। पिछले कुछ दशकों में मौसम का पैटर्न पूरी तरह बिगड़ चुका है। मानसून जो पहले जून से सितंबर तक नियमित हुआ करता था, अब अनिश्चित और असमान हो गया है। कभी 24 घंटे में महीनों की बारिश हो जाती है, तो कभी लंबे सूखे का दौर देखने को मिलता है। 2013 की केदारनाथ त्रासदी ने पहाड़ों में अंधाधुंध निर्माण की पोल खोल दी। 2023 में दिल्ली में यमुना का 45 साल का रिकॉर्ड टूटना इस बात का संकेत है कि शहर जलवायु परिवर्तन और अव्यवस्थित शहरीकरण के सामने पूरी तरह असुरक्षित हो चुके हैं। देश के लगभग हर हिस्से में जल प्रलय की कहानियाँ देखी जा सकती हैं। उत्तराखंड और हिमाचल में पहाड़ टूट रहे हैं, भूस्खलन से गांव उजड़ रहे हैं। बिहार और असम में बाढ़ हर साल लाखों लोगों को बेघर कर देती है। दिल्ली और मुंबई जैसे आधुनिक महानगर भी जलजमाव से पंगु हो जाते हैं। राजस्थान जैसे रेगिस्तानी राज्य में भी अनियंत्रित बारिश और बाढ़ का नया खतरा मंडरा रहा है। सड़कों पर नावें चल रही हैं, पुल बह गए हैं, खेत-खलिहान जलमग्न हैं। यह नजारा केवल विनाश का नहीं, बल्कि हमारी नासमझी का प्रमाण है। प्रकृति बार-बार संकेत देती है कि संतुलन ही जीवन का आधार है, लेकिन हमने उसकी सीमाओं को लांघ दिया है। पहाड़ों को खोखला कर सुरंगें और सड़कें बनाई गईं। जंगलों को काटकर कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए गए। नदियों को उनके मार्ग से हटाकर कृत्रिम रास्तों में बांध दिया गया। आज जब बादल फटते हैं या नदियाँ बेकाबू होती हैं, तो यह केवल आपदा नहीं बल्कि प्रकृति का प्रतिशोध है।

अब सवाल यह है कि इस संकट से निपटें कैसे। केवल राहत और मुआवजा देना समाधान नहीं है। आवश्यकता है दीर्घकालिक और ठोस कदम उठाने की। हमें जंगल बचाने होंगे, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बहाल करना होगा, शहरी योजनाओं में जलनिकासी और हरियाली को महत्व देना होगा, पर्वतीय विकास में संयम लाना होगा और सबसे बढ़कर जनजागरूकता फैलानी होगी ताकि लोग समझ सकें कि पर्यावरण की रक्षा ही उनके जीवन की रक्षा है। जरूरत है कि आपदाओं को केवल 'प्राकृतिक' न मानकर उन्हें 'मानव निर्मित' एवं सरकार की गलत नीतियों की आपदाएं' भी समझा जाए। इसका अर्थ है कि इनका समाधान केवल राहत और बचाव तक सीमित न रहकर दीर्घकालिक रणनीति से जुड़ा होना चाहिए। विशेषज्ञों की राय, वैज्ञानिक अध्ययन और स्थानीय समुदायों के अनुभवों को मिलाकर ऐसी नीतियां बननी चाहिएं, जो पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना और पारिस्थितिकी को ध्यान में रखें।

प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति हमें चेतावनी दे रही है कि यदि हमने समय रहते संतुलित विकास का मार्ग नहीं चुना तो भविष्य और अधिक भयावह होगा।

वर्ग पहेली 5851

1	2	3	■	4	5		6
7			■	8		■	
	■	9	10		■	11	
12	13	■		■	14	■	■
15		■	16			17	■
18		19		■	20		
	■		■	■	21		22
■	■	23				■	

संकेतः बाएं से दाएं

1. 1995 को इस देश की क्रिकेट टीम ने वेस्टइंडीज को हराकर शारजहां कप (फाइनल ट्रॉफी) अपने नाम किया (3)
4. 1930 में भारत में उच्च न्यायाल की इस प्रथम महिला न्यायाधीश ने जन्म लिया था (4)
7. अमानत में खयानत, प्रेमचंद की एक प्रसिद्ध कृति (3)
8. क्षण, लम्हा (2)
9. झुकना, प्रणाम करना (3)
11. बटा हुआ महीन रेशम, पहनावा, वेष-विन्यास (2)
12. अहित कामना सूचक शब्द (2)
15. निकटस्थ वस्तु का निदेशक सर्वनाम (2)
16. देवों का शत्रु होने के कारण असुर को यह भी कहा जाता है (4)
18. अशांवतार, धर्मपुत्र (4)
20. मित्र, दोस्त, सखा (2)
21. प्रदर्शित करना, बताना (3)
23. पुराणानुसार सात लोकों में से छठे लोक का नाम जहां असुर राज करते है (4)

ऊपर से नीचे

1. किसी शुभ कार्य का आरंभ (7)
2. आधार से समकोण बनाती हुई ऊपर जाने वाली रेखा (2)
3. जंगल, अरण्य, वन (3)
4. लेप करना (3)
5. इंद्रधनुष के रंगों में से एक, मंगल ग्रह इस रंग का बताया गया है (2)
6. छलपूर्वक किसी का माल, असबाब आदि हर लेना (3)
10. देवों के देव होने के कारण भगवान शंकर का एक नाम (4)
13. तीन घंटे का समय, याम (3)
14. मुक्त हस्त, उदारमन, दिलदरियाव (5)
17. पूर्वज, सयाना और वृद्ध व्यक्ति (3)
19. पति का छोटा भाई यह कहलाता है, धर्मेंद्र, शर्मिला टेगोर की 1966 की एक सफल फिल्म (3)
22. संबंध से, हेतु, वास्ते (2)

वर्ग पहेली 5850 का हल

गु	रू	अं	ग	द	■	दां	ते
ल	ट	क	न	■	स	त	ह
जा	■	■	पा	व	न	■	रा
र	श्क	■	व	ह	म	■	न
■	■	रो	ड	■	■	बिं	■
■	उ	ज	र	त	■	दू	आ
आ	■	गा	■	मी	■	■	खि
ह	स	र	त	ज	य	पु	री

एक जैसी उम्र, एक जैसी आग, एक जैसी मांग, नेपाल से यूरोप जेन-जेड आंदोलन का प्रकोप

(अभिनय आकाश)

जैसे हजारों लाखों लोगों की भीड़ बड़ी बड़ी इमारतों को जला रही थी। उसी तरह फ्रांस में भी इमारतें और गाड़ियां जलाई गईं। हालांकि नेपाल में जैसे संसद भवन, राष्ट्रपति भवन, सुप्रीम कोर्ट और सचिवालय जैसे महत्वपूर्ण भवनों में आग लगा दी गई। फ्रांस में वैसा तो नहीं हुआ। लेकिन वहां आंदोलन का ये पहला दिन ही था।

जेन जेड का आंदोलन आग बनकर पिछले दो दिनों से नेपाल को जला रहा था और अब उसी तरह फ्रांस की राजधानी पेरिस में इमारतें जलाई गईं। वैसे तो काठमांडू से पेरिस की दूरी करीब 7 हजार किलोमीटर है। इसे तय करने में विमान से करीब 12 से 14 घंटे लगते हैं। लेकिन लेकिन जेन जेड आंदोलन की आग इससे भी कम समय में फ्रांस से नेपाल पहुंच गई। इस आंदोलन को वहां के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों पर तख्तापलट का काउंटडाउन कहा जा रहा है। इसके बारे में आपको विस्तार से बताएंगे। लेकिन आपको पहले बताते हैं कि फ्रांस का ये आंदोलन नेपाल जैसा क्यों लग रहा है। ये तो आप सभी को पता है कि नेपाल का आंदोलन जेन जेड का आंदोलन था। यानी प्रदर्शनकारियों की भीड़ में ज्यादातर लोगों की उम्र 13 वर्ष से 28 से 30 वर्ष तक की थी। इसी तरह फ्रांस में हुए आंदोलन में शामिल ज्यादातर लोग भी इसी उम्र के थे। आगजनी वहां भी हुई और वहां भी हुई। जैसे हजारों लाखों लोगों की भीड़ बड़ी बड़ी इमारतों को जला रही थी। उसी तरह फ्रांस में भी इमारतें और गाड़ियां जलाई गईं। हालांकि नेपाल में जैसे संसद भवन, राष्ट्रपति भवन, सुप्रीम कोर्ट और सचिवालय जैसे महत्वपूर्ण भवनों में आग लगा दी गई। फ्रांस में वैसा तो नहीं हुआ। लेकिन वहां आंदोलन का ये पहला दिन ही था।

प्रदर्शन में दिखा नेपाल वाला पैटर्न: नेपाल में तख्तापलट से ठीक पहले जब युवा प्रदर्शनकारी सड़क पर उतरे थे तो पुलिस के साथ झड़प हुई थी। फ्रांस में भी प्रदर्शनकारी पुलिस से भिड़ते नजर आए थे। 8 सितंबर को नेपाल सरकार ने भी पुलिस के जरिए आंदोलन को दबाने और भीड़ को डराने की कोशिश की थी। ऐसा लग रहा है कि इस कदम को फ्रांस सरकार ने भी उठाया है। पेरिस में सुरक्षाबलों ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए हर संभव कोशिश की। एक लाख से ज्यादा लोग फ्रांस की सड़कों पर उतर आए हैं और इन्हें काबू करने के लिए सरकार ने 80 हजार पुलिसकर्मियों को उतार दिया है।

फ्रांस में डेढ़ साल में 5 प्रधानमंत्री: राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों 20 माह में ही एक के बाद एक पांच प्रधानमंत्री नियुक्त कर चुके हैं, लेकिन सड़कों पर विरोध और गुस्सा थमने का नाम नहीं ले रहा। बुधवार को एक ओर जहां नए पीएम सेबेस्टियन लेकोर्नू ने पदभार संभाला, वहीं वेतन और सब्सिडी कटौती के मुद्दे पर पूरे फ्रांस में 'लेट्स ब्लॉक एवरीथिंग' आंदोलन में एक लाख प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे। मैक्रों ने 80 हजार पुलिसकर्मियों को तैनात किया। प्रदर्शनकारियों ने पेरिस, ल्यों, टूलूज और नांते तक सड़क, रेलवे और एयरपोर्ट सेवाएं बाधित कीं। पेरिस में प्रदर्शनकारियों ने कई जगहों पर सड़क को जाम कर आग लगा दी। नांते में भीड़ पर पुलिस को आंसू गैस का इस्तेमाल करना पड़ा। कई जगह झड़पें हुईं। 200 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है।

आंदोलन क्यों शुरू हुआ?: आंदोलन की जड़ें पूर्व पीएम फ्रांस्वा बायरू के जुलाई में पेश किए गए कठोर बजट में हैं।

आज का राशिफल

मेष

कारोबार के मामले में दिन अच्छा रहने वाला है और कामकाज की स्थिति अच्छी बनी रहेगी। इससे आपके आत्मविश्वास में भी वृद्धि होगी। व्यापार के मामले में पुराने मित्रों का सहयोग प्राप्त हो सकता है, जिससे अनुकूल परिणाम देखने के मिलेंगे। आप जो भी निर्णय बुद्धि और विवेक के साथ लेंगे उससे सुखद परिणाम जरूर मिलेंगे।

वृष

आपको भूमि और संपत्ति संबंधी मामलों में सावधान रहने की जरूरत है, अन्यथा कोई विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। हालांकि, आपको भौतिक सुख के साधनों में वृद्धि होगी। कार्यस्थल पर आप अपनी बातों को सभी के सामने दृढ़तापूर्वक रखने में सफल रहेंगे। लेकिन किसी भी यात्रा के दौरान आपको सावधान रहने की जरूरत होगी।

तुला

नौकरी करने वालों के लिए दिन बेहद शुभ रहने वाला है। कार्यस्थल पर आपके अधिकारों में वृद्धि हो सकती है और पदोन्नति होने की भी संभावना है। धन लाभ के शुभ योग बनते जाएंगे जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा और राजनीति के क्षेत्र में सफलता प्राप्त हो सकती है। पारिवारिक माहौल शांतिपूर्ण बना रहेगा और जीवन में सुख-शांति आएगी।

वृश्चिक

राजनीति के क्षेत्र में आपकी मुलाकात किसी महान व्यक्ति या नेता से हो सकती है, जो भविष्य के लिए लाभदायक भी सिद्ध होगी। व्यापार के सिलसिले में आपको किसी यात्रा पर भी जाना पड़ सकता है। लेकिन सेहत पर खास ध्यान देने की जरूरत होगी, अन्यथा इसका प्रभाव कामकाज पर भी पड़ सकता है।

मिथुन

व्यापार के मामले में आप नई योजनाएं बना सकते हैं, जो भविष्य के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकती हैं। वहीं, अगर लंबे समय से किसी कर्ज में फंसे थे तो अब उससे भी छुटकारा मिल सकता है।और परिवार में संतान की ओर से पूर्ण सहयोग व सुख प्राप्त होगा।

कर्क

कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों के साथ बोलचाल बढ़ेगी और आपको उनका सहयोग भी प्राप्त होगा। भौतिक सुख के साधनों में वृद्धि हो सकती है और जीवन में समृद्धि आएगी। व्यापार के मामले में नए संपर्क बनाने से लाभ हो सकता है और निवेश से भी मुनाफा कमाने के संकेत हैं।

धनु

नए व्यापार को शुरू करने के लिए आप कई योजनाएं बना सकते हैं। इनसे आगे चलकर धन लाभ होने के भी संकेत हैं। कार्यक्षेत्र में सभी बिगड़े काम बनने शुरू हो जाएंगे, जिससे आपके आत्मविश्वास में भी वृद्धि होगी। परिवार में भाई-बहनों से पूर्ण सहयोग व सुख प्राप्त होगा। आर्थिक मामलों में भी लाभ मिलने की संभावना है।

मकर

आर्थिक मामलों में आपको सतर्क रहने की जरूरत है, अन्यथा किसी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है और धन हानि होने के भी संकेत हैं। कार्यक्षेत्र में आपको विरोधियों से सावधान रहना होगा क्योंकि, वे आपके खिलाफ कोई योजना बना सकते हैं। हालांकि, आप अपनी बुद्धिमानी से स्थिति को सामान्य बना सकते हैं।

सिंह

आपकी कुछ अधूरी इच्छाएं पूरी हो सकती हैं। लेकिन इसके लिए आपको मेहनत करते रहनी होगी। व्यापार के मामले में यात्राओं द्वारा सुखद परिणाम प्राप्त हो सकते हैं, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। लेकिन कार्यक्षेत्र में आपको किसी भी उच्च अधिकारी से बहस या वाद-विवाद करने से बचना होगा, अन्यथा समस्या खड़ी हो सकती है।

कन्या

अगर कार्यक्षेत्र में किसी व्यक्ति या सहकर्मी के साथ कोई विवाद चल रहा था तो अब आपको उससे छुटकारा मिल सकता है। खर्चों में कमी आ सकती है और बचत बढ़ेगी, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत होती जाएगी। आपको नए वाहन का सुख भी प्राप्त हो सकता है।

कुंभ

अगर कार्यक्षेत्र में आपके कुछ पुराने कार्य अटके हुए हैं, तो कुछ बाधाओं और धन खर्च के बाद वे पूरे हो जाएंगे। इससे आपको थोड़ा सुकून महसूस होगा। आप किसी महत्वपूर्ण मीटिंग या चर्चा का हिस्सा भी बन सकते हैं, जहां आपके सुझाव को गंभीरता से लिया जाएगा। कार्यस्थल पर विरोधी पराजित होंगे और आपके प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मीन

आपके पराक्रम में वृद्धि होगी और व्यापार के मामले में दिन शुभ रहने वाला है। आपके द्वारा किए गए प्रयासों और योजनाओं से अनुकूल परिणाम प्राप्त हो सकता है। नौकरी करने वाले अपने कामकाज में ज्यादा व्यस्त रहेंगे, परिवार में संतान की ओर से कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

कभी 5000 रुपये महीने थी सैलरी, अब कंपनी ला रही 3820 करोड़ रुपये का आईपीओ

नई दिल्ली, एजेंसी। कोई भी सफलता एक-दो दिन, एक-दो महीने या एक-दो साल में नहीं मिली। सफल व्यक्ति के पीछे छिपी होती है उसकी लगन, मेहनत और धैर्य। सफलता के रास्ते में कई खतरनाक पड़ाव आते हैं। कई संघर्ष होते हैं। इन सभी से निकलने के बाद सफलता का स्वाद चखने को मिलता है। ऐसा ही स्वाद चखा है एडुटेक कंपनी फिजिक्सवाला के फाउंडर अलख पांडेय ने। कभी 5,000 रुपये महीने की नौकरी करने वाले प्रखर आज हजारों करोड़ रुपये की कंपनी के मालिक हैं। प्रखर इस समय चर्चा में हैं क्योंकि इनकी कंपनी फिजिक्सवाला 3,820 करोड़ रुपये का आईपीओ लेकर आ रही है। अलख पांडेय ने स्कूली पढ़ाई पूरी करने के बाद कानपुर के एक इंजीनियरिंग कॉलेज में एडमिशन ले लिया। लेकिन उन्होंने बीच में ही पढ़ाई छोड़ दी और प्रयागराज (इलाहाबाद) वापस आ गए। प्रयागराज आकर उन्होंने अपने टीचिंग के पैशन को जारी रखा और एक कोचिंग में पढ़ाने लगे। इसके लिए उन्हें 5,000 रुपये मिलते थे। आज इनकी कंपनी देश की यूनिकॉर्न बन गई है। यूनिकॉर्न ऐसी कंपनी को कहते हैं जिसका मार्केट कैप 1 अरब डॉलर से ज्यादा होता है।

वाराणसी है बनारसी साड़ियों व हस्तशिल्प का एमएसएमई हब, कॉन्वलेव में होगी भविष्य पर चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। वाराणसी में आयोजित एमएसएमई फॉर भारत कॉन्क्लेव का आयोजन शनिवार, 13 सितंबर को दोपहर 4 से 6 बजे तक कमिश्नर ऑडिटोरियम, कचहरी वाराणसी में होगा। यह कार्यक्रम स्थानीय उद्यमियों, सरकारी अधिकारियों, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों और विभिन्न व्यापारिक संगठनों को एकत्रित कर वाराणसी के एमएसएमई क्षेत्र की संभावनाओं और चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा करने का विशेष अवसर प्रदान करेगा। वाराणसी अपनी ऐतिहासिक विरासत और सांस्कृतिक समृद्धि के लिए विश्व विख्यात है। यह शहर एमएसएमई क्षेत्र में भी एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभर रहा है। यहां की प्रमुख उद्योग इकाइयों में बनारसी साड़ी निर्माण, कालीन बुनाई और खिलौने बनाना शामिल हैं। स्थानीय कारीगर और छोटे उद्योग इन पारंपरिक उत्पादों के निर्माण में संलग्न हैं। यहां के उत्पाद देश-विदेश में अपनी अनोखी पहचान बनाए हुए हैं। सरकारी सहयोग और आधारभूत संरचना में वाराणसी के लिए एक जिला एक उत्पाद योजना के तहत विशेष फोकस रखा गया है। यह पहल स्थानीय उत्पादन को वैश्विक ब्रांड के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से कार्यरत है। एमएसएमई सेक्टर में सक्रिय उद्यमी स्थानीय हस्तशिल्प को न केवल संरक्षित कर रहे हैं, बल्कि उन्हें आधुनिक बाजार की मांग के अनुरूप भी ढाल रहे हैं। वाराणसी की एमएसएमई को उसकी बनारसी साड़ियों, कालीन, खिलौने जैसे उत्पादों के लिए जाना जाता है। ये उत्पाद स्थानीय परंपरा और आधुनिक डिजाइनों का अनूठा संगम प्रस्तुत करते हैं। ये भारतीय शिल्प कला का विश्व स्तर पर प्रतीक बन चुके हैं। लेकिन इस क्षेत्र को कई चुनौतियों का सामना भी करना पड़ रहा है। इसमें गिरती कारीगर आय, नकली उत्पादों का बाजार में आना और कमजोर मार्केटिंग स्ट्रैटेजी शामिल हैं। इन चुनौतियों के बावजूद, स्थानीय उद्यमी निरंतर नवाचार के जरिए अपने उत्पादों को प्रतिस्पर्धात्मक बनाकर वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने की कोशिशों में जुटे हैं।

सोना भी ऑल-टाइम हाई पर

चांदी ने 1668 उछाल के साथ तोड़े रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। मजबूत वैश्विक रुख और निवेशकों की मजबूत मांग के चलते सोने-चांदी की कीमतों में बढ़ोतरी देखनेको मिली। शुक्रवार को घरेलू बाजार में सोना 572 रुपये की तेजी के साथ रिकॉर्ड स्तर के करीब 1,09,553 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं चांदी 1,668 रुपये की तेजी के साथ पहली बार 1,30,000 रुपये प्रति किलोग्राम के नए शिखर पर पहुंच गई।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में सबसे अधिक कारोबार वाला अक्टूबर डिलीवरी वाला सोना 572 रुपये व 0.52 प्रतिशत बढ़कर 1,09,553 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया जिसमें 16,533 लॉट के लिए कारोबार हुआ।

एमसीएक्स पर दिसंबर डिलीवरी वाले सोने की कीमत भी 593 रुपये या 0.54 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,10,640 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई, जिसमें 5,513 लॉट के लिए कारोबार हुआ। यह निरंतर तेजी को दर्शाता है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर अगले साल मार्च डिलीवरी के लिए चांदी वायदा भाव 1,668 रुपये या 1.3 प्रतिशत बढ़कर 1,30,000 रुपये प्रति किलोग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। एमसीएक्स पर सबसे अधिक कारोबार वाली दिसंबर डिलीवरी वाली प्याज भी 1,674 रुपये या 1.32 प्रतिशत बढ़कर 1,28,612 रुपये प्रति किलोग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। मेहता इक्विटीज के वाइस प्रेसिडेंट (कमोडिटी) राहुल कलंत्री ने कहा कि शुक्रवार को

सर्राफा कीमतों में मजबूती बनी रही। अमेरिका में ढीली मौद्रिक नीति की लगातार आशंकाओं के बीच सोना अपने सर्वकालिक उच्च स्तर की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी मुद्रास्फीति पूर्वानुमानों के अनुरूप स्थिर बनी हुई है। उत्पादक कीमतों में अप्रत्याशित रूप से गिरावट आई और बेरोजगारी के दावे चार साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। इससे श्रम बाजार की कमजोरी उजागर हुई। बाजार पहले ही अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर में 25 आधार अंकों की कटौती को मान चुका था, और संभावित बड़ी कटौती की अटकलें तेज हो गई है। कलांत्री ने कहा कि भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं, जिनमें रूस से कच्चे तेल की खरीद को लेकर भारत और चीन पर ज्यादा टैरिफ लगाने के लिए जी-7 सहयोगियों पर दबाव डालना, पश्चिम एशिया क्षेत्र और यूक्रेन में बढ़ते संघर्ष शामिल हैं, से सुरक्षित निवेश की मांग को और बल मिला है।

वैश्विक बाजार में सोना-चादी सर्वकालिक स्तर पर पहुंचा

अंतरराष्ट्रीय बाजार में, कॉमेक्स पर दिसंबर डिलीवरी वाला सोना वायदा 20.40 डॉलर या 0.56 प्रतिशत बढ़कर 3,694 डॉलर प्रति औंस हो गया, जो अपने सर्वकालिक उच्चतम स्तर के करीब है। मंगलवार को सबसे ज्यादा कारोबार वाला कीमती धातु वायदा 3,715.20 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था। वैश्विक स्तर पर दिसंबर डिलीवरी के लिए चांदी वायदा 1.52 प्रतिशत बढ़कर 42.79 डॉलर प्रति औंस हो गया, जो 14 साल का नया उच्च स्तर है।

वैश्विक बाजार में चांदी 14 साल के उच्च स्तर पर पहुंचा

रिलायंस सिक्योरिटीज के वरिष्ठ शोध विश्लेषक जिगर त्रिवेदी ने कहा कि शुक्रवार को वैश्विक बाजार में चांदी में 1 प्रतिशत की तेजी आई, जो 14 साल के नए उच्च स्तर को छू गया।

त्रिवेदी ने कहा कि सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहनों और इलेक्ट्रॉनिक्स की मजबूत औद्योगिक मांग ने लगातार आपूर्ति की कमी की पृष्ठभूमि में भौतिक चांदी बाजार को तंग रखा है।

देश का सबसे बड़ा आईपीओ ला रहे टाटा ग्रुप को झटका

बोर्ड मीटिंग से पहले मेंबर ने दिया दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा संस में एक बड़ा बदलाव हुआ है। टाटा ट्रस्ट्स के वाइस चेयरमैन विजय सिंह ने टाटा संस के बोर्ड से इस्तीफा दे दिया है। वह 77 साल के हैं। उन्होंने यह इस्तीफा बोर्ड की मीटिंग से ठीक एक दिन पहले दिया है। यह मीटिंग आरबीआई के आईपीओ की समय सीमा को लेकर होने वाली थी। टाटा ट्रस्ट्स में दो प्रमुख ट्रस्ट सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट हैं। ये दोनों मिलकर टाटा संस में लगभग 52 प्रतिशत हिस्सेदारी रखते हैं। टाटा संस देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी है। टाटा ग्रुप का बिजनेस कई सेक्टर्स में फैला है।

पूर्व रक्षा सचिव विजय सिंह टाटा ट्रस्ट्स की तरफ से टाटा संस के बोर्ड में सदस्य थे। वह टाटा ट्रस्ट्स के ट्रस्टी बने रहेंगे। उनका इस्तीफा चौंकाने वाला है। आमतौर पर, टाटा ट्रस्ट्स के सदस्यों के लिए रिटायरमेंट की कोई उम्र नहीं होती जबकि टाटा संस के दूसरे सदस्यों के लिए रिटायरमेंट की उम्र तय है। जैसे कि एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर 65 साल में, नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर 70 साल में और इंडिपेंडेंट डायरेक्टर 75 साल में रिटायर हो जाते हैं।

लेकिन 17 अक्टूबर 2024 को टाटा ट्रस्ट्स ने एक नियम बनाया था। इसके अनुसार टाटा संस के बोर्ड में 75 साल की उम्र पार कर चुके सदस्यों की हर साल समीक्षा की जाएगी। गुरुवार को टाटा ट्रस्ट्स की बोर्ड मीटिंग में सदस्यों की उम्र पर विचार किया गया। ज्यादातर ट्रस्टियों ने इस समीक्षा का समर्थन किया। वे चाहते थे कि टाटा संस के बोर्ड में युवा लोगों को शामिल किया जाए। टाटा संस के बोर्ड में टाटा ट्रस्ट्स के दो और सदस्य हैं। इनके नाम नोएल टाटा (69 साल) और वेणु श्रीनिवासन (72 साल) हैं। जब विजय सिंह से इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। विजय सिंह पहले भी टाटा संस के बोर्ड में रह चुके हैं। वे पहले 2013 में बोर्ड में शामिल हुए थे।

निर्यातकों के लिए 22.5 अरब का पैकेज लाने की तैयारी, बिना गारंटी सस्ते ब्याज पर कर्ज दे सकती है सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने 50 फीसदी अमेरिका टैरिफ से प्रभावित निर्यातकों की मदद के लिए एक व्यापक राहत पैकेज लाने की योजना बनाई है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, यह राहत पैकेज 22.5 अरब रुपये (25.5 करोड़ डॉलर) का हो सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय इस पैकेज के तहत प्रभावित निर्यातकों को बिना किसी गारंटी के रियायती ब्याज दरों पर कर्ज दिया जा सकता है।हालांकि, सरकार ने अभी इस संभावित पैकेज के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि राहत पैकेज की इस योजना को केंद्रीय मंत्रिमंडल इस सप्ताह या आने वाले दिनों में मंजूरी दे सकता है। इस पैकेज का वित्तपोषण फरवरी में आए 2025-26 के केंद्रीय बजट में निर्यात प्रोत्साहन के लिए पहले से आवंटित फंड से किया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, कपड़ा, र प्रतिशत-आभूषण, चमड़ा, जूते, रसायन, इंजीनियरिंग सामान, समुद्री निर्यात और कृषि जैसे श्रम प्रधान क्षेत्र उच्च अमेरिकी टैरिफ के कारणसबसे अधिक जोखिम में हैं। ये ऐसे क्षेत्र हैं, जो लोगों को बड़ी संख्या में रोजगार देते हैं। भारी-भरकम टैरिफ से इनकी प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता घट रही है।ऑर्डर रद्द होने से उत्पादन प्रभावित हो रहा है, जिसका असर रोजगार पर पड़ सकता है। ऐसे में सरकार जल्द ही इन प्रभावित क्षेत्रों के लिए व्यापक राहत पैकेज की घोषणा कर सकती है।

जेबीएम ऑटो को 11000 इलेक्ट्रिक बस बनाने का ऑर्डर

नई दिल्ली, एजेंसी। इलेक्ट्रिक बस बनाने वाली कंपनी जेबीएम ऑटो लिमिटेड के शेयरों की कीमतों में शुक्रवार की सुबह 8 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिल चुकी है। कंपनी के शेयरों में यह उछाल उनकी सब्सिडयरी को मिला एक बड़ा इंवेस्टमेंट है। जेबीएम इकोलाइफ मोबिलिटी को इंटरनेशनल फाइनेंस कॉरपोरेशन से 100 मिलियन डॉलर का इंवेस्टमेंट मिला है। बता दें, शुक्रवार को जेबीएम ऑटो के शेयर बीएसई में बढ़त के साथ 646.85 रुपये के लेवल ओपन हुए। 10.06 मिनट तक के डाटा के अनुसार बीएसई में कंपनी के शेयरों का इंट्रा-डे हाई 678.45 रुपये रहा है। इस लॉन्ग टर्म फंडिंग की मदद की वजह से अब कंपनी 1455 एसी इलेक्ट्रिक बस के ऑर्डर को आसानी से पूरा कर पाएगी। जेबीएम ऑटो को यह ऑर्डर महाराष्ट्र, असम और गुजरात से मिला है। जेबीएम ने पहले ही 2500 इलेक्ट्रिक बसों के ऑर्डर को पूरा कर दिया है। यह बसें 10 राज्यों के 15 एयरपोर्ट्स पर संचालित हो रही है। वहीं, मौजूदा समय में जेपीएम के पास 11,000 बस के ऑर्डर हैं। दिल्ली एनसीआर में स्थिति कंपनी की मैन्युफैक्करिंग चीन के बाहर सबसे बड़ी ई-बस मैन्युफैक्करिंग है। शेयर के प्रदर्शन की बात करें तो जेबीएम ऑटो के लिए बीते 6 महीने अच्छे रहे हैं। इस दौरान कंपनी के शेयरों का भाव 32 प्रतिशत बढ़ा है। वहीं, एक महीने में जेबीएम ऑटो लिमिटेड के शेयरों का भाव 12 प्रतिशत से अधिक चढ़ा है। हालांकि, 1 साल में जेबीएम ऑटो लिमिटेड का शेयर 32 प्रतिशत और 2 साल में 6 प्रतिशत लुढ़का है।
बता दें, 5 साल में जेबीएम ऑटो लिमिटेड के शेयरों का भाव 1359 प्रतिशत बढ़ा है।

मदर डेयरी और अमूल दूध होगा सस्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। जीएसटी कटौती का फायदा आम आदमी को मिलने जा रहा है। 22 तारीख से मदर डेयरी और अमूल का दूध सस्ता होने जा रहा है। हालांकि अमूल के पैकेट वाले दूध की कीमत में कोई बदलाव नहीं होगा। खास दूध यानी यू एच टी की कीमत ही कम होगी। दरअसल, सरकार ने दूध पर लगने वाले 5 फीसदी जीएसटी घटाकर जीरो कर दिया है। ये नए नियम 22 सितंबर से लागू होंगे। ऐसे में दूध कंपनियां जीरो जीएसटी का फायदा ग्राहकों को देने जा रही हैं।

मदर डेयरी के दूध के दाम में 3 से 4 रुपये प्रति लीटर की कमी आ सकती है। वहीं अमूल यू एच टी(अल्ट्रा-हाई टेम्परेचर) दूध सस्ता हो सकता है। मदर डेयरी का फुल क्रीम दूध भी 65-66 रुपये तक मिल सकता है। हालांकि अमूल के पैकेट वाले दूध की कीमत में कोई बदलाव नहीं होगा।

अमूल ने कहा है कि जीएसटी में बदलाव होने के बाद भी पैकेट वाले दूध के दाम में कोई

22 तारीख से कम हो जाएगी कीमत

बदलाव नहीं होगा। ऐसा इसलिए क्योंकि इस पर पहले से ही कोई जीएसटी नहीं लगता है।

गुजरात को-ऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन के मैनेजिंग डायरेक्टर जयेन मेहता ने एएनआई को बताया कि ताजे दूध के पाउच की कीमतों में कोई बदलाव नहीं होगा। क्योंकि जीएसटी में कोई कमी नहीं हुई है। पाउच वाले दूध पर हमेशा से ही शून्य प्रतिशत जीएसटी लगता रहा है। पहले कुछ खबरों में कहा गया था कि जीएसटी 2.0 के तहत अमूल दूध के पाउच के दाम 3 से 4 रुपये तक कम हो सकते हैं। लेकिन मेहता ने साफ किया कि ये खबरें गलत हैं। पाउच वाले दूध पर हमेशा से ही जीएसटी नहीं लगता है। नई टैक्स व्यवस्था में सिर्फ ॥ञ्ञ दूध सस्ता होगा। यू एच टीदूध पर जीएसटी की दर 5 प्रतिशत से घटकर शून्य हो जाएगी। यू एच टी का मतलब अल्ट्रा-हाई टेम्परेचर है। इस प्रक्रिया में दूध को कम से कम 135 सेंटी डिग्री पर कुछ सेकंड के लिए गर्म किया जाता है। इससे दूध में मौजूद लगभग सारे कीटाणु मर जाते हैं और दूध एकदम साफ हो जाता है। इस प्रक्रिया और टेट्रा पैक जैसी पैकेजिंग की वजह से ॥ञ्ञ दूध को बिना फ्रिज में रखे भी कई महीनों तक इस्तेमाल किया जा सकता है।

इन्फोसिस के शेयर पर 19 प्रतिशत कमाई का मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी सेवा कंपनी इन्फोसिस शेयर बायबैक करेगी। कंपनी के बोर्ड ने 18,000 करोड़ रुपये के अपने सबसे बड़े शेयर पुनर्खरीद कार्यक्रम को मंजूरी दे दी है। कंपनी इस कार्यक्रम पर आगे बढ़ने के लिए अब शेयरधारकों की मंजूरी लेगी। कंपनी ने कहा कि बायबैक प्रोग्राम के तहत वह प्रति शेयर 1,800 रुपये के भाव पर अपने शेयर खरीदेगी। यह भाव गुरुवार को बीएसई पर इन्फोसिस के शेयर के बंद भाव 1,509.50 रुपये की तुलना में करीब 19 प्रतिशत अधिक है।

इन्फोसिस अपने शेयरधारकों से 10 करोड़ पूरी तरह चुकता इक्विटी शेयरों को वापस खरीदेगी जो इसकी कुल चुकता शेयर पूंजी का 2.41 प्रतिशत है। शेयर पुनर्खरीद की प्रक्रिया में कंपनी खुले बाजार से अपने शेयर वापस खरीदती है। ऐसा करने से बाजार में शेयरों की संख्या घट जाती है जिससे बचे हुए शेयरों का मूल्य बढ़ सकता है और कंपनी की प्रति शेयर आय में सुधार होता है। इन्फोसिस के इस कदम से शेयरधारकों को मूल्य लौटाने और निवेशकों के भरोसे को मजबूत करने में मदद मिलने की संभावना है। इस पुनर्खरीद कार्यक्रम का आकार कंपनी के पिछले सभी प्रयासों से बड़ा है। इन्फोसिस ने इसके पहले वर्ष 2017, 2019, 2021 और 2022 में भी शेयरों की पुनर्खरीद की थी। वर्ष 2022 में कंपनी ने लगभग 9,300 करोड़ रुपये के शेयर वापस खरीदे थे जबकि 2021 में पुनर्खरीद का आकार करीब 9,200 करोड़ रुपये था। इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण इस समय करीब छह लाख करोड़ रुपये है।

अल्प अवधि घास कटाई तथा साईलेज बनाने हेतु निविदा सूचना

उप निदेशक, पशु स्वास्थ्य/प्रजनन शिमला-5 द्वारा भेड प्रजनन प्रक्षेत्र ज्युरी में 750 क्विंटल सूखा घास कटाई मुख्य प्रक्षेत्र, हरूआ नाला, दाना स्टोर व गैरिज से आगे नाले तक, झूंझरी धार, कडछम पाटी, कानू व कटोलु पूल से दाना स्टोर तक काटा जाना है। 300 क्विंटल हरा चारा काटना, सायलोपिट तक ढोना, कुतरना, पिट की सफेदी करना और साईलेज तकनीकी कर्मचारी के सामने बना कर इसे युक्ति बंद तरीके से भरना और तदोपरान्त बंद करने का भी कार्य हेतु मोहर बंद निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदाऐं दिंनाक 20/09/2025 को दोपहर 2:00 बजे तक पहुंच जानी चाहिए। निविदाऐं उसी दिन सायं 3:00 बजे उप निदेशक, पशु स्वास्थ्य/प्रजनन, शिमला-5 के कक्ष में खोली जाएंगी।

R.NO.2976/2025-2026

हिम सूचना एंव जन संपर्क

उत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा नोटिस

प्रमुख मुख्य विद्युत अभियंता/परियोजना, अंबाला कैंट भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर खुली ई-निविदा आमंत्रित करते है। निविदा कार अपना मूल/संशोधित प्रस्ताव निर्धारित समापन समय एवं तिथि तक प्रस्तुत कर सकते है। कोई भी निविदा मेन्युअल रूप से स्वीकार नही की जाएगी।

Tender No. & Tender title	App. Cost (Rs.)	Bid Security (Rs.)	Completion period (Months)	Cost of Tender document (Rs.)	Date of Closing
Tender No. NR-Proj-UMB-PQM-2 पंजाब में विभिन्न रेलवे ट्रैक्शन सबस्टेशनों पर IEC 61000-4-30 क्लास A का अनुपालन करने वाले विद्युत गुणवता मीटर की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण, रीडिंग, विश्लेषण और 1 वर्ष का संचालन एवं रखरखाव	33.96 Lac	67,900	12 Month	Nil	06.10.2025 15:30 Hrs

निविदा दस्तावेज रेलवे की वेबसाइट यानी **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है और इन्हे वहां से डाउनलोड किया जा सकता है। ई-टेंडरिंग के संबंध में बयाना राशि/धरोहर राशि जमा (Bid security) और निविदा दस्तावेज लागत (TDC) केवल नेट बैंकिंग और भुगतान गेटवे के माध्यम से ही स्वीकार की जाएगी। सॉफ्टवेयर (आई.आर.ई.पी.एस.) में बैंक खाता संख्या और तकनीकी विवरण उपलब्ध कराए गए हैं, जिन तक संभावित पंजीकृत निविदा कर्ताओं को निविदा के समय पहुंच होगी। नोटः तकनीकी और वित्तीय पात्रता और अन्य सभी नियम और शर्तें, निविदा दस्तावेज में देखी जा सकती है और रेलवे की वेबसाइट यानी **www.ireps.gov.in** से डाउनलोड की जा सकती हैं। **निविदा सूचना क्रमांक : NR/Proj/UMB/Advt/14 Dated: 12.09.2025**

2802/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

एआई से आईटी सेवाओं में मंदी का खतरा

2030 तक राजस्व में हो सकती है 20 फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के कारण वर्ष 2025 से 2030 के बीच वैश्विक आईटी सेवा क्षेत्र में करीब 20 फीसदी राजस्व में गिरावट होने की संभावना है। जेफरीज की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार एप्लिकेशन सेवाओं और बीपीओ (बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग) में उत्पादकता में अधिक बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। वहीं कंसल्टिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर सेवाओं पर इसका असर अपेक्षाकृत कम होगा। खासतौर पर हाई-मार्जिन सेगमेंट जैसे एप्लिकेशन मैनेज्ड सर्विसेज और बीपीओ में एआई का प्रभाव सबसे अधिक दिखाई देगा। अनुमान है कि एआई कंसल्टिंग, एप्लिकेशन सर्विसेज, इंफ्रास्ट्रक्चर सर्विसेज और बीपीओ सर्विसेज में पांच से 35 फीसदी तक उत्पादकता बढ़ोतरी ला सकता है। कंपनियां आशंकित हैं कि तेजी से बढ़ती एआई तकनीक उनके निवेश को जल्दी अप्रासंगिक बना सकती है। राजस्व में गिरावट ङ्क एआई से होने वाली उत्पादकता बढ़ोतरी 2025-30 के दौरान मौजूदा आईटी सेवाओं के राजस्व में लगभग पांचवा हिस्सा कम होने की उम्मीद है। पिछले

निवेश से अधूरे लाभ ङ्क 2021 से 2024 के बीच एंटरप्राइजेज ने हर साल करीब 280 अरब डॉलर अतिरिक्त तकनीकी खर्च किया। यह 2016-20 के औसत 130 अरब डॉलर से दोगुना से भी ज्यादा है। लेकिन अब तक इन भारी निवेशों से ग्राहकों को पूरी तरह लाभ नहीं मिला है। रिपोर्ट के अनुसार, एआई से होने वाली राजस्व में गिरावट, एआई-प्रेरित विकास से पहले देखने को मिलेगी। इसमें कहा गया है कि वित्त वर्ष 2027 में एआई से जुड़ी राजस्व गिरावट शुरुआती वर्षों में ज्यादा असर डाल सकती है। वहीं एआई से होने वाला नया खर्च लंबे समय में ही तेजी पकड़ पाएगा।

बालाजी वेफर्स में हिस्सेदारी खरीदने के लिए कई बड़ी कंपनियां लाइन में

नई दिल्ली, एजेंसी। हल्दीराम के बाद स्नैक्स बनाने वाली एक और कंपनी बालाजी वेफर्स में हिस्सेदारी खरीदने के लिए कई बड़ी कंपनियां लाइन में हैं। आईटीसी और पेप्सिको जैसी बड़ी कंपनियां बालाजी वेफर्स में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने की होड़ में शामिल हैं। इनके अलावा टीपीजी और सिंगापुर की सरकारी निवेश कंपनी टेमासेक जैसे प्राइवेट इक्विटी फंड भी इसमें शामिल हैं। इस डील के लिए बालाजी वेफर्स की वैल्यू लगभग 40,000 करोड़ आंकी जा रही है। एक सूत्र ने बताया कि कुछ रणनीतिक निवेशक और प्राइवेट इक्विटी कंपनियां मिलकर इस बारे में बात कर रही हैं। कुछ निवेशक तो 10 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सेदारी खरीदने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। अभी बातचीत शुरुआती दौर में है। यह दूसरा मौका है जब पेप्सिको बालाजी वेफर्स में हिस्सेदारी खरीदने की कोशिश कर रही है। बालाजी वेफर्स का पश्चिमी और मध्य भारत में अच्छा दबदबा है।
देसी स्नैक ब्रांड्स में निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ रही है। मार्च में ग्लोबल निवेशकों आईएचसी, अल्फा वेव ग्लोबल और सिंगापुर के टेमासेक ने मिलकर हल्दीराम स्नैक्स फूड में लगभग 10 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी थी। इस डील में हल्दीराम की वैल्यू 10 बिलियन डॉलर से ज्यादा आंकी गई थी।

त्योहारी सीजन- जीएसटी सुधार से बढ़ेगी मांग और कर्ज वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी। जीएसटी दरों में कटौती के कारणउत्पादों के दाम घटने और त्योहारी सीजन के कारणमांग एवं बैंकों के कर्ज वृद्धि को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।रोथ्सचाइल्ड एंड कंपनी इंडिया प्राइवेट लि. की बोर्ड अध्यक्ष एवं वरिष्ठ सलाहकार नैना लाल किदवई ने कहा, देश में पिछले वर्ष की तुलना में बैंक कर्ज में वृद्धि सुस्त रही है।इसकी प्रमुख वजह कमजोर पूंजीगत खर्च और सुस्त मांग है। किदवई ने कहा, पूंजीगत खर्च और मांग में कमजोरी इस बात का संकेत है कि प्रमुख आर्थिक क्षेत्रों में कारोबारियों ने सतर्क रुख अपनाया है और उपभोक्ता गतिविधियों में कमी आई है।हालांकि, आगामी त्योहारी मांग और जीएसटी में नवीनतम सुधारों से उपभोक्ता धारणा में सुधार होगा। उन्होंने कहा, जब बाजार में उपभोक्ता मांग और खपत बढ़ेगी तो खाली पड़ी क्षमताओं का उपयोग होगा। इससे कंपनियां अधिक पूंजीगत खर्च करने लगेंगी।

उत्तर रेलवे

ई-टेंडरिंग

खुली निविदा सूचना संख्या एनआईटी-10/2025-26 दिनांक 12.09.2025

सीनियर डिविजनल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/जी, उत्तर रेलवे, अंबाला द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई-निविदा के माध्यम से इच्छुक ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिए 15.00 बजे तक या कार्य के सामने दिखाई गई समाप्ति की तिथि तक खुली निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	कार्य का नाम	लगभग लागत (रु.)	बोली प्रतिभूति (रु.)	पूर्ण होने की अवधि	बंद करने और खोलने की तिथि
1	30-विधुत-12/2025-26 (ओपन टेंडर)	अंबाला डिवीजन में पंपिंग प्रतिष्ठानों का स्वचालन-संचालन और ऑनलाइन निगरानी। (अंबाला, रेल विहार अंबाला, धप्पर, चंडीगढ़, एसएएस नगर मोहाली, सरहिंद, रूपनगर, राजपुरा, पटियाला, बठिंडा, धूरी, सहारनपुर, जगाधरी वर्कशॉप और यमुना नगर जगाधरी)	Rs. 23656925.60	Rs. 268300.00	05 महीने	03.10.2025

1) निविदाकर्ताओं को शर्तों के अनुसार **PAN/TIN/GST** सहित सभी संबंधित पात्र दस्तावेजों की स्कैन की हुई प्रतियों को अपलोड करना आवश्यक है। 2) आवश्यक बोली सुरक्षा नेट बैंकिंग/या भुगतान गेटवे के माध्यम से केवल निविदा की अंतिम तिथि और समय के **15:00 बजे** से पहले ही ऑनलाइन भुगतान स्वीकार्य होगी। 3) कार्य निविदाओं की ई-निविदा में भाग लेने के लिए निविदाकर्ताओं के पास तृतीय श्रेणी का डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए। 4) विवरण के लिए, कृपया आईआरईपीएस वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर लॉग ऑन करें। 5) जीएसटी अधिनियम 2017 के अनुसार जीएसटी लगाया जाएगा।

2805/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सर्व पितृ अमावस्या के दिन जरूर करें ये उपाय, सभी समस्याओं से मिलेगा छुटकारा

सनातन धर्म में सर्वपितृ अमावस्या को बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन पितरों के नाम से श्राद्ध और पिंडदान करने की विशेष मान्यता है। अब ऐसे में इस दिन कुछ उपायों को करने से लाभ हो सकता है। आइए इस लेख में विस्तार से जानते हैं।

हिंदू धर्म में सर्वपितृ अमावस्या के पितरों की विदाई की जाती है। पंचांग के अनुसार, हर साल आश्विन माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को सर्व पितृ अमावस्या के नाम से जाना जाता है। इस दिन पितरों के निमित्त तर्पण, दान और श्राद्धकर्म विशेष रूप से करने की मान्यता है। ऐसा कहा जाता है कि अगर किसी कारणवश अगर आप अपने पितरों का श्राद्ध नहीं कर पाएं हैं, तो सर्वपितृ अमावस्या के दिन श्राद्ध विशेष रूप से करें। ऐसे में इस सर्व पितृ अमावस्या के दिन कुछ ऐसे उपाय हैं, जिसे करने से व्यक्ति को उत्तम फलों की प्राप्ति हो सकती है।

मनोकामना पूर्ति के लिए जरूर करें ये उपाय

सर्व पितृ अमावस्या के दिन मनोकामना पूर्ति के लिए तिल का लड्डू बनाएं और मंदिर में जाकर भगवान को भोग लगाएं। साथ ही अपने मनोकामना कहें। इससे आपको लाभ हो सकता है। साथ ही उत्तम फलों की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही सुख-समृद्धि की प्राप्ति हो सकती है। आप इस दिन घर के मंदिर में पूजा करने के दौरान भोग लग सकते हैं।

ईशान कोण दिशा में जलाएं चौमुखी दीपक

ईशान कोण को हिंदू धर्म और वास्तु शास्त्र में एक बहुत ही पवित्र स्थान माना जाता है। इसे देवताओं का निवास स्थान माना जाता है। इस दिशा में पूजा करने और दीपक जलाने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है और घर में सुख-शांति बनी रहती है। ईशान कोण में दीपक जलाने से घर में धन का आगमन होता है और आर्थिक स्थिति मजबूत होती है।

आर्थिक तंगी से छुटकारा पाने के लिए उपाय

सर्वपितृ अमावस्या एक ऐसा पर्व है जो हमारे पूर्वजों को याद करने और उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन किए गए पूजा-पाठ और दान का फल बहुत जल्दी मिलता है। इतना ही नहीं, इस दिन मां लक्ष्मी के सामने घी का दीपक जलाएं और 108 बार मां लक्ष्मी के मंत्रों का जाप करें। इससे आपको आर्थिक तंगी से छुटकारा मिल सकता है। इसके अलावा सर्व पितृ अमावस्या के दिन तुलसी माला से 21 बार जप करें। इससे आपको सुख-समृद्धि की प्राप्ति हो सकती है।

श्राद्ध करने से उतरता है पूर्वजों का ऋण

पितरों का कर्ज चुकाना एक जीवन में तो संभव ही नहीं, उनके द्वारा संसार त्याग कर चले जाने के बाद भी श्राद्ध करते रहने से उनका ऋण चुकाने की परंपरा है। इसमें जो श्राद्धकर्म संपन्न करता है उसकी पूजा देवता भी करते हैं। पितृ पक्ष के दौरान दिवंगत पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध किया जाता है। मान्यता है कि अगर पितर नाराज हो जाएं तो व्यक्ति का जीवन भी खुशहाल नहीं रहता और उसे कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। यही नहीं घर में अशांति फैलती है और व्यापार व गृहस्थी में भी हानि झेलनी पड़ती है। ऐसे में पितरों को तृप्त करना और उनकी आत्मा की शांति के लिए पितृ पक्ष में श्राद्ध करना जरूरी माना जाता है। श्राद्ध से जो भी कुछ देने का हम संकल्प लेते हैं, वह सब कुछ उन पूर्वजों को अवश्य प्राप्त होता है। जिस तिथि में जिस पूर्वज का स्वर्गवास हुआ हो उसी तिथि को उनका श्राद्ध किया जाता है जिनकी परलोक गमन की तिथि ज्ञान न हो, उन सबका श्राद्ध अमावस्या को किया जाता है। शास्त्रों के अनुसार पितृगणों का श्राद्ध कर्म करने के लिए वर्ष में 96 अवसर मिलते हैं। साल के 12 माह में 12 अमावस्या तिथि को भी श्राद्ध किया जा सकता है। श्राद्ध कर्म करने से तीन पीढ़ियों के पूर्वजों को तर्पण किया जा सकता है। श्राद्ध तीन पीढ़ियों तक होता है। श्राद्ध पुत्र, पोता, भतीजा या भांजा करते हैं। जिनके घर में पुरुष सदस्य नहीं हैं, उनमें महिलाएं भी श्राद्ध कर सकती हैं। पितृ पक्ष में सभी तिथियों का अलग-अलग महत्व है। जिस व्यक्ति की मृत्यु जिस तिथि पर होती है, पितृ पक्ष में उसी तिथि पर श्राद्ध कर्म किए जाते हैं। पूर्णिमा तिथि से पितृ पक्ष आरंभ होता है। प्रतिपदा तिथि पर नाना-नानी के परिवार में किसी की मृत्यु हुई हो और मृत्यु तिथि ज्ञात न हो तो उसका श्राद्ध प्रतिपदा पर किया जाता है। पंचमी तिथि पर अगर किसी अविवाहित व्यक्ति की मृत्यु हुई है तो उसका श्राद्ध इस तिथि पर करना चाहिए। अगर किसी महिला की मृत्यु हो गई है और मृत्यु तिथि ज्ञात नहीं है तो उसका श्राद्ध नवमी तिथि पर किया जाता है। एकादशी पर मृत संन्यासियों का श्राद्ध किया जाता है। जिनकी मृत्यु किसी दुर्घटना में हो गई है, उनका श्राद्ध चतुर्दशी तिथि पर करना चाहिए। सर्वपितृ मोक्ष अमावस्या पर ज्ञात-अज्ञात सभी पितरों के लिए श्राद्ध करना चाहिए। जिनकी अकाल मृत्यु हुई हो, उनका श्राद्ध चतुर्दशी तिथि को किया जाता है। श्रद्धा से किया गया कर्म श्राद्ध कहलाता है। अपने पितरों के लिए श्रद्धा से किए गए मुक्ति कर्म को श्राद्ध कहते हैं। उन्हें तृप्त करने की क्रिया को तर्पण कहा जाता है। तर्पण करना ही पिंडदान करना है। भाद्रपद की पूर्णिमा से अश्विन कृष्ण की अमावस्या तक कुल 16 दिन तक श्राद्ध रहते हैं। इन 16 दिनों के लिए हमारे पितृ सूक्ष्म रूप में हमारे घर में विराजमान होते हैं। श्राद्ध में श्रीमद्भागवत गीता के सातवें अध्याय का माहात्म्य पढ़कर फिर पूरे अध्याय का पाठ करना चाहिए। इस पाठ का फल आत्मा को समर्पित करना चाहिए। श्राद्धकर्म से पितृगण के साथ देवता भी तृप्त होते हैं। श्राद्ध-तर्पण हमारे पूर्वजों के प्रति हमारा सम्मान है। इसी से पितृ ऋण भी चुकता होता है। श्राद्ध के 16 दिनों में अष्टमुखी रुद्राक्ष धारण करें। इन दिनों में घर में 16 या 21 मोर के पंख अवश्य लाकर रखें। शिवलिंग पर जल मिश्रित दुग्ध अर्पित करें। घर में प्रतिदिन खीर बनाएं। भोजन में से सर्वप्रथम गाय, कुत्ते और कौए के लिए ग्रास अलग से निकालें। माना जाता है कि यह सभी जीव यम के काफी निकट हैं। श्राद्ध पक्ष में व्यसनों से दूर रहें।

पवित्र रहकर ही श्राद्ध किया जाता है। श्राद्ध पक्ष में शुभ कार्य भी वर्जित माने गए हैं। श्राद्ध का समय दोपहर में उपयुक्त माना गया है। रात्रि में श्राद्ध नहीं किया जाता। श्राद्ध के भोजन में बेसन का प्रयोग वर्जित है। श्राद्ध कर्म में लोहे या स्टील के पात्रों का प्रयोग नहीं करना चाहिए। पितृदोष जब शांत हो जाता है तो स्वास्थ्य, परिवार और धन से जुड़ी बाधाएं भी दूर हो जाती हैं।

दिन का महत्व

जो पूर्णमासी के दिन श्राद्ध आदि करता है उसकी बुद्धि, पुष्टि, स्मरणशक्ति, धारणाशक्ति, पुत्र-पौत्रादि एवं ऐश्वर्य की वृद्धि होती। वह पर्व का पूर्ण फल भोगता है। प्रतिपदा धन-सम्पत्ति के लिए होती है एवं श्राद्ध करने वाले की प्राप्त वस्तु नष्ट नहीं होती। जो सप्तमी को श्राद्ध आदि करता है उसको महान यज्ञों के पुण्य फल प्राप्त होते हैं। अष्टमी को श्राद्ध करने वाला सम्पूर्ण समृद्धियां प्राप्त करता है। नवमी को श्राद्ध करने से ऐश्वर्य एवं मन के अनुसार अनुकूल चलने वाली स्त्री को प्राप्त करता है। दशमी तिथि का श्रद्धा मनुष्य ब्रह्मत्व की लक्ष्मी प्राप्त कराता है।

ऐसा माना जाता है कि पितृपक्ष के दौरान हमारे पितर धरती पर आकर हमें आशीर्वाद देते हैं। पितृ पक्ष में पितरों का श्राद्ध करना बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। हमारे पितृ पशु पक्षियों के माध्यम से हमारे निकट आते हैं और गाय, कुत्ता, कौवा और चींटी के माध्यम से पितृ आहार ग्रहण करते हैं।

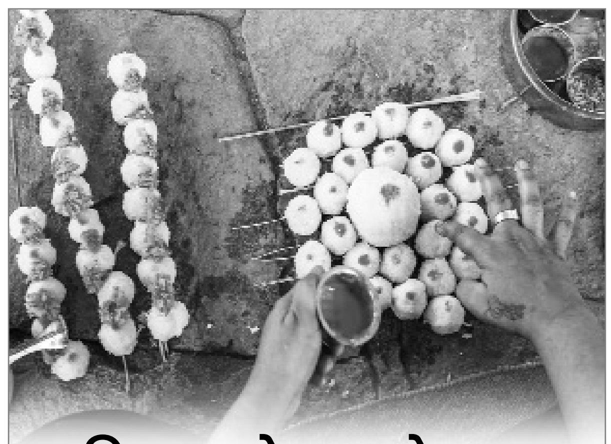

पितृपक्ष में श्राद्ध के समय आखिर चावल से ही क्यों बनाए जाते हैं पिंड?

हिंदू धर्म में पितृपक्ष के दौरान पिंडदान करने की विशेष मान्यता है। ऐसा कहा जाता है कि पिंडदान करने से व्यक्ति को शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही जीवन में चल रही परेशानियां भी दूर हो जाती है। अब ऐसे में पितृपक्ष में चावल से पिंड बनाने का महत्व क्या है। इसके बारे में विस्तार से जानते हैं।

सनातन धर्म में पितृपक्ष में दान-पुण्य करने का विशेष महत्व है। ऐसा कहा जाता है कि अगर विधिवत रूप से पितरों के नाम से पिंडदान किया जाए, तो व्यक्ति को उत्तम परिणाम मिलते हैं। साथ ही सुख-समृद्धि की भी प्राप्ति होती है। पिंडदान करना बेहद सौभाग्यशाली माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि पिंडदान करने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है और उन्हें मोक्ष प्राप्त होता है। अब ऐसे में पिंडदान करने के दौरान हर बातों का ध्यान विशेष रूप से रखा जाता है। जिस तरह कुशा से पितरों का तर्पण किया जाता है। ठीक वैसे ही पिंडदान करने के लिए आटे के पिंड बनाएं जाते हैं और चावल के पिंड पितरों के निमित्त बनाएं जाते हैं। वहीं पितृपक्ष में दान के समय चावल से ही क्यों पिंड बनाने का महत्व है।

हिंदू धर्म में पितृ पक्ष के दौरान पिंडदान का विशेष महत्व होता है। इस दौरान चावल से पिंड बनाकर पितरों को अर्पित किया जाता है। चावल को शुद्धता और पवित्रता का प्रतीक माना जाता है। इसलिए, पितरों को अर्पित करने के लिए चावल का उपयोग किया जाता है।

चावल प्रकृति का एक महत्वपूर्ण अंग है और यह भोजन का आधार है। चावल के पिंड से यह संदेश जाता है कि हम प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करते हैं और पितरों को भी प्रकृति का आशीर्वाद प्रदान करना चाहते हैं। हिंदू धर्म में अन्नदान को पुण्य का काम माना जाता है। चावल का पिंड बनाकर पितरों को अर्पित करना भी एक प्रकार का अन्नदान ही है।

चावल से है चंद्रमा का संबंध

चंद्रमा के माध्यम से पिंड पितरों तक पहुंचता है। इसलिए पिंड बनाने के लिए चावल सबसे उत्तम माना जाता है। चावल को सुख-शांति और मोक्ष का भी कारक माना जाता है। इसलिए पितृपक्ष में दान के समय चावल का इस्तेमाल विशेष रूप से करने की मान्यता है। इतना हीं नहीं, चावल से पिंड बनाकर दान करने से व्यक्ति को कभी भी आर्थिक परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ता है।

पितृपक्ष में नहीं करते हैं पूर्वजों का श्राद्ध तो हो सकते हैं बड़े नुकसान

पितृपक्ष दिवंगत आत्माओं को समर्पित है। साथ ही, उन्हें प्रसन्न करने, क्षमा मांगने और पितृ दोष से छुटकारा पाने के लिए भी ये 15 दिन अहम माना जाता है। पूर्वज सांसारिक यात्रा समाप्त कर मृत्यु के बाद परलोक पहुंचते हैं। शास्त्रों में ऐसा बताया गया है कि, परलोक में लोगों को न तो अन्न मिलता है और न ही उन्हें जल मिलता है। ऐसे में, पुत्र-पौत्रादि जब पितरों का तर्पण या श्राद्धकर्म करते हैं, तो यह सीधी पूर्वजों को लगता है। इससे पितृ संतुष्ट होते हैं और अपने वंश को फलने-फूलने का आशीर्वाद भी देते हैं। वहीं, शास्त्रों में यह भी बताया गया है कि अगर पितृपक्ष के दौरान पितरों का श्राद्ध न हो, तो वे दुखी हो जाते हैं और श्राप देकर वापस अपने लोक लौट जाते हैं। ऐसे में, जातकों को कई सारी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

शांति और सुख का अभाव

पितृपक्ष में पितरों को अपने वंशों से आशा रहती है कि वे उनका श्राद्ध, तर्पण या पिंडदान करेंगे और इसी आशा के साथ आश्विन मास में पितृपक्ष के दौरान पूर्वज धरती पर आते हैं। ऐसे में, अगर उनके वंशज श्राद्ध न करें तो पितर प्रसन्न नहीं होते हैं और व्यक्ति के जीवन में शांति और सुख का अभाव रहता है। जीवनभर परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

हो सकते हैं परेशान

पितृपक्ष के दौरान श्राद्ध-तर्पण न करने से पितृ अतृप्त रहते हैं और वे अपने वंशों को आशीर्वाद देने के बजाय कष्ट पहुंचाते हैं। ऐसे में, आपको पितृदोष लगता है। मार्कण्डेय पुराण के अनुसार, जिस कुल में श्राद्ध कर्म नहीं होता है। वहां दीर्घायु या निरोगी संतानों का जन्म नहीं होता है। साथ ही, ऐसे परिवार में खुशिया कम ही आती हैं। पितृ दोष के कारण व्यक्ति को आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। व्यापार में नुकसान, धन हानि और गरीबी जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

संतान पर पड़ता है बुरा असर

पितृपक्ष में श्राद्ध कर्म न करने से वंशजों के जीवन में बेहद बुरा प्रभाव पड़ता है। यह न केवल आपके जीवन को बल्कि आपके संतान को भी मुसिबत में डाल देता है। यही नहीं, आने वाली पीढ़ियां भी इससे प्रभावित होती हैं। इसका बुरा फल उन्हें भी झेलना पड़ता है। इसका परिणाम वंशजों को जीवनभर और हर पीढ़ी को झेलना पड़ जाता है।

मृत्यु के बाद आखिर क्यों किया जाता है पिंडदान, जानें इसका महत्व

हिंदू मान्यता के अनुसार पितृ पक्ष में मृत पूर्वजों के लिए पिंडदान करने का विधान है। ऐसा माना जाता है कि यह एक दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि देने का अनुष्ठान है। ऐसा माना जाता है कि पिंडदान के बिना मृत आत्मा को मुक्ति नहीं मिलती है और वो इधर उधर भटकती रहती है। गया और अन्य स्थानों में पिंडदान बहुत ज्यादा महत्वपूर्ण माना जाता है और ये मुख्य रूप से उस व्यक्ति की संतान या किसी निकट के रिश्तेदार द्वारा ही किया जाता है। पितृ पक्ष वो समय होता है जब मृत पूर्वज धरती पर आते हैं और अपने वंशजों से प्रसन्न होने पर उन्हें सफल और समृद्ध जीवन का आशीर्वाद देते हैं। गरुड़ पुराण के अनुसार यदि मृत व्यक्ति का पिंडदान नहीं किया जाता है तो ये घर के अन्य सदस्यों के लिए भी नुकसानदेह हो सकता है।

क्या होता है पितृ पक्ष

अश्विन के हिंदू महीने के दौरान एक पखवाड़ा मृत पूर्वजों को समर्पित होता है और इस अवधि को पितृ पक्ष कहा जाता है। यह चरण, जो 16 दिनों तक चलता है इसमें कोई भी शुभ कार्य जैसे शादी, विवाह, सगाई, मुंडन, गृह प्रवेश जैसे किसी भी अनुष्ठान की मनाही होती है। पितृ पक्ष का समापन सर्वपितृ अमावस्या के साथ होता है जो मां दुर्गा को समर्पित शारदीय नवरात्रि की शुरुआत का प्रतीक मानी जाती है। पितृ पक्ष से जुड़ी कई मान्यताओं में तर्पण और पिंडदान भी शामिल हैं जो पितरों की शांति के लिए अच्छे माने जाते हैं।

पिंडदान क्या होता है

पिंडदान किसी परिवार के सदस्य की मृत्यु के बाद हिंदुओं द्वारा किया जाने वाला एक पवित्र अनुष्ठान है। गरुड़ पुराण के अनुसार स्वर्ग लोक में जाने वाली आत्मा की शांति के लिए यह अनुष्ठान अनिवार्य है। यह मृतकों के लिए सांसारिक आसक्तियों से राहत प्रदान करने और अंतिम मोक्ष पाने के लिए किया जाता है। पिंडदान मृत पूर्वजों के लिए एक प्रसाद स्वरूप होता है। इसे मुख्य रूप से पके हुए चावल को काले तिल के साथ मिलाकर बनाया जाता है। इस मिश्रण के छोटे-छोटे पिंड या गोले बनाकर पूर्वजों के नाम से चढ़ाया जाता है जिससे पितरों को शांति और मोक्ष मिल सके।

पितृ दोष निवारण

यह अनुष्ठान उन लोगों के लिए होता है जिनके घर में पितृ दोष होता है। इस पूजा में तर्पण कर्म, ब्राह्मणों को भोजन और वस्त्र और पितृ आराधना बड़ी ही विधि विधान के साथ की जाती है।

काल सर्प योग पूजा

इस तरह का पिंडदान उन लोगों द्वारा किया जाता है जिनकी कुंडली में कालसर्प दोष होता है और जो आर्थिक नुकसान से पीड़ित होते हैं और अपने परिवार में सुख समृद्धि बनाए रखने में असफल होते हैं।

त्रिपिंडी श्राद्ध और पिंडदान

यह अनुष्ठान उन प्रियजनों के उद्धार के लिए किया जाता है जिनकी अप्राकृतिक परिस्थितियों में मृत्यु हो गई है और उनकी आत्मा किसी वजह से अतृप्त है।

पिंडदान का महत्व

पिंड दान एक अत्यंत महत्वपूर्ण अनुष्ठान है जो कई पापों से मुक्ति के साथ पितरों की तृप्ति के लिए किया जाता है। यह अनुष्ठान दिवंगत आत्मा को पुनर्जन्म और मृत्यु के चक्र से मुक्त करता है। पिंडदान आत्मा को सांसारिक भौतिकवादी बंधनों से अलग करने के लिए भी आवश्यक माना जाता है जिससे विकास की यात्रा में आगे बढ़ा का सके। ऐसी मान्यता है कि यदि पिंडदान नहीं किया जाता है तो पितरों की आत्मा दुखी और असंतुष्ट रहती है। पुराणों के अनुसार पिंड दान दिवंगत आत्मा को ज्ञान दिखाने में मदद करता है और उन्हें मोक्ष की ओर ले जाता है। यह संस्कार परिवार के सुख, समृद्धि के लिए बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है।

पिंडदान कौन कर सकता है

शास्त्रों की मानें तो मृत व्यक्ति को स्वर्ग का मार्ग उसका पुत्र ही दिला सकता है। इसलिए मान्यता है कि पुत्र को ही श्राद्ध और पिंडदान का पहला हक है। पुत्र न होने पर परिवार के अन्य किसी रिश्तेदार या पंडित के द्वारा ही पिंडदान हो सकता है। वैसे धर्म की मानें तो पिता का श्राद्ध बेटे के द्वारा ही होना चाहिए। बेटा न होने पर पिंडदान का हक़ पत्नी को भी दिया गया है और पत्नी की अनुपस्थिति में भाई या कोई करीबी यह अनुष्ठान कर सकता है। यदि मृत व्यक्ति के एक से अधिक पुत्र हैं तो पिंडदान सबसे बड़े पुत्र को ही करना चाहिए। यदि दिवंगत का बेटा भी नहीं है तो उसका पिंडदान और श्राद्ध पोते के द्वारा भी किया जा सकता है।

भारत-पाकिस्तान क्रिकेट को तूल न दे....

सरकार अपना काम कर रही है: कपिल

चंडीगढ़, एजेंसी। एशिया कप 2025 में 14 सितंबर के दिन भारत और पाकिस्तान की भिड़ंत होने वाली है। इस मैच से पहले कुछ भारतीय फैंस काफी गुस्से में हैं और इस मैच का बॉयकॉट करने की मांग कर रहे हैं। वहीं, पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव ने लोगों से भारत-पाकिस्तान मैच को बड़ा मुद्दा न बनाने का आग्रह किया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने पहले ही साफ कर दिया है कि केंद्र सरकार की नीति के अनुसार, पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय सीरीज नहीं होगी लेकिन बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भागीदारी की अनुमति है।

भारत इस साल के एशिया कप का आधिकारिक मेजबान है और दोनों देशों के बीच चल रहे तनाव के कारण, दोनों टीमें एक-दूसरे के देशों में खेलने से परहेज कर रही हैं। वहीं, कपिल ने फैंस से आग्रह किया है कि वो मैच को बिना किसी सवाल के, योजना के अनुसार होने दें, क्योंकि ये मामला बीसीसीआई या पीसीबी के हाथ में नहीं, बल्कि संबंधित देशों की सरकारों के हाथ में है। देव ने पत्रकारों से कहा, ये एक अच्छी टीम है। शुभकामनाएं। उन्होंने मैच आसानी से जीत लिया। हमें उम्मीद है कि टीम ट्रॉफी लेकर लौटेगी। भारतीय टीम को मेरा संदेश है कि बस आगे बढ़ो और जीतो। जिनका काम खेलना है, उन्हें सिर्फ़ खेलने पर ध्यान देना चाहिए। कुछ और कहने की ज़रूरत नहीं है। इसे बड़ा मुद्दा मत बनाओ। सरकार अपना काम करेगी और खिलाड़ियों को अपना काम करना चाहिएकपिल देव, चंडीगढ़ प्रीमियर लीग के लीग चरण के समापन के बाद प्रेजेंटेशन में शामिल होने चंडीगढ़ आए थे। उन्होंने टूर्नामेंट के आयोजन में केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ एसोसिएशन के प्रयासों की सराहना की।यूटीसीए के अध्यक्ष संजय टंडन भी देव के साथ मौजूद थे। पूर्व कप्तान ने टंडन के साथ पंजाब राजभवन में केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया से भी मुलाकात की।

भारत बनाम पाकिस्तानः वे हमें नहीं हरा सकते...

मैच को सियासत से दूर रखें : योगराज

चंडीगढ़, एजेंसी। एशिया कप 2025 में भारतीय टीम 14 सितंबर को पाकिस्तान से भिड़ेगी। पूर्व क्रिकेटर योगराज सिंह ने कहा है कि भारत-पाकिस्तान मैच को सियासत से दूर रखना चाहिए। पाकिस्तान टीम हमें नहीं हरा सकती है। बात करते हुए योगराज सिंह ने कहा, भारत-पाकिस्तान मैच को मैच की तरह ही लिया जाना चाहिए। इसे लेकर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। खिलाड़ियों को सियासत में नहीं खींचना चाहिए। इससे ज्यादा मैच पर चर्चा करने की जरूरत नहीं है। इंग्लैंड में युवराज सिंह की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से इनकार कर दिया था। इसका क्या फायदा हुआ। हम खेलते तो जीत कर आते। उस समय नहीं खेले तो फिर अब क्यों खेल रहे हैं। जब भी मौका मिले भारत और पाकिस्तान के बीच मैच होना चाहिए। आज की तारीख में पाकिस्तान टीम ऐसी नहीं है कि भारत को हरा सके।

उन्होंने कहा, भारतीय टीम बहुत अच्छी और मजबूत है। मुझे नहीं लगता है कि इस वक्त कोई भी टीम हमें हरा सकती है। हमारी टीम में कई ऐसे खिलाड़ी हैं, जो आईपीएल में अपनी टीम का नेतृत्व कर रहे हैं। हमलोग देश के गौरव के लिए खेल रहे हैं। भारत की मौजूदा टीम में जो खिलाडी हैं, या आने वाले समय के जो खिलाड़ी हैं, वो बहुत बड़े खिलाड़ी होंगे। इसमें आईपीएल का बहुत बड़ा योगदान है। जबतक आईपीएल है, भारतीय क्रिकेट को कोई पछाड़ नहीं सकता। अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे। इस हमले में पाकिस्तान समर्थित आतंकियों का हाथ था। भारत ने इसके जवाब में ऑपरेशन सिंदुर चलाकर पीओके स्थित आतंकी ठिकाने नष्ट किए थे।

बेचारे जबसे पैदा हुए हैं साबित कर रहे हैं हम हिंदुस्तानी हैं, अफरीदी ने भारत-पाकिस्तान मैच से पहले उगला जहर

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 में 14 सितंबर को भारत-पाकिस्तान के बीच हाई-वोल्टेज मैच होना है। भारत में पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर इस मुकाबले को बहिष्कार करने की मांग हो रही है। हालांकि, भारत सरकार से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को इस मुकाबले को खेलने के लिए हरी झंडी मिल गई है। इस बीच पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने भारतीय खिलाड़ियों के खिलाफ जहर उगला है। अफरीदी का बयान हैरानी भरा नहीं है। वह पहले भी भारत और भारतीय खिलाड़ियों के खिलाफ जहर उगलते रहे हैं।

पाकिस्तानी मीडिया समा टीवी का एक वीडियो वायरल है, जिसमें शाहिद अफरीदी अनर्गल बात करते हुए यह कहते हैं कि भारत में खिलाड़ियों को घर जलाने की धमकी मिलती है। कुछ खिलाड़ी जन्म से खुद को हिंदुस्तानी साबित करने में लगे हैं। अफरीदी ने कहा, वहां पे बहुत ज्यादा है। घरों तक पहुंच जाते हैं। घर जलाने की धमकियां देते हैं उन खिलाड़ियों को। कुछ ऐसे हैं जो वहां साबित कर रहे हैं कि हम हिंदुस्तानी हैं। बेचारे जबसे पैदा हुए हैं साबित कर रहे हैं हम हिंदुस्तानी हैं। और एशिया कप में जाके कमेंट्री भी कर रहे हैं।

पंजाब में फुटबॉल क्रांतिः

पंजाब फुटबॉल क्लब ने खोले 12 नए केंद्र, रचा सबसे बड़ा ग्रासरूट्स नेटवर्क

मोहाली, एजेंसी। पंजाब, जो कभी हॉकी और कबड्डी के लिए जाना जाता था, अब फुटबॉल की नई धड़कन बन गया है। राउंडग्लास स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के हिस्सा पंजाब फुटबॉल क्लब ने ऐतिहासिक कदम उठाते हुए राज्य में 12 नए डेवलपमेंट सेंटर्स शुरू किए हैं। इस विस्तार के साथ, क्लब के पास अब कुल 26 केंद्र हो गए हैं, जिससे यह भारत का सबसे बड़ा फुटबॉल ग्रासरूट्स नेटवर्क बन गया है। यह पहल टैलेंट हर जगह है, अवसर नहीं की विचारधारा पर आधारित है और इसका उद्देश्य पंजाब में फुटबॉल को एक संस्कृति बनाना है।इन नए केंद्रों को जालंधर, होशियारपुर, लुधियाना, मुक्तसर साहिब, पठानकोट, बरनाला और रूपनगर जैसे जिलों में शुरू किया गया है। हर सेंटर में अंडर-8 से लेकर अंडर-19 आयु वर्ग के सैकड़ों युवा खिलाड़ियों को प्रोफेशनल कोचिंग, न्यूट्रिशन गाइडेंस और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का स्पष्ट रास्ता मिलेगा। बाबू अमर सिंह स्पोर्ट्स एंड यूथ क्लब, साहौली (लुधियाना) और बजवाड़ा (होशियारपुर) जैसे केंद्रों में लड़कियों की भागीदारी पर विशेष जोर दिया जा रहा है, जो खेल में समान अवसर देने की पंजाब एफसी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। पंजाब एफसी का यह मॉडल अब रंग ला रहा है। कुछ ही सालों में, कई अकादमी ग्रेजुएट्स भारत की अंडर-16, अंडर-17, अंडर-19 और सीनियर टीमों का हिस्सा बन चुके हैं। यह स्ट्रक्चर्ड पाथवे यह सुनिश्चित करता है कि आज अंडर-8 में ट्रेनिंग शुरू करने वाला बच्चा सीधे इंडियन सुपर लीग (आइएसएल) तक का सफर तय कर सके। यह विस्तार सिर्फ संख्या का नहीं, बल्कि क्वालिटी कोचिंग और युवाओं के लिए एक मजबूत भविष्य का वादा है। पंजाब एफसी अब सिर्फ एक क्लब नहीं, बल्कि एक आंदोलन बन चुका है, जो राज्य के फुटबॉल इकोसिस्टम को नई दिशा दे रहा है और अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों को प्रेरित कर रहा है।

नेपाल से छीन लिया गया टी20 वर्ल्ड कप होस्ट करने का मौका, प्रदर्शनों के कारण बदला वेन्यू

नई दिल्ली, एजेंसी। पहली बार आयोजित होने जा रहे महिला ब्लाइंड टी20 वर्ल्ड कप 2025 से पहले बड़ा बदलाव कर दिया गया है. नेपाल की राजधानी काठमांडू, जिसे टूर्नामेंट का न्यूट्रल वेन्यू चुना गया था, अब हटा दिया गया है. इसकी वजह बनी नेपाल में चल रही राजनीतिक अस्थिरता और हालिया हिंसक प्रदर्शन. यह ऐतिहासिक टूर्नामेंट 11 से 25 नवंबर तक भारत में खेला जाएगा, जिसमें सात देशों की टीमें हिस्सा लेंगी - ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत, नेपाल, पाकिस्तान, श्रीलंका और अमेरिका. इस टूर्नामेंट में कुल 21 लीग मैच, दो सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबलें खेले जाएंगे. पहले बनाई गई योजना के तहत यह टूर्नामेंट नई दिल्ली और बेंगलुरु में आयोजित होना था, लेकिन भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक तनाव को देखते हुए, पाकिस्तान के मैचों के लिए काठमांडू को न्यूट्रल वेन्यू बनाया गया था ताकि पाकिस्तान भी इस टूर्नामेंट में भाग ले सके.अब हालात बिगड़ने के कारण भारतीय दृष्टिबाधित क्रिकेट संघ ने घोषणा की कि नेपाल में चल रहे हिंसक प्रदर्शन के चलते वहां मैच आयोजित करना सुरक्षित नहीं है. ऐसे में पाकिस्तान के मुकाबलों के लिए नया दूसरा न्यूट्रल वेन्यू जल्द तय किया जाएगा.भारत इस टूर्नामेंट में मेजबान होने के साथ-साथ मजबूत दावेदार भी है. पिछले साल 2023 में हुए आईबीएसस वर्ल्ड गेम्स में भारतीय महिला ब्लाइंड टीम ने गोल्ड मेडल जीता था. उस समय ब्लाइंड क्रिकेट का डेब्यू भी हुआ था. टूर्नामेंट के फाइनल में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को शिकस्त दी थी. भारतीय टीम में देश भर से 56 खिलाड़ियों की खोज के बाद 16 सदस्यीय स्क्वाड चुना गया है. कर्नाटक की दीपिका टीसी को कप्तान और महाराष्ट्र की गंगा एस कदम को उपकप्तान बनाया गया है.

2025 विमेंस हॉकी एशिया कप में भारत की पहली हार

हांगझोउ, एजेंसी। 2025 विमेंस हॉकी एशिया कप में भारत को पहली हार मिली है। गुरुवार को मेजबान चीन ने सुपर-4 स्टेज के मुकाबले में भारत को 4-1 से हरा दिया। इस हार के साथ भारतीय टीम पॉइंट्स टेबल के दूसरे पायदान पर खिसक गई। वहीं चीन पहले स्थान पर आ गई। विमेंस हॉकी एशिया कप चीन के हांगझोउ शहर में खेला जा रहा है। भारत की ओर से इकलौता गोल मुमताज खान ने किया। चीन से जो मिरोंग ने दो गोल दागे। वहीं चेन यंग और तान जिनझुआंग ने एक-एक गोल किया। भारत का अगला मैच जापान के खिलाफ शनिवार दोपहर 2ः15 बजे से खेला जाएगा। अगर भारत को टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचना है तो टीम को हर हाल में यह मैच जीतना ही होगा।

पहले क्वार्टर में चीन ने बढ़त ली पहले क्वार्टर के तीसरे ही मिनट में चीन ने मुकाबले में बढ़त ले ली। टीम से जो मिरोंग ने गोल किया।

पाकिस्तान के 5 स्पिनर्स भारत के लिए खतरा कोच माइक हेसन की वॉर्निंग

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट में भारत-पाकिस्तान का मुकाबला हमेशा से सबसे बड़ी टक्कर माना जाता है. दोनों देशों के बीच 14 स?तंबर को एशिया कप में यह बहुप्रतीक्षित मुकाबला होना है. ऐसे में दोनों देशों के स्पिनर्स में कौन बेहतर है, भारत से टक्कर लेने को पाकिस्तानी टीम कितनी तैयार है? इस पर पाकिस्तानी टीम के हेड कोच माइक हेसन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान माइंड गेम खेला.

दरअसल, हेसन ओमान संग शुक्रवार (12 सितंबर) को होने वाले मुकाबले से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया को संबोधित कर रहे थे. वहीं उन्होंने इस दौरान भारत संग मुकाबले पर भी बात की.

हेसन ने कहा- हम जानते हैं कि भारत ने जिस तरह का प्रदर्शन किया है, उसके चलते उन्हें पूरा आत्मविश्वास है और यह स्वाभाविक भी है. हम टीम के रूप में हर दिन खुद को बेहतर बनाने पर ध्यान दे रहे हैं. हम आगे को लेकर चिंता नहीं कर रहे हैं, लेकिन चुनौती की गंभीरता को अच्छी तरह समझते हैं. हम इस मुकाबले का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.

इस दौरान पाकिस्तानी कोच हेसन ने अपनी गेंदबाजी लाइनअप पर पूरा भरोसा जताया. उन्होंने स्पिन ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज की तारीफ की. हेसन ने बताया कि नवाज का पाकिस्तान टीम में वापसी करना बेहद महत्वपूर्ण रहा है. पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप स्क्वॉड में जगह नहीं बना पाने के बावजूद, नवाज ने शानदार प्रदर्शन किया है. उन्होंने हाल ही में

इंडिया-पाकिस्तान एशिया कप 2025

यूएई में हुए ट्राई-सीरीज फाइनल में अफगानिस्तान के खिलाफ हैट्रिक ली और पांच विकेट भी चटकाए. हेसन ने कहा कि नवाज इस समय शानदार फॉर्म में हैं और उनकी भूमिका टीम के लिए अहम साबित होगी.

हेसन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा- हमारी ताकत यह है कि हमारे पास पांच स्पिनर हैं. मोहम्मद नवाज इस समय दुनिया के बेहतरीन स्पिन गेंदबाज हैं. इसके अलावा हमारे पास अबरार अहमद और सुफियान मुकीम भी हैं, जो शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं. सैम अयूब अब दुनिया के टॉप टेन ऑलराउंडर्स में शामिल हैं, जो उनके गेंदबाजी प्रदर्शन में सुधार का नतीजा है. सलमान अली आगा ने ज्यादा गेंदबाजी नहीं की है, लेकिन वह पाकिस्तान के टेस्ट टीम के प्रमुख स्पिनर हैं.

सेंट्रल जोन का स्कोर 200 रन पार: कप्तान रजत पाटीदार शतक लगाकर आउट, साउथ जोन 149 रन पर ऑलआउट

नई दिल्ली, एजेंसी। दलीप ट्रॉफी 2025 का फाइनल मुकाबला सेंट्रल जोन और साउथ जोन के बीच बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड पर खेला जा रहा है। आज यानी शुक्रवार को मुकाबले का दूसरा दिन है। सेंट्रल जोन ने आज अपनी पहली पारी को 50/0 के स्कोर से आगे बढ़ाया।खबर लिखे जाने तक टीम ने 5 विकेट के नुकसान पर 276 रन बना लिए हैं। कप्तान रजत पाटीदार शतक (101 रन) लगाकर आउट हुए। ओपनर अक्षय वाडकर 22, दानिश मालेवार 53 और शुभम शर्मा 6 रन बनाकर आउट हुए। इससे पहले, गुरुवार को साउथ जोन पहली पारी में 149 रन पर ऑलआउट हो गई। सेंट्रल जोन ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी थी। सारांश जैन को 5 विकेट साउथ जोन पहली पारी में 149 रन पर ही सिमट गई। टीम के लिए कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। टीम के लिए तन्मय अग्रवाल ने सबसे ज्यादा 31 रन बनाए। उनके अलावा सलमान निजार 24, अंकित शर्मा 20, रिकी भुई 15 और एमडी निधेश 12 रन बनाए। सेंट्रल जोन की ओर से सारांश जैन ने 5 और कुमार कार्तिकेय ने 4 विकेट झटके।

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप

50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में मेहुली-मानिनी का खराब प्रदर्शन, पदकों का खाता अब तक नहीं खुला

निंगबो (चीन), एजेंसी। भारत अब तक पदक तालिका में अपना खाता नहीं खोल पाया है। चीन दो स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य पदक के साथ शीर्ष पर है। विश्व चैम्पियनशिप की कांस्य पदक विजेता भारतीय निशानेबाज मेहुली घोष और मानिनी कौशी ने आईएसएसएफ विश्व कप में शुक्रवार को यहां महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में निराशाजनक प्रदर्शन किया। भारत अब तक पदक तालिका में अपना खाता नहीं खोल पाया है। चीन दो स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य पदक के साथ शीर्ष पर है। नॉर्वे दो स्वर्ण पदक के साथ दूसरे जबकि दक्षिण कोरिया एक स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक के साथ तीसरे स्थान पर है।

भारत को 2047 तक शीर्ष पांच खेल देशों में लाने के लिए योजना तैयार, बोले खेल मंत्री मांडविया

नई दिल्ली, एजेंसी।मांडविया ने कहा, भारत की आजादी के सौ साल पूरे होने पर देश को विकसित राष्ट्र बनाने और शीर्ष पांच खेल देशों में शामिल करने का लक्ष्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने दिया है। इसके लिए योजना तैयार कर ली गई है।

देश में खेल संस्कृति के विकास की प्रक्रिया को सिलसिलेवार और सतत बनाने पर जोर देते हुए खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को कहा कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र के साथ शीर्ष पांच खेल महाशक्तियों में शामिल करने के लिए 10 वर्षीय और 25 वर्षीय योजना बनाई गई है जिस पर जल्दी ही अमल होगा। मांडविया ने कहा, भारत की आजादी के सौ साल पूरे होने पर देश को विकसित राष्ट्र बनाने और शीर्ष पांच खेल देशों में शामिल करने का लक्ष्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने दिया है। इसके लिए योजना तैयार कर ली गई है जो जल्दी ही देश के सामने आएगी। इसे लागू करने के लिए नीतिगत बदलाव करने होंगे और हम इस पर जल्दी ही अमल करेंगे।

स्पोटर्सस्टार प्लेकॉमः बिजनेस आफ स्पोटर्स समिट 2025' में खेलमंत्री ने कहा, हमें ऐसी कार्य संस्कृति तैयार करनी होगी जिसमें प्रतिभा को तलाशने और तराशने का काम व्यवस्थित तरीके से हो । इसके साथ ही दुनिया भर के देश भारत में लीग खेलने आएं। हमें खेल कोटे से नौकरी कर रहे अपने पूर्व खिलाड़ियों के कौशल का भी पूरा इस्तेमाल करना होगा।

खेलमंत्री ने कहा कि देश में खेलों का इकोसिस्टम तैयार करने और खेलों को जीवनशैली

का हिस्सा बनाने के लिए क्रमबद्ध तरीके से काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा, इसके लिए मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद पहले चरण में फिट इंडिया और खेलो इंडिया जैसी मुहिम शुरू की गई। खिलाड़ियों को तमाम सुविधाएं, अनुभव और आधुनिक कोचिंग देने के लिए टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) शुरू हुई। इसके बाद विजन दस्तावेज की जरूरत पड़ी तो हम खेल नीति लेकर आए।

उन्होंने कहा कि खेलों में अच्छे प्रशासन के लिए सरकार खिलाड़ियों को केंद्र में रखकर खेल प्रशासन विधेयक लेकर आई जिससे खेल महासंघ अदालती विवादों में मसरूफ रहने की बजाय खिलाड़ियों पर फोकस रख सकें। उन्होंने कहा, पहले खेल महासंघों के 350 से ज्यादा विवाद अदालतों में थे। इस बिल में उनके निपटान की त्वरित व्यवस्था का प्रावधान भी है। खिलाड़ियों के हितों की रक्षा और महिलाओं का खेल महासंघों में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रावधान हैं। मांडविया ने कहा कि भारत में दूर दराज के इलाकों की प्रतिभाओं को मौके देने के लिए मजबूत इकोसिस्टम तैयार करना जरूरी है ।

उन्होंने कहा, हमने दुनिया भर में कैसे काम हो रहा है, वह देखा लेकिन अपना मॉडल बनाया। भारत की भौगोलिक विविधता का फायदा उठाते हुए खेलों का विकास सुनिश्चित करना है। आने वाले समय में हम खेल सेक्टर में आने वाले बदलावों को महसूस कर सकते हैं। हमारा लक्ष्य हर पोडियम पर भारत का परचम लहराना होना चाहिए।

न्यूज डायरी

एमएसएमई क्षेत्र को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया पवितर सिंह (पीसीएस) ने

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। चैंबर ऑफ चंडीगढ़ इंडस्ट्रीज़ (सीसीआई) ने उद्योग विभाग, चण्डीगढ़ (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के अंतर्गत) के सहयोग से रेज़िंग एंड एक्सेलरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस (रैम्प) विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया। इस सेमिनार का उद्देश्य एमएसएमई क्षेत्र को जागरूकता और प्रमुख सरकारी योजनाओं व सहयोग तंत्रों तक पहुँच प्रदान कर सशक्त बनाना था।

मुख्य अतिथि पवितर सिंह (पीसीएस), निदेशक, उद्योग विभाग, चंडीगढ़ ने एमएसएमई क्षेत्र को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया और उद्यमियों को विकास और नवाचार के लिए उपलब्ध योजनाओं का लाभ उठाने हेतु प्रोत्साहित किया। उद्योग विभाग ने एमएसएमई मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं और पहलों पर विस्तार से जानकारी साझा की तथा इन अवसरों में भागीदारी और उपयोग को बढ़ावा दिया।

सीसीआई के अध्यक्ष सुरिंदर गुप्ता, उपाध्यक्ष नवीन मंग्लानी और महासचिव अरुण गोयल ने क्षेत्र में एमएसएमई पारिस्थितिकी तंत्र के सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अवसर पर उद्योग विशेषज्ञों ने अपने-अपने क्षेत्रों में प्रेजेंटेशन दिए जिनमें सिडबी (भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक) से वरुण सिंगवाल, एनपीसी (राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद) से अशोक कुमार, जेम (सरकारी ई-मार्केटप्लेस) से साहिल शर्मा व अर्न्स्ट एंड यंग (ईवाई) से श्रीदास एवं सुश्री सान्या सिंह शामिल थे। इन प्रस्तुतियों में एमएसएमई के लिए वित्तीय सहायता, उत्पादकता वृद्धि, डिजिटल प्रोक्योरमेंट और परामर्श सहयोग पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया।

सेमिनार में 110 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें उद्यमी, उद्योग विशेषज्ञ और एमएसएमई पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़े हितधारक शामिल थे।

कार्यक्रम का समापन एक इंटरैक्टिव सत्र और धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, जिसने एमएसएमई क्षेत्र में जागरूकता बढ़ाने और प्रदर्शन को तेज़ करने की दिशा में एक सफल कदम को चिह्नित किया।

सीजीईआरडब्ल्यूए, सेक्टर 7 की नई कार्यकारिणी का गठन 14 सितंबर को

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। सेंट्रल गवर्नमेंट एम्प्लाइज रेसिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन (सीजीईआरडब्ल्यूए), सेक्टर 7 (ए, बी व सी) की एक सामान्य निकाय बैठक 14 सितंबर दिन रविवार को शाम 4 बजे सीपीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में आयोजित की जाएगी।

इस बैठक का मुख्य उद्देश्य एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी का गठन करना है। सचिव मनोज कुमार ने सामान्य पूल के सभी निवासियों से निर्धारित समय पर बैठक में भाग लेकर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की है।

उन्होंने बताया कि बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों को कार्यकारिणी कि गठन प्रक्रिया में भाग लेने का अवसर प्रदान किया जाएगा। एसोसिएशन की पारदर्शिता एवं समुचित संचालन हेतु यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

राजकीय महाविद्यालय, सैक्टर-1 में नशे से होने वाले दुष्प्रभावों व आत्महत्या रोकथाम के प्रति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। मेहर फाउंडेशन, सैक्टर-12ए, पंचकूला द्वारा राजकीय महाविद्यालय, सैक्टर-1, पंचकूला में मनोविज्ञान एवं समाजशास्त्र विषय में पढ रहे स्नातकोत्तर के छात्रों को नशे से होने वाले दुष्प्रभावों व आत्महत्या रोकथाम के प्रति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

श्री निपुण पब्बी व श्री सिद्धान्त टुटेजा के माध्यम से नशा छोड़ चुके लोगों द्वारा छात्रों को बताया गया कि युवा वर्ग में बढ़ता तनाव, अकेलापन और मानसिक दबाव आत्महत्या जैसे गंभीर कदम उठाने के लिए जिम्मेदार हो सकता है। उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध निःशुल्क काउंसलिंग व नशा मुक्ति केन्द्रों व सुविधाओं के बारे में अवगत करवाया।

श्री कुलदीप रंगा, सह-प्राध्यापक, राजकीय महाविद्यालय, सैक्टर-1, पंचकूला ने छात्रों को तनाव प्रबंधन, सकारात्मक सोच और बातचीत की ताकत पर उपयोगी जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में सभी छात्रों ने संकल्प लिया कि वे नशे जैसी बीमारियों से दूर रहेंगे तथा अपने दोस्तों व सहपाठियों को कभी भी अकेला महसूस नहीं होने देंगे और जरूरत पडने पर उनकी मदद करेंगे।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गांव भरैली में ''अस्पृश्यता उन्मूलन'' विषय पर वाद-विवाद संगोष्ठी योजना के अंर्तगत एक वाद-विवाद प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। जिला कल्याण अधिकारी, पंचकूला द्वारा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गांव भरैली, ब्लॉक बरवाला, जिला पंचकूला में ''अस्पृश्यता उन्मूलन'' विषय पर वाद-विवाद संगोष्ठी योजना के अंर्तगत एक वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

यह योजना सामाजिक न्याय और अधिकारिता अनुसूचित जातियां एवं पिछड़े वर्ग कल्याण व अन्तोदय (एस0ई0डब्लयू0ए), विभाग हरियाणा द्वारा चलाई जा रही है योजना का उद्देश्य विद्यार्थियों तथा समाज में समानता, भाईचारा, राष्ट्रीय एकता की भावना को प्रोत्साहित करना तथा अस्पृश्यता और अन्य सामाजिक कुरीतियों का उन्मूलन करना है।

इस अवसर पर विद्यालय स्तर पर भाषण एवंम निबंध लेखन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियो ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। भाषण प्रतियोगिता प्रीति ने प्रथम स्थान, भारती द्वितीय और परमिंदर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। निबंध लेखन प्रतियोगिता में खुशी प्रथम, प्रीति द्वितीय और श्रुति तृतीय स्थान पर रही। कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों को समाज में समानता, भाईचारे और अस्पृश्यता जैसी कुरीतियों को दूर करने का संदेश दिया गया है। इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य एंव अध्यापकगण उपस्थित रहें और विजेताओं को सम्मानित किया गया।

उपायुक्त ने अनुसूचित जाति/जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989 के तहत जिला में दर्ज 12 मामलों की करी समीक्षा

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने जिला सचिवालय के सभागार में आज जिला स्तरीय सर्तकता एवं निगरानी कमेटी की आयोजित बैठक की अध्यक्षता की तथा अनुसूचित जाति/जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989 के तहत संबंधित विभागों के अधिकारियों को पीड़ित को समय पर मदद कर न्याय दिलाने के निर्देश दिये। उपायुक्त ने निर्देश दिये कि सभी मामलों की माननीय न्यायलय में प्राथमिकता के आधार पर पैरवी की जाये ताकि पीडितों को जल्द से जल्द न्याय मिले सके। उपायुक्त ने अनुसूचित जाति/जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989, संशोधित 2016 के तहत दर्ज कुल 12 मामलों की एक एक करके समीक्षा की।

आईआईटी रोपड़ स्टार्टअप्स को दे रहा है नई उड़ान: '100 स्टार्टअप्स 100 डेज़' पहल के तहत स्प्रिंट नॉर्थ एडिशन का उद्घाटन आईआईएलएम विश्वविद्यालय, गुरुग्राम में

हिन्द जनपथ
रोपड़ (ब्यूरो)। आज भारत की स्टार्टअप यात्रा में एक नया अध्याय जुड़ा, जब आईआईटी रोपड़ की '100 स्टार्टअप्स 100 डेज़' पहल के तहत स्प्रिंट नॉर्थ एडिशन का उद्घाटन हुआ। यह कार्यक्रम आईआईटी रोपड़ टीआईएफ (आईहब – अवध, डीएसटी के तहत एनएम-आईसीपीएस टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब), अन्नम.एआई (कृषि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए शिक्षा मंत्रालय द्वारा स्थापित उत्कृष्टता केंद्र) और टीबीआईएफ द्वारा संचालित है।

कार्यक्रम की शुरुआत आईआईटी रोपड़ टीआईएफ की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. राधिका त्रिखा ने डीपटेक इकोसिस्टम के निर्माण के अवध के मिशन पर प्रकाश डालते हुए की। आईआईएलएम विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के निदेशक डॉ. रवि कुमार जैन ने स्वागत भाषण दिया, जिसके बाद आईआईटी रोपड़ टीआईएफ के मुख्य नवाचार अधिकारी डॉ. मुकेश केस्टवाल ने अवध के प्रमुख कार्यक्रमों स्प्रिंट और 100 स्टार्टअप्स 100 डेज़ पर अंतर्दृष्टि साझा की, जिसमें 17 करोड़ के निवेश और बाहरी निवेशकों से 110 करोड़ से अधिक जुटाए जाने के साथ 160 से अधिक स्टार्टअप्स के पोर्टफोलियो की वृद्धि का उल्लेख किया गया। व्हील्स ग्लोबल फाउंडेशन के जल परिषद के अध्यक्ष श्री किशन गोयनका और डीएसटी एनएम-आईसीपीएस की वरिष्ठ वैज्ञानिक-सी सुश्री तनुश्री शर्मा ने सभा को संबोधित किया, पायलट नीरज शेखावत, राष्ट्रीय प्रभारी - अनुसंधान और नीति, भाजपा किसान मोर्चा भी कार्यक्रम में शामिल हुए। इसके बाद उद्घाटन पैनल और मुख्य सत्र की शुरुआत आईआईएलएम विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. (डॉ.) पद्मकली बनर्जी के भाषण से हुई। राज्यसभा सांसद और राष्ट्रीय महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष रेखा शर्मा ने स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने में आईआईटी रोपड़ की तीव्र प्रगति की सराहना की। उन्होंने बताया कि मई में स्प्रिंट हरियाणा शुरू करने के मात्र तीन महीनों के भीतर ही, यह पहल हैदराबाद और गुरुग्राम तक फैल चुकी है और उत्तरी क्षेत्र से 13 आशाजनक स्टार्टअप्स का चयन किया गया है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि भारत को नवाचार और उद्यमिता का वैश्विक केंद्र बनाने के लिए इस तरह के बड़े पैमाने पर, तेज़ गति वाले प्रयास बेहद ज़रूरी हैं।

इस अवसर पर, आईआईटी रोपड़ के निदेशक प्रो. राजीव आहूजा ने अपने वर्चुअल संबोधन में 100 स्टार्टअप्स 100 डेज़ को गति, पैमाने और स्थिरता के साथ उद्यमियों को सशक्त बनाने का एक आंदोलन बताया। आईहब - अवध और अन्नम.एआई के परियोजना निदेशक डॉ. पुष्पेंद्र सिंह ने डीप-टेक स्टार्टअप्स को आगे बढ़ाने और भारत को एक वैश्विक अनुसंधान एवं विकास केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए शुरुआती पूंजी और एक समर्पित निधि की आवश्यकता पर ज़ोर दिया।

इस आयोजन का मुख्य आकर्षण चेक और प्रमाणन समारोह था, जहाँ जेनेसिस ईआईआर कार्यक्रम के 13 चयनित स्टार्टअप और 3 नवप्रवर्तकों को उनके अभूतपूर्व विचारों और उद्यमशीलता की भावना के लिए सम्मानित किया गया।

'सीमाओं से परेः डीपटेक निवेश के भविष्य को खोलना' विषय पर एक उच्चस्तरीय पैनल चर्चा हुई, जिसमें सुश्री माया शेरमन (भारत में इज़राइल दूतावास), सुश्री नेमेसिसा उज्जैन (द सर्कल एफसी), सुश्री नेहा मल्होत्रा (मेरिटएक्स वेंचर्स), श्री मयंक कुमार (नैसकॉम), और श्री हिमांशु जोशी (एआईएम नीति आयोग) जैसे प्रमुख लोग शामिल थे, जिसका संचालन श्री संतोष शर्मा (बुकमायजेट) ने किया। इस सत्र में डीपटेक स्टार्टअप्स के लिए वैश्विक स्तर पर विस्तार के अवसरों पर चर्चा की गई। इसके बाद एक संस्थापक वार्ता हुई, जिसमें डॉ. प्रीत संधू (एवीपीएल इंटरनेशनल) और श्री खालिद वानी (वन कैपिटल लिमिटेड और केडब्ल्यूसीजी) ने अपनी उद्यमशीलता की यात्रा साझा की।

इस कार्यक्रम में लाइव स्टार्टअप पिच और प्रमुख पहलों का अनावरण भी शामिल था, जिसमें अवध प्रगति रिपोर्ट, नैसकॉम के सहयोग से डीटीसी एक्सेलरेट - क्लाइमेटटेक का शुभारंभ, और भारत इनोवेट 2026 पर एक अपडेट शामिल था।

ट्राइसिटी के युवा चेंजमेकर्स को एनआईएफएए रजत जयंती समारोह में किया जाएगा सम्मानित

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। नेशनल इंटीग्रेटेड फोरम ऑफ आर्टिस्ट्स एंड एक्टिविस्ट (निफा) 21 सितंबर 2025 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में रजत जयंती समारोह का आयोजन करेगा। इस भव्य समारोह के मुख्य अतिथि मॉरीशस के राष्ट्रपति होंगे, और इसमें भारत के कई केंद्रीय कैबिनेट मंत्रियों की भी भागीदारी देखने को मिलेगी। इस कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण बिंदु ट्राइसिटी क्षेत्र के चार युवा सामाजिक कार्यकर्ताओं को उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए सम्मानित करना होगा।

समारोह में चंडीगढ़ के रचित जैन, जिन्होंने रक्तदान और जागरूकता अभियानों के माध्यम से युवाओं को संगठित किया; चंडीगढ़ की आरती, जिन्होंने वंचित महिलाओं के बीच महिला सशक्तिकरण और साक्षरता का समर्थन किया; पंचकूला की जहानवी, जिन्होंने पर्यावरण अभियान का नेतृत्व किया और हाशिए की पृष्ठभूमि के बच्चों का मार्गदर्शन किया; और पंचकूला के उज्जवल अग्रवाल, जिन्होंने शिविरों और युवा प्रेरणा के माध्यम से स्वास्थ्य देखभाल जागरूकता में महत्वपूर्ण योगदान किया, को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। ये चेंजमेकर्स युवा नेतृत्व और सामुदायिक सेवा की भावना का प्रतीक हैं। एनआईएफएए की रजत जयंती समारोह में उनकी मान्यता, युवा स्वयंसेवकों की बढ़ती भूमिका को रेखांकित करती है, जो एक सकारात्मक और समावेशी भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण है। इस समारोह के दौरान, नेशनल इंटीग्रेटेड फोरम ऑफ आर्टिस्ट्स एंड एक्टिविस्ट (निफा) को उम्मीद है कि इन युवा कार्यकर्ताओं के प्रेरणादायक दृष्टिकोण और समर्पण से अन्य युवा भी प्रेरित होंगे और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए आगे आएंगे।

हरियाणा के सरकारी अस्पतालों में जल्द भर्ती किए जाएंगे 500 डॉक्टर: आरती सिंह राव

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि राजकीय अस्पतालों में चिकित्सकों की कमी नहीं रहने दी जाएगी। इन अस्पतालों में सरकार द्वारा जल्द ही 500 चिकित्सकों की भर्ती की जाएगी। इस संबंध में प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है और भर्ती प्रक्रिया को शीघ्र ही शुरू किया जाएगा।

हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव शुक्रवार को कुरुक्षेत्र स्थित एलएनजेपी अस्पताल में निरीक्षण करने के उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रही थीं। इससे पहले स्वास्थ्य मंत्री ने एलएनजेपी अस्पताल की फार्मेसी, शौचालयों व अस्पताल के प्रत्येक कक्ष की सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। अस्पताल में जगह-जगह मलबे के ढेर लगे होने के कारण मरीजों खासकर बच्चों के वार्ड में हो रही परेशानी तथा शौचालयों की खस्ता हालत को लेकर अधिकारियों को फटकार लगाई।

स्वास्थ्य मंत्री ने मरीजों से बातचीत की और फार्मेसी में सभी दवाइयां पर्याप्त मात्रा में मिलीं। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारियों और चिकित्सकों से बातचीत कर मरीजों को तमाम सुविधाएं उपलब्ध करवाने के निर्देश भी दिए। यहां पर सीएमओ डॉ. सुखबीर सिंह ने अस्पताल के नए भवन के निर्माण कार्य के साथ-साथ दवाइयों और अस्पताल की व्यवस्थाओं के बारे में बारीकी से जानकारी भी दी।

स्वास्थ्य मंत्री ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि एलएनजेपी अस्पताल के नए भवन का निर्माण चल रहा है, इसलिए अधिकारियों को निर्माण कार्य चरणबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए हैं ताकि सफाई व्यवस्था बनी रहने के साथ-साथ मरीजों को भी परेशानी का सामना ना करना पड़े।

आयुक्त एवं सचिव वित्त विभाग श्रीमती आशिमा बराड ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से समाधान शिविरों में आने वाली शिकायतों की करी समीक्षा

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। आयुक्त एवम सचिव वित्त विभाग, हरियाणा श्रीमती आशिमा बराड ने आज चंडीगढ से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जिला के सभी उपायुक्तों के साथ समाधान शिविरों में लंबित शिकायतों की समीक्षा की और शिकायतों का प्राथमिकता के आधार एक तय समय सीमा में निपटान करने के निर्देश दिए।

वीडियो कांफ्रेंसिंग के उपरांत, उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने पंचकूला लघु सचिवालय के सभागार में जिला अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने समाधान शिविर, सीपी ग्राम, जनसंवाद, सीएम विंडो, एसएमजीटी की लंबित शिकायतों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की और जल्द से जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि समाधान शिविर में आने वाले लोगो की समस्याओं का समाधान तुरंत होना चाहिए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि 60 दिनों से अधिक पुरानी शिकायतों व लंबित तथा रि-ओपन शिकायतों का जल्द समाधान किया जाए ताकि आमजन को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पडे।

उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने बताया कि पंचकूला जिले की 4677 में से 68 लंबित समस्याएं है व 118 रि-ओपन शिकायतें है। उन्होंने सभी अधिकारियों से अपील की कि सभी समस्याओं का गंभीरता से व तय समय सीमा में निपटान करें ताकि जिला पंचकूला हरियाणा में प्रथम स्थान पर आ सके। उपायुक्त ने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री की मन्शा है कि अंतिम पंक्ति में खड़े गरीब व जरूरतमंद व्यक्ति को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले। उन्होंने कहा कि जिलावासियों की समस्याओं का समाधान अधिकारियों की प्राथमिकता होनी चाहिए। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त निशा यादव, एसडीएम चंद्रकांत कटारिया, एसडीएम कालका संयम गर्ग, नगराधीश , जागृति, डीडीपीओ विशाल पराशर, जिला खेल अधिकारी, जिला बागवानी अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, डीएफएसओ, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

डॉ. अंबेडकर मेधावी छात्र संशोधित योजना के अंतर्गत 31 जनवरी 2026 तक कर सकते हैं आवेदन - उपायुक्त

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। उपायुक्त सतपाल शर्मा ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा डॉ. अंबेडकर मेधावी छात्र संशोधित योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 के ऑनलाइन आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 31 जनवरी 2026 तक है। योजना के तहत अनुसूचित जाति एवं पिछड़े वर्ग, विमुक्त जाति, घुमंतु एवं अर्ध घुमंतू जाति तथा टपरीवास जाति के छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए 31 जनवरी 2026 तक आवेदन पत्र पोर्टल https://saralharyana.gov.in पर ऑनलाइन कर सकते हैं।

इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला समाज कल्याण अधिकारी विशाल बंसल ने बताया कि आवेदन करने वाले प्रार्थी की वार्षिक पारिवारिक आय 4 लाख रूपए से अधिक नहीं होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि इस योजना के अंतर्गत पात्र छात्र व छात्राओं का शैक्षणिक स्तर उंचा उठाने तथा उनमें प्रतिस्पर्धा की भावना उत्पन्न करने के लिए विद्यार्थियों को विभिन्न कोर्स में 8000 रुपए से 12000 रूपए तक प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है।

उन्होंने बताया कि इस योजना का लाभ लेने के लिए आवेदनकर्ता हरियाणा का स्थाई निवासी होना चाहिए तथा उसने अगली कक्षा में प्रवेश लिया हो और उनके परिवार की वार्षिक आय 4 लाख रूपए से कम हो। उन्होंने बताया कि पात्रता मानदंड और योजना के अन्य विवरण विभाग की वेबसाईट www.haryanascbc.gov.in पर देखे जा सकते हैं। किसी भी प्रकार की समस्या या जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर 0172-2583378 एवं जिला कल्याण अधिकारी कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है।

जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि डा. अंबेडकर मेधावी छात्र संशोधित योजना के अंतर्गत अनुसूचित जाति, विमुक्त जाति, घुमंतु, अर्ध घुमंतु जाति एवं टपरीवास जाति के 10वीं कक्षा में उतीर्ण छात्र के लिए शहरी क्षेत्र में 70 प्रतिशत अंक तथा ग्रामीण क्षेत्र में 60 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है। कक्षा 11वीं तथा सभी डिप्लोमा/सर्टिफिकेट कोर्स के प्रथम वर्ष में पढने वाले छात्रों को 8 हजार रुपए की वार्षिक छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। इसी प्रकार कक्षा 12वीं में उत्तीर्ण छात्रों के लिए शहरी क्षेत्र में 75 प्रतिशत अंक और ग्रामीण में 70 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है। कक्षा स्नातक के प्रथम वर्ष आर्ट्स/कार्मस/साइंस व सभी डिप्लोमा कोर्सिस में पढ़ने वाले को 8 हजार रुपए वार्षिक छात्रवृति, इंजिनियरिंग तथा अन्य तकनीकी एवं व्यवसायिक कोर्सेज के छात्रों को 9 हजार रुपए वार्षिक व मेडिकल तथा अलाईड कोर्सेज के छात्रों को 10 हजार रुपए की राशि वार्षिक छात्रवृति के रूप में प्रदान की जाएगी।

इसी प्रकार, स्नातक की परीक्षा में शहरी क्षेत्र में 65 प्रतिशत व ग्रामीण क्षेत्र में 60 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है। स्नातकोत्तर कक्षा में पढने वाले प्रथम वर्ष आर्ट, कॉमर्स व साईंस के छात्र को 9 हजार रुपए वार्षिक छात्रवृति, इंजिनियरिंग तथा अन्य तकनीकी व्यवसायिक कोर्सेज के छात्रों को 11 हजार रुपए व मेडिकल व अलाइड कोर्सेज के छात्रों को 12 हजार रुपए की राशि वार्षिक छात्रवृति के रूप में प्रदान की जाएगी। डॉ. अंबेडकर मेधावी छात्र योजना के अंतर्गत पिछड़ा वर्ग के छात्रों को भी लाभ देने के लिए शामिल किया गया है। पिछड़ा वर्ग ब्लाक ए के 10वीं कक्षा में उतीर्ण छात्र के लिए शहरी क्षेत्र में 70 प्रतिशत अंक तथा ग्रामीण क्षेत्र में 60 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है। कक्षा 11वीं तथा सभी डिप्लोमा व सर्टिफिकेट कोर्सेज के प्रथम वर्ष में पढ़ने वाले छात्रों को 8 हजार रुपए की वार्षिक छात्रवृति प्रदान की जाएगी।

एमसीएम ने पंजाब के बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए राहत सामग्री भेजी

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय की एनएसएस इकाइयों ने रॉबिन हुड आर्मी, चंडीगढ़ के सहयोग से पंजाब में हाल ही में आई बाढ़ से प्रभावित लोगों की सहायता हेतु राहत सामग्री भेजी ।

एनएसएस स्वयंसेवकों ने सक्रिय रूप से पैरासिटामोल की गोलियाँ, रुई, एंटीसेप्टिक द्रव्य, सेनेटरी नैपकिन, बिस्कुट, नाश्ते की वस्तुएँ, गर्मी व सर्दी दोनों मौसम के कपड़े, डायपर पैकेट, तौलिए, बाल्टी और मग जैसी आवश्यक सामग्री एकत्र कर योगदान दिया। इस अभियान में न केवल एनएसएस स्वयंसेवकों बल्कि कॉलेज के शिक्षकों और छात्राओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया, जो एमसीएम समुदाय की करुणा, उदारता और सेवा-भावना की मिसाल प्रस्तुत करता है।

कार्यवाहक प्राचार्या श्रीमती नीना शर्मा ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि संकट की घड़ी में एकजुट रहना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि यह अभियान एमसीएम के छात्राओं और संकाय सदस्यों की संवेदनशीलता तथा सामाजिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

केंद्रीय रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने यमुनानगर में यमुना नदी के तट पर हुए भूमि कटाव का जायजा लिया

यमुनानगर में भूमि कटाव क्षेत्रों का दौरा, प्रभावितों को मिलेगी विशेष मदद : वी. सोमन्ना

हिन्द जनपथ
यमुनानगर(ब्यूरो)। केंद्रीय रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने आज यमुनानगर जिले के लापरा, टापू कमालपुर और उन्हेडी गांवों का दौरा कर यमुना नदी के तट पर हुए भूमि कटाव का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नदी तटबंधों को और मजबूत किया जाए ताकि भूमि कटाव रोका जा सके।

केंद्रीय राज्य मंत्री ने ग्रामीणों और किसानों को आश्वस्त किया कि भारी वर्षा से हुए नुकसान की सरकार विशेष भरपाई करेगी और प्रभावित परिवारों को समय पर राहत पहुंचाना सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंत्रियों को बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का दौरा करने के निर्देश दिए हैं और केंद्र व राज्य सरकार मिलकर राहत एवं पुनर्वास कार्यों को तेज़ी से आगे बढ़ा रही है।

वी. सोमन्ना ने कहा कि पीएम मोदी ने प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्निर्माण हेतु बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाने पर बल दिया है, जिसमें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकानों का पुनर्निर्माण, राष्ट्रीय राजमार्गों की मरम्मत, स्कूलों का पुनर्निर्माण और प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से सहायता शामिल है। उन्होंने कहा कि किसानों को देश का अन्नदाता मानते हुए सरकार संकट की घड़ी में हर संभव आर्थिक मदद करेगी।

इस मौके पर हरियाणा के पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवर पाल ने भी ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि किसी भी प्रभावित किसान या नागरिक को राहत से वंचित नहीं रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने फसल और मकानों के नुकसान की भरपाई के लिए स्पष्ट मानक तय कर दिए हैं और राज्य सरकार पूरी तत्परता से कार्य कर रही है।

इस अवसर पर उपायुक्त पार्थ गुप्ता, मेयर सुमन बहमनी, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश सपरा, अतिरिक्त उपायुक्त नवीन आहूजा, एसडीएम विश्वनाथ, जिला राजस्व अधिकारी तरुण सहोता, सिंचाई विभाग के अधीक्षक अभियंता रवि शंकर मित्तल, कार्यकारी अभियंता विनोद कुमार, डीडीपीओ नरेन्द्र सिंह, डीआईपीआरओ डॉ. मनोज कुमार सहित अन्य अधिकारी और भाजपा के वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।